राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 ई-20 पेट्रोल पर केजरीवाल का मोदी पर तंज, बोले....

महिला चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर उत्साहित जेमिमा.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 109 | नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 37.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	90%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,50,840
चांदी	2,45,000
सेंसेक्स	78,542.44
निफ्टी	24,583.80

बारिश से कई राज्यों में हालात बिगड़े, उत्तराखंड में पुल और ट्रक बहा; राजस्थान में 30 बच्चों का रेस्क्यू

प्रात : किरण, एजेंसी

देश के कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे से बारिश का दौर जारी है। लगातार बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर हैं और कई इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राजस्थान के झालावाड़ जिले में कालीखाड़ डैम के ओवरफ्लो होने से झीकनी गांव के एक स्कूल में पानी भर गया। स्कूल में फंसे करीब 30 बच्चों को ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना समेत करीब 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद और बिजनौर में गंगा का पानी हाईवे तक पहुंच गया है। बाढ़ के कारण करीब 40 गांव प्रभावित बताए जा रहे हैं। उत्तराखंड के चमोली जिले की नीती वैली में लगातार बारिश के कारण तमक के पास बना पुल उफनती नदी में बह गया। पुल टूटने से घाटी के करीब 17 गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर सड़कें और यातायात भी बाधित हैं। मौसम विभाग ने दिल्ली में भी अगले कुछ घंटों के दौरान करीब 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान और भारी बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों को मौसम को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विद्या वाहिनी योजना के तहत दो सौ छात्राओं को वितरित की साइकिलें

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विद्या वाहिनी योजना के तहत सोमवार को विधानसभा परिसर में कक्षा 9 में अध्ययनरत छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। इस अवसर पर उत्तरी जिले के जोन 7 की 200 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। यह पहल छात्राओं के लिए विद्यालय तक आवागमन को आसान बनाने के साथ-साथ उनकी शिक्षा की निरंतरता, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं ने कहा कि साइकिल मिलने से उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, समय की बचत होगी और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें साइकिल मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक साइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि बेटियों की शिक्षा और उनके सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम है। सरकार का प्रयास है कि किसी भी बेटी को स्कूल तक पहुंचने में आने वाली दूरी या परिवहन की समस्या उसकी पढ़ाई के रास्ते में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि विद्या वाहिनी योजना के माध्यम से दिल्ली सरकार बेटियों की शिक्षा को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कक्षा 9 में पढ़ने वाली लगभग 1.40 लाख छात्राओं को योजना के तहत साइकिलें वितरित की जा रही हैं। बेटियों की शिक्षा में किया गया निवेश समाज के उज्ज्वल भविष्य में किया गया निवेश है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है कि दिल्ली की बेटियों को शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इस सुविधा का उपयोग अपनी शिक्षा को और मजबूत करने में करें, अपने लक्ष्य तय करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। दिल्ली सरकार का लक्ष्य विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ समग्र और सक्षम वातावरण उपलब्ध कराना है ताकि हर विद्यार्थी बिना किसी बाधा के अपने सपनों की ओर आगे बढ़ सके। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन की ओर आगे बढ़ रही है। आज प्रतिभाशाली छात्राओं को साइकिलों का वितरण केवल आवागमन का साधन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन्हें आत्मनिर्भर बनने, बाधाओं को पार करने और अपने सपनों को साकार करने के लिए पंख देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

झारखंड विधानसभा गेट के पास पहुंचे आंदोलनकारी छात्र, बैरिकेडिंग तोड़ी

पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़े; राहुल गांधी बोले- स्टूडेंट्स पर बल का इस्तेमाल गलत

प्रात : किरण, एजेंसी

झारखंड। के रांची में खढरउ-खररउ परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं। छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उउळश कैमरों से निगरानी की जा रही है। इधर, उक्ऊने खढरउ के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को खढरउ ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उक्ऊ उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। झारखंड ढरउ-ररउ की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

हिमाचल में आज रात भारी बारिश

हिमाचल प्रदेश। में मानसून एक बार फिर सक्रिय होगा। मौसम विज्ञानी संदीप शर्मा ने बताया कि आज रात से मानसून की गतिविधियां तेजी होंगी। इसके चलते 10 और 11 अगस्त को राज्य के अधिकांश भागों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कुछ जिलों में बहुत भारी बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञानी के अनुसार- 10 अगस्त को कांगड़ा और सिरमौर के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए दोनों जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं ऊना, बिलासपुर, मंडी और शिमला में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीती रात में भी धर्मशाला में 61.1 मिमी, अर्की में 55.0 मिमी, शिमला 40.8 मिमी, जोगिंदरनगर 37.0 मिमी बारिश हुई। आज सुबह से भी राज्य के कई भागों में बूंदाबांदी व हल्की बारिश जारी है। सरकार और प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने की अपील संदीप शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि नदी-नालों, लैंडस्लाइड संभावित क्षेत्रों और संवेदनशील सड़कों पर दूर रहें। इस दौरान राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन की एडवाइजरी का पालन जरूर करें। 11 अगस्त को तीन जिलों में ऑरेंज अलर्ट संदीप शर्मा ने बताया कि कल यानी 11 अगस्त को कांगड़ा, सिरमौर और मंडी के एक-दो स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। इन तीन जिलों के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा ऊना, बिलासपुर, चंबा, शिमला और सोलन के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट है। कल देर रात तक मानसून काफी सक्रिय रहने की संभावना है।

राहुल बोले- जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज-फायरिंग का आदेश किसने दिया

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बार फिर जंतर-मंतर प्रदर्शन पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। राहुल ने सवाल किया कि लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। इसका जिम्मेदार कौन है, वो सामने आए। गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें। राहुल ने कहा कि विपक्ष की तीन मांगें हैं। पहली- युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी- प्रधानमंत्री घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है।

नाले में बही कार, 3 बच्चों समेत 9 की मौत

2 युवक तैरकर बाहर आए; पानी में डूबे अधूरे पुल को देख नहीं पाया ड्राइवर

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राजगढ़ में ईको वैन नाले में बह गई। हादसे में तीन बच्चों और दो महिलाओं समेत 9 लोगों की मौत हो गई। दो युवकों ने तैरकर जान बचाई। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, ईको सवार सभी लोग देवास के सतवास में धांसड़ गांव के रहने वाले हैं। वे कड़लावद गांव जा रहे थे। कार मुकेश सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है। वही कार चला रहा था। वह और हुकुम सिंह अस्पताल में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। पड़ाना के पास झिरी नाले पर 30 फीट का पुल निमार्णाधीन है। तेज बारिश की वजह से पानी पुल के ऊपर बह रहा है। कार ड्राइवर मुकेश को अधूरा पुल नहीं दिखा। उसने कार आगे बढ़ा दी, जो नाले में बह गई। एसडीएम रोहित बम्होरे, एसडीओपी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे। रऊ्फ्रक्की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया। क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला। टीआई राहुल रघुवंशी ने बताया कि इसमें कोई नहीं मिला। रोकने के बाद भी ड्राइवर ने पानी में बढ़ाई कार प्रत्यक्षदर्शी महेंद्र परमार ने बताया कि पुल पर पानी भरा था। हमने कार ड्राइवर को रोका। उसे कहा कि आगे घुटने तक पानी भरा है। गाड़ी मत निकालो, लेकिन वह नहीं माना। रोड पर रेलिंग नहीं होने की वजह से गाड़ी नाले में जा गिरी। हादसे से बच निकले मुकेश और हुकुम सारंगपुर अस्पताल में भर्ती हैं। मुकेश ने कहा- हम सतवास के पास धांसड़ गांव से आ रहे थे। मेरी काकी को लकवा लगा है, जिन्हें इलाज के लिए कनावड़ धाम ले जा रहे थे। नाले में बाढ़ आई थी। गांव के लोगों ने आगे जाने से मना किया। हम रुक गए, करीब 15 मिनट तक इंतजार किया। इसी बीच अंकल बोले कि आज नहीं पहुंचे तो पर्ची नहीं मिलेगी। कल फिर चक्कर काटना पड़ेगा।

मोहाली में छात्रा से 48 घंटे में 2 बार गैंगरेप

बेहोशी की हालत में फेंका, फ्रेंडशिप से मना किया था; पर्ची में आरोपी का नाम-मोबाइल नंबर मिला

मोहाली। में 16 साल की छात्रा को किडपैन कर 48 घंटे में 2 बार गैंगरेप किया गया। एक आरोपी कई दिन से छात्रा से फ्रेंडशिप करने के लिए कह रहा था। छात्रा ने इनकार किया तो उसने अपने 2 और साथियों के साथ उसे स्कूल जाते वक्त कार में उठा लिया। फिर अज्ञात जगह पर ले जाकर तीनों ने बारी-बारी से उसका रेप किया। फिर उसे घर के पास छोड़ दिया। अगले दिन फिर उसी स्कूल टाइम में वह लड़की को उठा ले गए और फिर से गैंगरेप किया। इस बार उसे बेहोश हालत में ही गिफ्ट शॉप के पास फेंक गए। छात्रा ने किसी राहगीर से फोन लेकर घर पर फोन कर माता-पिता को उसे ले जाने के लिए कहा। बेहोशी और गैंगरेप की वजह से लड़की चल भी नहीं पा रही थी। इससे माता-पिता को पूरे मामले का पता चला। लड़की से पुलिस को आरोपी के फ्रेंडशिप के लिए दी गई पर्ची मिल गई है, जिसमें आरोपी ने अपना नाम व मोबाइल नंबर दिया है। फिलहाल आरोपियों पर केस दर्ज कर उउळश फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान व तलाश की जा रही है। 0

बंगाल के जलपाईगुड़ी में किसान का अपहरण

20 बांग्लादेशी बदमाशों पर आरोप; परिवार का दावा- चाय बागान से उठाकर बॉर्डर पार ले गए

प्रात : किरण, एजेंसी

पश्चिम बंगाल। के जलपाईगुड़ी जिले में 35 साल के चाय किसान दीपांकर गोप के अपहरण का मामला सामने आया है। घटना शनिवार को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास राजगंज ब्लॉक के कुकुरजान इलाके के एक चाय बागान में हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिवार का आरोप है कि करीब 20 बांग्लादेशी बदमाश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर चाय बागान में पहुंचे और दीपांकर को जबरन अपने साथ बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले में ले गए। परिवार का दावा है कि इसी हफ्ते सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश नाकाम हुई थी। इसके बाद बदला लेने के लिए दीपांकर का अपहरण किया गया।

BSF ने बांग्लादेश से बातचीत की

अपहरण के बाद BSF मौके पर पहुंची और दीपांकर की रिहाई की कोशिश शुरू की। अधिकारियों ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ फ्लैग मीटिंग भी की। हालांकि, शनिवार रात तक दीपांकर को रिहा नहीं किया गया था। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वह BGB की हिरासत में हैं। इस बीच, सोशल मीडिया पर दीपांकर का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जहां वह कह रहे हैं कि उन्हें तभी छोड़ा जाएगा, जब भारतीय अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिक को रिहा किया जाएगा। हालांकि, वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है।

छात्रों पर विवादित बयान देने वाला केरलम का यूट्यूबर गिरफ्तार

डिजिटल डिवाइस जब्त; वीडियो में कहा था- जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग कराता

नई दिल्ली। केरलम पुलिस ने सोमवार को यूट्यूबर टीजी मोहनदास को गिरफ्तार कर लिया। उन पर ठएएळ पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर विवादित बयान देने का आरोप है। पुलिस ने जांच के लिए डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, मोहनदास ने 24-25 जुलाई को यूट्यूब चैनल ह्यपथरिकाह्न पर वीडियो अपलोड किए थे। मोहनदास इखढ के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख रहे हैं। मोहनदास ने वीडियो में कहा- 'जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में 'गैंगरेप की घटनाएं हो सकती हैं', लेकिन इसकी कोई शिकायत नहीं होगी क्योंकि प्रदर्शन में शामिल होने वालों को रेप पसंद है और कुछ लड़कियां हैं जो रेप का आनंद लेती हैं।' उन्होंने कहा था कि अगर वह होते तो जंतर-मंतर पर कर्फ्यू लगा देते और प्रदर्शनकारियों को हटने का आदेश देते। अगर प्रदर्शनकारी नहीं मानते, तो वे फायरिंग का आदेश देते। पुलिस ने सोशल मीडिया से वीडियो हटाने को कहा पुलिस रविवार देर रात कोच्चि में मोहनदास के घर पहुंची। उन्हें आधी रात को तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां उनकी गिरफ्तारी हुई। उन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने उनके यूट्यूब अकाउंट की जांच कर रही है। वीडियो बनाने और अपलोड करने में इस्तेमाल डिजिटल डिवाइस को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। पुलिस ने सोशल मीडिया ऑपरेटरों से विवादित वीडियो हटाने का अनुरोध भी किया है। पुलिस को मिली शिकायत में आरोप है कि वीडियो का मकसद लोगों में डर और अशांति फैलाना था। मोहनदास पर इठर, क्ळ एक्ट और केरल पुलिस एक्ट की कई धाराओं में केस दर्ज हुआ है। थाने और कोर्ट के बाहर सुरक्षा बढ़ाई मोहनदास को रविवार को हिरासत में लिए जाने के दौरान उनके कोच्चि स्थित घर के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। इसे देखते हुए पुलिस तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस स्टेशन और संबंधित कोर्ट के आसपास भीड़ या प्रदर्शन की आशंका को लेकर सतर्क है। केरलम के गृह मंत्री बोले- कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई गिरफ्तारी केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने कहा कि मोहनदास के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद उसे तुरंत साइबर सेल के क्क्ष्को भेजा गया था। उनकी गिरफ्तारी कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई है।

नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के तीसरे गश्ती पोत का जलावतरण कल

प्रात : किरण, एजेंसी

कोलकाता। भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे 11 अगली पीढ़ी के गश्ती पोतों (एनजीओपीवी) में से तीसरे पोत का 11 अगस्त को कोलकाता में जलावतरण किया जाएगा। इस पोत का निर्माण गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा किया जा रहा है। संस्थान ने सोमवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी। यह जीआरएसई का दूसरा अगली पीढ़ी का गश्ती पोत होगा। इससे पहले जीआरएसई ने 20 मई को ह्यसंघमित्राह्ल नामक पोत का जलावतरण किया था। वहीं, जीएसएल ने अपने द्वारा बनाए जा रहे सात एनजीओपीवी में से एक का 31 मार्च 2026 को जलावतरण किया था। इस पोत का नाम ह्यशाचीह्ल रखा गया है। जीआरएसई में होने वाले जलावतरण समारोह में भारतीय नौसेना के युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक (सीडब्ल्यूपीएंडए) वाइस एडमिरल संजय साधु की पत्नी मणिका साधु पोत का जलावतरण करेंगी। वाइस एडमिरल संजय साधु समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनजीओपीवी परियोजना तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। तीन पोतों के निर्माण के बाद अब उन्हें उपकरणों और प्रणालियों से लैस करने का काम शुरू होगा। नौसेना को इन पोतों की आपूर्ति 2028 से शुरू होने की उम्मीद है। इससे नौसेना के 200 युद्धपोतों के बेड़े के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। अधिकारी के अनुसार, ये पोत वर्तमान में नौसेना के पास मौजूद गश्ती पोतों की तुलना में अधिक उन्नत होंगे। इनमें बेहतर गुप्त संचालन क्षमता, अधिक समय तक समुद्र में रहने की क्षमता और आधुनिक उपकरण एवं हथियार होंगे। इनकी मदद से नौसेना विभिन्न प्रकार के अभियानों को अंजाम दे सकेगी। भविष्य में नौसेना के लिए बनाए जाने वाले सभी युद्धपोत अगली पीढ़ी की तकनीक पर आधारित होंगे। इनमें अगली पीढ़ी के कार्वेट, फ्रिगेट, सर्वे पोत और विध्वंसक शामिल हैं। एनजीओपीवी की लंबाई करीब 113 मीटर और चौड़ाई 14.6 मीटर होगी। इनका विस्थापन लगभग 3,000 टन होगा और ये अधिकतम 23 समुद्री मील की गति से चल सकेंगे। 14 समुद्री मील की गति पर इनकी समुद्री सहनशक्ति करीब 8,500 समुद्री मील होगी।

गुजरात में रैगिंग से परेशान जूनियर डॉक्टर ने सुसाइड किया आरोपी चार सीनियर 6 महीने के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली। गुजरात में सूरत के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या ने रैगिंग से परेशान होकर रविवार को सुसाइड कर लिया। कॉलेज के चार सीनियर अनुज महेश्वरी, दीक्षित धेवरिया, निराली वसावे और हिनाबेन भूत पर रैगिंग का आरोप लगा है। कॉलेज प्रशासन ने इन्हें 6 महीनों के लिए सस्पेंड कर दिया है। साथ ही उन्हें हॉस्टल खाली करने का भी आदेश दिया गया है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने सोमवार को चारों के खिलाफ ऋक्रभी दर्ज करवाई है। साथ ही एचओडी और तीन फैकल्टी सदस्यों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पीड़ित स्टूडेंट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) से जुड़े न्यू सिविल हॉस्पिटल के माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट में काम करता था।

तीन बागी TMC सांसदों का भाजपा में जाने से इनकार

इनमें यूसुफ-अबू ताहिर, बोले- हम NDA में नहीं; 20 सांसदों ने NCPI में विलय किया था

पश्चिम बंगाल । में तृणमूल कांग्रेस के तीन बागी मुस्लिम सांसद अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान ने कहा है कि वे BJP में शामिल नहीं होंगे और वे NDA का हिस्सा भी नहीं हैं। तीनों सांसदों के मुताबिक, वे BJP की राजनीति से सहमत नहीं हैं, लेकिन अपने क्षेत्रों के लोगों के हित में केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे। ये तीनों उन 20 बागी TMC सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्तों बाद ममता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में विलय किया था। इसके बाद NDA को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अभी तक उन्हें औपचारिक रूप से NCPI सांसद के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अबू ताहिर और खलीलुर रहमान के मुताबिक, स्पीकर अभी भी उन्हें संसद में TMC सांसद कहकर संबोधित करते हैं और उनके नाम के साथ ळटउ लिखा जाता है।

इस दौरान सांसदों ने नारेबाजी की और हाथों में बड़ा पोस्टर लेकर अमित शाह से जवाब देने की मांग की।

प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। नीट प्रश्नपत्र मामले में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित बल प्रयोग और पुलिस कार्रवाई को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के संसद में बयान की मांग करते हुए विपक्षी सांसदों ने सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसदों ने नारेबाजी की और हाथों में बड़ा पोस्टर लेकर अमित शाह से जवाब देने की मांग की। प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, सांसद धर्मेंद्र यादव समेत विपक्ष के कई नेता शामिल हुए। प्रदर्शन कर रहे सांसदों के हाथों में मौजूद पोस्टरों पर लिखा था, 'अमित शाह जवाब दो।' संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका गांधी ने कहा कि जब तक गृहमंत्री शाह संसद में बयान नहीं देंगे, तब तक गतिरोध जारी रहेगा। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष का रुख इस मुद्दे पर बिल्कुल स्पष्ट है। सबसे पहले गृहमंत्री को संसद में आकर दिल्ली में छात्रों के साथ हुई कथित ज्यादती पर बयान देना चाहिए। इस मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान के बिना विपक्ष आगे की कार्यवाही की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक, परिसीमन विधेयक और विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक से जुड़े मुद्दों पर भी विपक्ष का रुख स्पष्ट है, लेकिन छात्रों के मुद्दे पर गृहमंत्री का संसद में बयान उनकी प्रमुख मांग है। कांग्रेस सांसद क्रिस्टोफर तिलक ने आरोप लगाया कि पिछले तीन सप्ताह से प्रधानमंत्री व गृहमंत्री सदन में नहीं आए। इससे संसद के प्रति उनकी जिम्मेदारी को लेकर सवाल खड़े होते हैं। पिछले दो-तीन दिनों में सरकार परिसीमन विधेयक और एफसीआरए विधेयक जैसे विधेयकों को पारित कराने की कोशिश कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

अलकनंदा का बढ़ा जलस्तर, श्रीनगर डैम के सभी गेट खोले गए, खादर के कई गांवों में बाढ़ का खतरा

श्रीनगर/लक्सर, एजेंसी। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में इन दिनों जमकर बारिश हो रही है. जिसके कारण मैदानी इलाकों में जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. लगातार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है. नदी नाले उफान पर हैं. बारिश के कारण लैंडस्लाइड की घटनाएं हो रही हैं. चमोली और रुद्रप्रयाग जिले में हो रही बारिश का असर श्रीनगर गढ़वाल में देखने को मिल रहा है. गुरुवार को श्रीनगर में अलकनंदा नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई. अलकनंदा जलस्तर बढ़कर 534.76 मीटर तक पहुंच गया. यह अलार्म स्तर 535 मीटर से बेहद करीब है. वहीं, नदी का डेंजर लेवल 536 मीटर निर्धारित है. श्रीनगर डैम के सभी गेट खोले गए: ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही वर्षा के चलते अलकनंदा नदी में पानी की आवक तेजी से बढ़ी है. बढ़ते जलस्तर को देखते हुए श्रीनगर जलविद्युत परियोजना को भी अपने बांध के गेट खोलकर बड़ी मात्रा में पानी छोड़ना पड़ा. प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों और अनावश्यक रूप से नदी के आसपास जाने वालों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है. लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं. खादर के दो दर्जन से अधिक गांवों पर बाढ़ का खतरा: लक्सर क्षेत्र में गंगा का जलस्तर सीजन में पहली बार 292.50 मीटर तक पहुंचने से खादर क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है. स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है. बाढ़ चौकियों को सतर्क रहने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं. प्रशासन ने गंगा किनारे बसे गांवों की निगरानी बढ़ा दी है. बाढ़ नियंत्रण से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को चौबीसों घंटे मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं. संवेदनशील इलाकों में लगातार जलस्तर पर नजर रखी जा रही है. जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके. एसडीएम अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ग्रामीणों से नदी की ओर नहीं जाने की अपील की जा रही है. विशेष रूप से बच्चों और पशुपालकों को नदी के किनारे जाने से रोकने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही ग्राम प्रधानों और संबंधित विभागों को भी अलर्ट रहने को कहा गया है.

दो दिन में बिहार के दो युवकों ने की आत्महत्या, कल छात्र तो आज नौकरी के लिए आए युवक ने उठाया आत्मघाती कदम

रुद्रपुर, एजेंसी। उत्तराखंड में दो दिन में बिहार के दो युवकों ने आत्मघाती कदम उठाए हैं. श्रीनगर गढ़वाल के बाद उधम सिंह नगर के दिनेशपुर थाना क्षेत्र में एक 21 वर्षीय युवक का शव मिला है. फंदे से लटका शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. युवक करीब 20 दिन पहले ही बिहार से रोजगार की तलाश में रुद्रपुर आया था और अपने जुड़वां भाई के साथ किराये पर रह रहा था. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच में जुटी है. बिहार के 21 साल के युवक ने उधम सिंह नगर में की आत्महत्या: दिनेशपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई. यहां 21 वर्षीय युवक ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. 20 दिन पहले रोजगार के लिए उत्तराखंड आया था गौरव: मृतक की पहचान गौरव कुमार (21 वर्ष) पुत्र गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है. वह मूल रूप से सिरसिया, आरा (बिहार) का निवासी था. वर्तमान में वह दिनेशपुर थाना क्षेत्र के छत्तरपुर में किराये के मकान में रह रहा था. गौरव करीब 20 दिन पहले ही रोजगार की तलाश में रुद्रपुर आया था. जुड़वां भाई ने नौकरी के लिए बिहार से बुलाया था: पुलिस की ओर से बताया गया है कि, गौरव का जुड़वां भाई सौरव कुमार पहले से ही सिडकुल स्थित एक कंपनी में कार्यरत है. बेहतर रोजगार की उम्मीद में सौरव ने ही अपने भाई गौरव को बिहार से रुद्रपुर बुलाया था. परिवार को उम्मीद थी कि दोनों भाई साथ रहकर काम करेंगे और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगे, लेकिन इससे पहले ही यह दुखद घटना हो गई. बुधवार को गौरव ने अपने किराये के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे तथा युवक को उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए. हालांकि वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. बेटे की आत्महत्या से परिवार सदमे में: घटना की सूचना मिलते ही दिनेशपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाने के साथ शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. परिवार के लोगों का कहना है कि उन्हें इस तरह की किसी घटना की कोई आशंका नहीं थी और आखिर उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, यह उनकी समझ से परे है. पुलिस का बयान: दिनेशपुर थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची. परिजन युवक को स्वास्थ्य केंद्र ले गए थे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

श्रावण मास में कनखल से सृष्टि का संचालन करते हैं भगवान शिव, महादेव के ससुराल दक्षेश्वर महादेव मंदिर की कहानी

हरिद्वार, एजेंसी। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है. धर्मनगरी के कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर का सावन के महीने में अलग ही धार्मिक महत्व है. मान्यता है कि सावन के पूरे महीने भगवान शिव, हरिद्वार के कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव में विराजमान रहते हैं और यहीं से सृष्टि का संचालन करते हैं. यही कारण है कि सावन में दक्षेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए देशभर से श्रद्धालु कनखल पहुंचते हैं. हालांकि सालभर मंदिर में रोजाना दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही स्थानीय लोग पूजा अर्चना करने आते है, लेकिन सावन के महीने में यहां का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जो नागा संन्यासियों का अखाड़ा है. दक्षेश्वर महादेव मंदिर का पौराणिक इतिहासः हरिद्वार के कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर एक पौराणिक मंदिर है, जिसे दक्ष मंदिर भी कहा जाता है. कनखल को भगवान शिव की ससुराल कहा जाता है, क्योंकि माता सती के पिता राजा दक्ष प्रजापति का यहां साम्राज्य हुआ करता था. मंदिर के पुजारी विनोद शास्त्री बताते हैं कि, प्राचीन समय में राजा दक्ष प्रजापति की इच्छा के विरुद्ध

उनकी पुत्री सती का विवाह भगवान शिव के साथ हुआ था. एक बार राजा दक्ष ने एक विशाल यज्ञ का आयोजन लिया. लेकिन इस यज्ञ में भगवान शिव को छोड़कर समस्त देवी देवताओं को निमंत्रण दिया गया. माता सती इस यज्ञ के आयोजन में पहुंचीं तो उन्होंने देखा कि वहां भगवान शिव का उपहास (मजाक) उड़ाया जा रहा है. पति की मानहानि देख माता सती क्रोधित हो उठीं और यज्ञ कुंड में कूदकर अपने प्राणों की आहुति दे दी. माता सती की मृत्यु से क्रोधित होकर भगवन शिव ने अपनी जटाओं को पृथ्वी पर फेंककर तांडव मचा दिया. भगवान शिव ने अपने गण से वीरभद्र का सृजन किया और उसे राजा दक्ष के यज्ञ का विध्वंस करने के लिए भेजा. क्रोध में आकर वीरभद्र ने राजा दक्ष का सिर काट दिया और हवन कुंड में फेंक दिया. उधर, माता सती के वियोग में भगवान शिव ने संपूर्ण पृथ्वी पर तांडव मचा दिया और माता सती के मृत शरीर को लेकर इधर-उधर भटकने लगे. तब देवी देवताओं के आह्वान पर भगवान विष्णु ने अपने चक्र से माता सती को मुक्ति दिलाई और भगवान् शिव का क्रोध शांत हुआ. शांत होकर भगवान शिव ने बकरे का सिर लगाकर राजा दक्ष को पुनः जीवनदान दिया और शिवलिंग के रूप में यज्ञ कुंड में विराजमान हो गए. राजा दक्ष के आग्रह पर भगवान शिव ने अपनी सास और ससुर राजा दक्ष को आशीर्वाद किया कि वो सावन के महीने में कनखल में रहकर संपूर्ण सृष्टि का संचालन करेंगे. शिवलिंग के रूप में पूजा उनकी होगी और नाम राजा दक्ष का होगा. तब से लेकर आज तक उसी मान्यता को मनाकर लोग यहां पूजा अर्चना करने आते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं. जानिए क्या है भगवान शिव को प्रियः मान्यता ये भी है कि वैसे तो भगवान शिव मात्र एक लोटा जल से ही प्रसन्न हो जाते हैं. फिर भी शिवभक्त गंगाजल, फल, फूल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र, भांग और धतूरे से भगवान शिव को प्रसन्न करते हैं. यहां भगवान शिव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया जाता है. श्रद्धालुओं के अनुसार, दक्षेश्वर महादेव में पूजा अर्चना करने से श्रद्धालुओं की हर मुराद पूरी होती है और यही कारण है कि यहां साल भर शिवभक्तों की भीड़ जमा रहती है. सावन के महीने में तो यहां दूर दराज से आने वाले भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है. श्रद्धालुओं की मान्यता है कि भगवान शिव अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं. गौरतलब है कि दक्षेश्वर महादेव मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन महानिर्वाणी अखाड़े द्वारा किया जाता है. वनखंडी महादेव मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़ः खटीमा के चकरपुर स्थित प्राचीन वनखंडी महादेव मंदिर में सावन के आखिरी सोमवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा. तड़के तीन बजे से ही शारदा नदी और हरिद्वार-गौमुख से पवित्र जल लेकर पहुंचे सैकड़ों शिवभक्तों ने भोलेनाथ का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और रुद्राभिषेक कर सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की. पर्वतीय समाज के साथ थारू जनजाति के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा. वनखंडी महादेव मंदिर के पुजारी पंडित रोहित शर्मा द्वारा बताया गया कि, पर्वतीय समाज का आज सावन का आखिरी सोमवार है, लेकिन मैदान के हिसाब से सावन का दूसरा सोमवार है.

रुड़की में बुलेट और बाइक की टक्कर में दो कांवड़ियों की मौत, रुद्रपुर में भी 3 लोगों की गई जान

रुड़की/रुद्रपुर, एजेंसी। रुड़की में नेशनल हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. इस हादसे में दो कांवड़ियों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि हादसा बुलेट और बाइक की टक्कर के कारण हुआ है. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं, दूसरी और इसी स्थान पर एक कार और स्कूटी की टक्कर लगने से स्कूटी सवार घायल हो गया, जिसे क्वाड्रॉ अस्पताल भिजवाया गया है. घायल की स्थिति सामान्य बताई जा रही है. पुलिस के मुताबिक, रुड़की सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर स्थित रिमझिम ढाबे के पास रविवार को बुलेट और बाइक की टक्कर हो गई. दोनों वाहनों पर कांवड़िए सवार थे. टक्कर इतनी भयंकर थी कि दोनों कांवड़ियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. हादसे की सूचना मिलते ही सिविल लाइन कोतवाली पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया. पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. दोनों कांवड़ यात्रा के सिलसिले में निकले थे. वहीं, पुलिस ने हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी है. मौत की खबर मिलने के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि नेशनल हाईवे पर दोनों दोपहिया वाहनों की भिड़ंत के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गईय आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को संभाला और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया गया. उसी जगह पर कार और स्कूटी की भी टक्करः उधर, दूसरी ओर इसी स्थान पर एक कार और स्कूटी की टक्कर हुई है. इस हादसे में स्कूटी सवार घायल हुआ है. पुलिस ने घायल को उपचार के लिए क्वाड्रॉ अस्पताल भेजा है. जहां पर उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है. पुलिस ने कांवड़ियों से लेकर आम लोगों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है. 'पुलिस को सूचना मिली थी कि रिमझिम ढाबे के पास बुलेट और बाइक की टक्कर में दो कांवड़ियों की मौत हुई है. मौके पर पहुंचकर पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. हादसे में क्षतिग्रस्त हुए वाहनों को कोतवाली लाया गया है. पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है. '- धर्मेंद्र राठी, एसएसआई, सिविल लाइन कोतवालीझ रुद्रपुर में अलग-अलग घटनाओं में 3 लोगों की मौतः रुद्रपुर में अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत से सनसनी फैल गई. पंतनगर क्षेत्र में 58 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई. प्रथम दृष्टया डॉक्टरों ने हार्ट अटैक की आशंका जताई है. वहीं, शांति विहार कॉलोनी में 48 वर्षीय व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली. इसके अलावा रानी रोड के किनारे करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ. पुलिस ने तीनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे. पहला मामला पंतनगर क्षेत्र के मातकोटा, जवाहर नगर का है. यहां रहने वाले 58 वर्षीय सुधीर सहाय पुत्र स्व महावीर सहाय की देर रात करीब तीन बजे अचानक तबीयत खराब हो गई. परिजन उन्हें तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे. डॉक्टरों ने उनकी हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया. इसके बाद परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. मृतक के बेटे सुभाष सक्सेना ने बताया कि डॉक्टरों ने प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक की आशंका जताई है.

हरिद्वार हाईवे पर हादसा, आग का गोला बनी कांवड़ियों की बाइकें, मची अफरा तफरी

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ मेले के दौरान रविवार को हरिद्वार में दो अलग-अलग स्थानों पर कांवड़ियों की बाइक में आग लगने के मामले सामने आए. हाइवे पर आग लगने से कांवड़ियों में अफरातफरी मच गई. पहले पतंजलि योगपीठ के पास हाईवे पर बाइक धू धूकर जलने लगी. उसके बाद शंकराचार्य चौक पर भीड़ के बीच बाइक में आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा तफरी मच गई. दोनों घटनाओं में समय रहते आग पर काबू पा लिया गया. रविवार को पतंजलि योगपीठ के पास हरिद्वार दिल्ली हाईवे पर कांवड़ियों की बाइक में अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बाइक धू धूकर जलने लगी. बाइक पर सवार कांवड़ियों ने समय रहते नीचे उतरकर अपनी जान बचाई. हाईवे पर बीच सड़क बाइक में आग लगने से आसपास मौजूद कांवड़ियों और राहगीरों में अफरातफरी मच गई. आग की लपटें देखकर मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए. इससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को घटनास्थल से दूर किया. पुलिसकर्मियों और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया. आग बुझने के बाद स्थिति सामान्य हुई। घटना में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. दूसरी घटना रविवार दोपहर शंकराचार्य चौक पर हुई. यहां गंगाजल लेने हरिद्वार आ रहे कांवड़िए की बाइक में अचानक आग लग गई. चौक पर पहले से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ थी. ऐसे में सड़क के बीच बाइक में आग लगने से कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया. आग लगते ही बाइक से तेज लपटें उठने लगीं. आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी. चौक पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची. फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया. पुलिस और फायरकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाइक में लगी आग बुझाई. समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा होने से टल गया।.सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया बाइक में आग लगने दोनों घटनाओं में वक्त रहते आग को बुझा लिया. यातायात सुचारू कराया गया.

बदरीनाथ में पुलिस और सेना के जवानों के बीच विवाद, मेजर समेत 15 पर मुकदमा

चमोली, एजेंसी। बदरीनाथ धाम में यात्रा एवं यातायात व्यवस्था के दौरान पुलिस और सेना के बीच विवाद का मामला सामने आया है. ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी और सेना के मेजर के बीच कहासुनी के बाद मामला बढ़ गया. पुलिस की मानें तो विवाद के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट के आरोप लगाए गए हैं. मामले में बदरीनाथ थाना पुलिस ने आर्मी मेजर समेत 15 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. चमोली पुलिस के मुताबिक, बीती 8 अगस्त को बदरीनाथ धाम में यात्रा व्यवस्था के लिए पुलिस और होमगार्ड जवानों की ड्यूटी लगाई गई थी. इसी दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर एक होमगार्ड जवान और सेना के मेजर के बीच विवाद हो गया. आरोप है कि कहासुनी के बाद मामला बढ़ गया और मेजर की ओर से सेना के अन्य जवानों को मौके पर बुलाया गया.

दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की की बनी स्थितिः बताया जा रहा है कि सेना के जवानों की ओर से होमगार्ड जवान को वाहन में बैठाकर ले जाने का प्रयास किया गया. इस दौरान मौके पर पहुंची चीता पुलिस ने बीच-बचाव किया. पुलिस की मानें तो इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई.

आरोप है कि घटना के बाद सेना के करीब 10 से 15 जवान बदरीनाथ थाने पहुंच गए. इसके बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू की. चमोली पुलिस के मुताबिक, कांस्टेबल 58 एपी विजय सिंह की लिखित तहरीर पर रात 10:25 बजे बदरीनाथ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया.

इन धाराओं में मुकदमा दर्जः बदरीनाथ थाना पुलिस ने मेजर समेत 15 अन्य सेना के जवानों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 121(1), 127(2), 132, 140(3), 191(2), 191(3), 351(2) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया है. चमोली पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने मामले की पुष्टी की है. फिलहाल, पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है.

जिसे लोग समझ रहे थे गुलदार वो निकली लेपर्ड कैट, लोगों की अटकाई सांसें

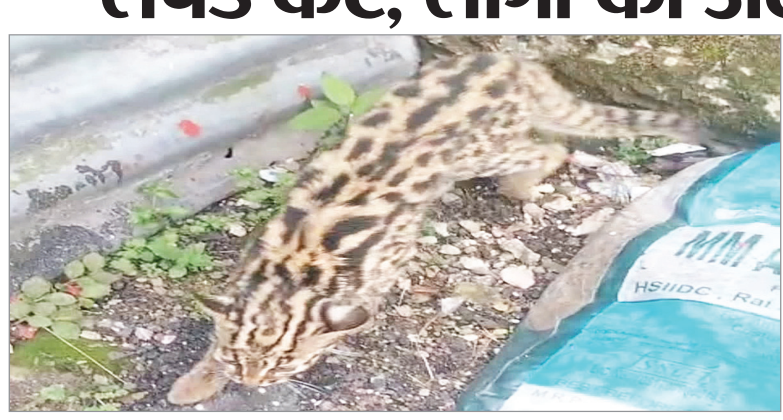

टिहरी, एजेंसी। नई टिहरी के बौराड़ी क्षेत्र में आज सुबह झाड़ी कटान के दौरान सफाई कर्मचारियों को एक घर के पास लेपर्ड कैट नजर आया. उसे देखकर स्थानीय लोगों और सफाई कर्मचारियों ने गुलदार का बच्चा समझकर शोर मचा दिया. सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. जांच के बाद स्पष्ट किया कि यह जानवर लेपर्ड कैट है, गुलदार का बच्चा नहीं. स्थानीय लोगों का कहना था कि बरसात के मौसम में झाड़ियां बढ़ने से आबादी वाले इलाकों में वन्यजीवों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं. ऐसे में सड़क किनारे और रास्तों पर उगी झाड़ियों की नियमित सफाई जरूरी है. ताकि, वन्यजीवों की मौजूदगी का समय रहते पता चल सके. वहीं, गुलदार के शावक की जगह लेपर्ड कैट यानी जंगली बिल्ली के होने की जानकारी मिलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली. 'आज सुबह हमारे कर्मचारी सफाई कर रहे थे. तभी स्थानीय लोगों का फोन आया कि वहां पर एक बाघ (गुलदार) का बच्चा मिला है, जिस पर मैंने तत्काल वन विभाग के अधिकारी को संपर्क किया. जिसके बाद उन्होंने आगे की कार्रवाई की. वनकर्मियों ने अवगत कराया कि यह गुलदार का बच्चा नहीं है. बल्कि यह लेपर्ड कैट यानी जंगली बिल्ली है. जिससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है पालिकाध्यक्ष मोहन रावत ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जब भी ऐसे जानवर नजर आएं, तो तत्काल उन्हें सूचित करें या फिर वन विभाग को सूचना दें. उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि शहर के बड़े भौगोलिक क्षेत्र में जहां-जहां झाड़ियां फैली हुई हैं, वहां-वहां झाड़ियों का कटान कर रहे हैं. साथ ही कोशिश की जा रही है कि नालियों की सफाई हो. क्या होती है लेपर्ड कैट दरअसल, लेपर्ड कैट एक जंगली बिल्ली है. जो दिखने में करीबन गुलदार की तरह होती है, लेकिन जंगली बिल्ली का आकार छोटा होता है. उस पर भी उसी प्रकार की रेखाएं होती है, जैसे गुलदार पर होती है. जबकि, गुलदार आकार में बड़ा होता है. लेपर्ड कैट स्तनधारी प्राणी होता है.यह अमूमन भारतीय उपमहाद्वीप, मध्य पूर्व-दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण चीन में पाया जाता है. लेपर्ड कैट भी शिकारी प्रवृत्ति की होती है, जो आमतौर पर गिलहरी, चूहे जैसे छोटे जानवरों का शिकार कर अपनी भूख मिटाती है.

पिथौरागढ़ पुलिस का बड़ा एक्शन, कॉन्स्टेबल शेर सिंह को किया टर्मिनेट

पिथौरागढ़, एजेंसी। पिछले दिनों दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन के दौरान वर्दी पहनकर मंच से सीजेपी के समर्थन में भाषण देने वाले पिथौरागढ़ में तैनात उत्तराखंड पुलिस के सस्पेंड कॉन्स्टेबल शेर सिंह पर एक्शन हुआ है. पिथौरागढ़ पुलिस ने कॉन्स्टेबल शेर सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. पिथौरागढ़ पुलिस ने इसे लेकर प्रेस नोट भी जारी किया है. पिथौरागढ़ पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने विभागीय जांच के बाद उत्तराखंड पुलिस अधिनियम-2007 और राज्य कर्मचारी आचरण नियमावली-2002 के उल्लंघन का दोषी माना है. जिसके बाद तत्काल प्रभाव से बर्खास्तगी के आदेश जारी किए हैं. पुलिस जवान शेर सिंह पिथौरागढ़ जिले में आरक्षी के पद पर तैनात था. पहले से निलंबित चल रहा था. हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन में वह पुलिस की वर्दी पहनकर मंच पर पहुंचा. उसने ष्ट्ढक्क के समर्थन में भाषण देते हुए इस्तीफा देने की

घोषणा की थी. इसके बाद मामला चर्चा में आया.विभाग ने उसके खिलाफ कार्रवाई तेज की.

कुमाऊं रेंज की आईजी निवेदिता कुकरेती ने वीडियो सामने आने के बाद जारी बयान में कहा था कि शेर सिंह 28 जून 2026 से पिथौरागढ़ से अनऑथराइज्ड रूप से अनुपस्थित था. एसपी पिथौरागढ़ ने उसे नोटिस जारी किया था, लेकिन जवाब नहीं मिलने पर 20 जुलाई 2026 को उसे निलंबित कर दिया गया. आईजी ने कहा था कि छात्र आंदोलन में दिया गया उसका बयान 'अनर्गल और उकसाने वाला' है.

पिथौरागढ़ के पुलिस अधीक्षक कोंडे ने आदेश में कहा कि विभागीय जांच और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर शेर सिंह का आचरण गंभीर दुराचार की श्रेणी में पाया गया. यह उत्तराखंड पुलिस अधिनियम, 2007 तथा उत्तराखंड राज्य कर्मचारी आचरण नियमावली, 2002 के प्रावधानों का उल्लंघन है. पुलिस संगठन की अनुशासनात्मक गरिमा और जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए उसे सेवा से बर्खास्त किया गया है.

उत्तराखंड पुलिस ने कहा विभाग में अनुशासन, सत्यनिष्ठा और सेवा आचरण के मानकों से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा. विभाग ने स्पष्ट किया है कि शेर सिंह अब उत्तराखंड पुलिस का कर्मचारी नहीं है।.भविष्य में यदि वह किसी धरना-प्रदर्शन, राजनीतिक कार्यक्रम या किसी अन्य अवैध गतिविधि में शामिल होता है, तो उसके लिए उत्तराखंड पुलिस किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी.

शेर सिंह का आपराधिक इतिहास भी रहा है. वह कुख्यात प्रवीण वाल्मीकि गैंग से जुड़े भूमि कब्जा मामले में आरोपी है. हरिद्वार के गंगनहर थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 415/2025 की जांच उत्तराखंड एसटीएफ ने की थी. एसटीएफ के अनुसार, गैंग लोगों को डरा-धमकाकर करोड़ों रुपये की जमीनों और पार्किंग ठेकों पर कब्जा करता था. फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए संपत्तियों की अवैध खरीद-बिक्री करता था. जांच में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और भूमि कब्जे जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए थे.

आईजी के मुताबिक, इसी मामले में 15 सितंबर 2025 को शेर सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. कई महीने जेल में रहने के बाद वह जमानत पर बाहर आया, जबकि विभाग में उसके खिलाफ डिसमिसल (बर्खास्तगी) की कार्रवाई पहले से चल रही थी.अक्षय प्रह्लाद कोंडे पुलिस अधीक्षक, पिथौरागढ़ उत्तराखंड पुलिस में अनुशासन सर्वोपरि है. विभागीय आचरण और कानून के विरुद्ध कोई भी गतिविधि स्वीकार नहीं की जाएगी. नियमों के उल्लंघन पर कार्मिकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी.

साइकिल घोटाले पर चर्चा की मांग पर स्पीकर ने आप विधायकों को सदन से निकाला: संजीव झा

● विधानसभा अध्यक्ष का घोटाले पर घोटाला कर रही भाजपा सरकार का बचाव करना समझ से परे है: संजीव झा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में साइकिल घोटाले को लेकर चर्चा की मांग करने पर भाजपा के स्पीकर ने आम आदमी पार्टी के विधायकों को सदन से बाहर निकाल लिया। इस पर आप विधायकों ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए स्पीकर के फैसले पर सवाल उठाया। आप विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने कहा कि यह समझ से परे है कि घोटाले पर घोटाला कर रही भाजपा सरकार का विधानसभा अध्यक्ष बचाव क्यों कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने पहले प्रश्नकाल नहीं रखा और अब किसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं है। अध्यक्ष को इस मुद्दे पर चर्चा करानी चाहिए, वरना विपक्ष अपनी बात कैसे रखेगा? सदन में प्रश्नकाल नहीं रखा जा रहा है और हमें चर्चा में भी शामिल नहीं होने दिया जा रहा है। संजीव झा ने कहा कि भाजपा की सरकार घोटालेबाजों की सरकार है और हमने एक और बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया है। जिस साइकिल को हमने 4000 रुपए में खरीदा, उसी साइकिल को भाजपा की सरकार 7000 रुपए में बच्चों को दे रही है। 1 लाख 30 हजार साइकिलों में तीन हजार की कमीशनखोरी हुई। भाजपा सरकार ने बच्चों की साइकिल में लगभग 70 करोड़ रुपए का घोटाला किया है। जब इसके लिए टेंडर निकाला गया, तो उसमें साइकिल निर्माता कंपनी हीरो भी शामिल थी, लेकिन उसे टेंडर नहीं मिला। निर्माता कंपनी की जगह एक व्यापारी को टेंडर दे दिया गया। कोई व्यापारी निर्माता कंपनी से सस्ता टेंडर कैसे दे सकता है? संजीव झा ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया में शामिल एक बोलीदाता ने सीवीसी में शिकायत भी की थी कि तय की गई टेंडर राशि ही गलत है। टेंडर से पहले कोई प्री-बिड मीटिंग भी नहीं हुई, जिसमें सभी बोलीदाता अपनी बात रखते हैं कि साइकिल का क्या रेट होना चाहिए। प्री-बिड मीटिंग का ना होना साफ दशार्ता है कि मिलीभगत करके 70 करोड़ रुपए की लूट की गई है। संजीव झा ने आगे कहा कि आज हमने नियम 55 के तहत इस मुद्दे पर चर्चा की मांग रखी थी। सरकार तो घोटाला कर ही रही है, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष उन्हें क्यों बचा रहे हैं, यह समझ नहीं आता। हम वहां सरकार की लूट की वाहवाही करने नहीं आए हैं। आज जब विधायक कुलदीप कुमार, सोमदत्त और प्रेम चौहान समेत सभी विधायकों ने अपनी बात रखनी चाही, तो हमें बोलने तक नहीं दिया गया और बाहर कर दिया गया। वहीं, तिलक नगर विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार का लालच और भ्रष्टाचार इस कदर बढ़ चुका है कि वे अब स्कूली बच्चों को दी जाने वाली साइकिलों में भी पैसा खा रहे हैं। अगर कोई बाजार से एक साइकिल भी खरीदे तो वह 4000 रुपए में मिल जाती है, लेकिन रेखा गुप्ता सरकार में वही साइकिल 7000 रुपए में यानी लगभग दोगुने दाम पर खरीदी जा रही है। इसका सबसे बड़ा सबूत यह है कि मोटा मुनाफा कमाने के लिए साइकिल सीधे कंपनी से ना खरीदकर बाजार के एक डीलर से खरीदी जा रही है। भाजपा सरकार को शर्म आनी चाहिए कि वे सरेआम ऐसी चोरियां कर रहे हैं जरनैल सिंह ने आगे कहा कि हैरानी की बात यह है कि ना तो ईडी इनके पास जा रही है, ना पुलिस इन पर एफआईआर दर्ज कर रही है और ना ही सीबीआई इसकी जांच कर रही है।

ई-20 पेट्रोल पर केजरीवाल का मोदी पर तंज, बोले- बोल मैं शेर हूं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ई-20 पेट्रोल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने सामाजिक माध्यम पर एक हास्य प्रसंग वाला चलचित्र साझा करते हुए आरोप लगाया कि ई-20 पेट्रोल के विरोध में आवाज उठाने वालों को दबाने और परेशान करने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार पर जनता पर ई-20 पेट्रोल थोपने का आरोप लगाते हुए कहा कि विरोध करने वालों के पृष्ठ बंद किए जा रहे हैं, चलचित्र हटाए जा रहे हैं और खाते अवरुद्ध करने के साथ प्राथमिकी तक दर्ज कराई जा रही है। केजरीवाल ने अपने साझा किए गए चलचित्र में तीन देशों की पुलिस के बीच शेर को खोजने की काल्पनिक प्रतियोगिता का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि पहले अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पुलिस को शेर खोजने के लिए भेजा गया, जिसने 24 घंटे में शेर को खोज लिया। इसके बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पुलिस गई और उसने एक घंटे में शेर को खोज लिया। इसके बाद केजरीवाल ने प्रसंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुलिस का उल्लेख करते हुए कहा कि वह तीन दिन तक वापस नहीं लौटी। जब लोग पुलिस को खोजने जंगल में पहुंचे तो कथित तौर पर पुलिस एक कुत्ते को पकड़कर उससे यह कहलवाने का प्रयास कर रही थी कि वह शेर है। इसी प्रसंग के माध्यम से केजरीवाल ने ई-20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार की नीति पर व्यंग्य किया। 140 करोड़ लोगों को कैसे दबाओगे केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ई-20 पेट्रोल को सही साबित करने के लिए जनता पर दबाव बना रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग ई-20 पेट्रोल के विरुद्ध आवाज उठा रहे हैं, उनके सामाजिक माध्यम पृष्ठ बंद किए जा रहे हैं और उनके चलचित्र हटाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने वालों के खाते अवरुद्ध किए जा रहे हैं तथा उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। केजरीवाल ने कहा कि देश की 140 करोड़ आबादी को इस तरह दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने ई-20 पेट्रोल के संबंध में सरकार से जनता की आपत्तियों और सवालों का जवाब देने की मांग की।

संक्षिप्त खबरें

12 साल से फरार 50 हजार का इनामी जालसाज तमिलनाडु से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े ऑपरेशन में 50 हजार रुपये के इनामी और 12 साल से अधिक समय से फरार जालसाजी के आरोपित मनोरंजन कंदासमी (62 वर्ष) को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। वह परिवार के साथ एक झूठी पहचान बनाकर रह रहा था। पुलिस से बचने के लिए आरोपित ने रिश्तेदारों से संपर्क खत्म कर लिया था। नया पेशा अपना लिया था। फिर भी डिजिटल सुबूतों के आधार पर हो रही जांच में वह पकड़ा गया। क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया है। आरोपित के खिलाफ वर्ष 2007 में मंदिर मार्ग थाने में एक शिकायत दर्ज हुई थी। हैदराबाद निवासी विजय कुमार ने बताया था कि धर्मशाला में ठहरने के दौरान उन्होंने अलमारी में सोने के जेवर और कीमती सामान रखे थे। लौटने पर ताला तोड़ा हुआ और सामान गायब मिला। जांच में कर्नाटक मूल के मनोरंजन कंदासमी को गिरफ्तार किया गया। चोरी का माल तो नहीं मिला लेकिन उसके पास कई फर्जी और खाली लेटरहेड बरामद हुए, जो प्रतिष्ठित राजनीतिक दफ्तरों और सरकारी अधिकारियों के नाम पर बने थे। सत्यापन में ये दस्तावेज नकली पाए गए।

एनसीआर को जाम से जल्द राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। कालिंदी कुंज और डीएनडी पर इन दिनों लग रहे भीषण जाम से दिल्ली-एनसीआर के वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। कांवड़ यात्रियों के लिए मार्ग की एक लेन आरक्षित किए जाने के कारण सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। करीब 30 मिनट में पूरी होने वाली यात्रा में कई बार घंटों लग रहे हैं। ऐसे में डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता मार्ग तक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के तैयार हिस्से को खोलने की मांग तेज हो गई है। माना जा रहा है कि इस हिस्से के शुरू होने से कालिंदी कुंज और मथुरा रोड पर यातायात का दबाव काफी कम किया जा सकता है। कांवड़ यात्रियों के लिए लेन आरक्षित होने से बढ़ी परेशानी कांवड़ यात्रा के कारण दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों के लिए उपलब्ध सड़क की चौड़ाई कम हो गई है। डीएनडी से आश्रम, महारानी बाग, मूलचंद, एमबी मार्ग, महरौली-गुरुग्राम मार्ग और मांडी मार्ग सहित कई स्थानों पर कांवड़ यात्रियों के लिए अलग मार्ग बनाया गया है। कालिंदी कुंज की स्थिति भी बेहद चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। यहां फरीदाबाद, सरिता विहार और जैतपुर-खड्डा कॉलोनी की ओर से आने वाला यातायात नोएडा की तरफ जाने के लिए एक ही मार्ग पर पहुंचता है।

शाहपुर में शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा, गूंजा एकता का संदेश

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश), शाहपुर। नगर पंचायत शाहपुर की ओर से रविवार को शिवभक्त कांवड़ियों के स्वागत में भव्य पुष्पवर्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सरकारी आश्वासन समिति के चेयरमैन एवं बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान, पूर्व मंत्री चौधरी योगराज सिंह बालियान, उप जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और नगर पंचायत चेयरमैन हाजी अकरम कुरैशी सहित नगर के गणमान्य लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाकर उनका अभिनंदन किया। नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए विधायक राजपाल बालियान ने कहा कि शाहपुर आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता की मिसाल है, जहां सभी वर्गों के लोग मिलकर कांवड़ यात्रा जैसे आयोजनों को सफल बनाते हैं। पूर्व मंत्री चौधरी योगराज सिंह बालियान ने कहा कि पूरे जनपद में भाईचारे की यह परंपरा विशेष पहचान रखती है और कांवड़ियों की सेवा में लोगों की सहभागिता इसे और मजबूत करती है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे समाजसेवी हाजी शाहिद त्यागी ने बताया कि कांवड़ियों की सेवा के लिए नगर पंचायत की ओर से व्यापक प्रबंध किए गए। अध्यक्षता कर रहे चेयरमैन हाजी अकरम कुरैशी ने कहा कि सेवा शिविर, सफाई और पेयजल सहित सभी व्यवस्थाएं जनसहयोग से सुचारु रूप से संचालित की गईं। इसके बाद नगर पंचायत कार्यालय के ऊपर बनाए गए मंच से अतिथियों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधान जरीफ कुरैशी, समाजसेवी कपिल चौधरी, प्रधान हाजी मुसलीन, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुज अग्रवाल, समाजसेवी अरविंद पाल, सभासद अभिषेक चौधरी, विशाल गर्ग, रीनू कुमार, वकील बेगम, आसिफ सलमानी, मनोज अरोड़ा, कलाम अंसारी, बुध प्रकाश, सतीश पाल, सोनू सैनी, मनोज सैनी, कपिल सैनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा से दिल्ली-एनसीआर में भीषण जाम दिल्ली-मेरठ मार्ग पर रेंगते रहे वाहन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा के चलते सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही। सप्ताह के पहले कामकाजी दिन सुबह कार्यालय जाने के समय दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के बीच आवागमन करने वाले हजारों वाहन चालक लंबे जाम में फंसे रहे। दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग-9, कालिंदी कुंज-ओखला सीमा और नोएडा-दिल्ली सीमा सहित कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई स्थानों पर वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ते नजर आए। राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर करीब 12 किलोमीटर लंबा जाम लगने की वजह से सामान्य तौर पर 15 मिनट में पूरी होने वाली यात्रा में 1 घंटे से अधिक समय लग गया। सुबह के समय सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने के साथ कांवड़ यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए किए गए यातायात प्रबंधों ने भी सामान्य यातायात के लिए उपलब्ध मार्ग को सीमित कर दिया। कालिंदी कुंज-ओखला बैराज पर वाहनों की लंबी कतार दिल्ली से नोएडा जाने वाले मार्ग पर कालिंदी कुंज और ओखला बैराज के पास स्थिति सबसे अधिक खराब रही। यहां बड़ी संख्या में वाहन एक साथ पहुंचने के कारण यातायात की रफ्तार बेहद धीमी हो गई। सड़क पर वाहनों की कतार इतनी लंबी थी कि कई स्थानों पर वाहन एक-दूसरे से सटे हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ते दिखाई दिए। दिल्ली से नोएडा की ओर जाने वाले हजारों वाहन चालक लंबे समय तक जाम में फंसे रहे। इसका सबसे अधिक असर कार्यालय जाने वाले लोगों पर पड़ा। कालिंदी कुंज मार्ग पर पहले से ही दिल्ली, फरीदाबाद और नोएडा के बीच बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। कांवड़ यात्रा के कारण यातायात व्यवस्था में किए गए बदलाव से इस मार्ग पर दबाव और बढ़ गया। नोएडा से दिल्ली जाने वालों को भी परेशानी नोएडा से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालक भी जाम से अछूते नहीं रहे। नोएडा के सेक्टर 15-ए के पास दिल्ली जाने वाले मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार दिखाई दी। दिल्ली सीमा की ओर बढ़ते वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण यातायात की रफ्तार काफी धीमी रही। जाम में फंसे लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से कहीं अधिक समय लगा। कई वाहन चालकों ने वैकल्पिक मार्गों का रुख किया, जिससे आसपास की सड़कों पर भी वाहनों का दबाव बढ़ गया। दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग-9 का बुरा हाल पूर्वी दिल्ली में भी कांवड़ यात्रा का असर यातायात पर साफ दिखाई दिया। पांडव नगर के पास दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जहां सामान्य दिनों में दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग पर वाहन तेज गति से चलते हैं, वहीं सोमवार को यहां यातायात बेहद धीमा रहा।

स्वतंत्रता दिवस से पहले लाल किले की सुरक्षा कड़ी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली के लाल किले और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। हालिया घटनाओं को देखते हुए इस बार सुरक्षा में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों के साथ आधुनिक निगरानी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र बलों, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के करीब 15,000 से 20,000 जवानों को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत लाल किले और आसपास के क्षेत्रों में 1,000 से अधिक निगरानी कैमरे लगाए गए हैं। इनके अलावा ड्रोन पहचान प्रणाली, चेहरे की पहचान तकनीक, भीड़ की निगरानी करने वाले कैमरे और शरीर पर लगाए जाने वाले कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। हालिया घटनाओं के बाद बढ़ाई गई सतर्कता लाल किले की सुरक्षा इस बार इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि हाल में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिंसा और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आई थीं।

कांवड़ लेकर निकले फारूक भोला, आदर्श शिविर में फूल-मालाओं से हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहपुर। आस्था की राह में मजहब की दीवारें उस समय छोटी पड़ गईं, जब शाहपुर-बसी कला निवासी फारूक भोला हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा पूरी कर आदर्श कांवड़ सेवा शिविर पहुंचे। यहां समिति के पदाधिकारियों ने फारूक भोला सहित तीनों भोले भक्तों का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। फारूक के कांवड़ यात्रा में शामिल होने को लोगों ने हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारे की मिसाल बताया। नगर के मेन रोड स्थित आदर्श कांवड़ सेवा शिविर में हरिद्वार से गंगाजल लेकर पहुंचे फारूक भोला निवासी शाहपुर-बसी कला, संजीव कुमार निवासी वजीदपुर-बड़ौत तथा विकास भोला निवासी गढ़ीनौआबाद का समिति पदाधिकारियों ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान सभी ने भोले भक्तों की मंगलमय यात्रा की कामना की। फारूक भोला ने कहा कि कांवड़ लाना आस्था और श्रद्धा का विषय है। इसमें धर्म और जाति कोई मायने नहीं रखती। भगवान के प्रति श्रद्धा और आपसी भाईचारा ही सबसे बड़ी बात है। फारूक भोला के कांवड़ यात्रा में शामिल होने की मौजूद लोगों ने सराहना करते हुए इसे गंगा-जमुनी तहजीब और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की खूबसूरत मिसाल बताया। इस अवसर पर आदर्श कांवड़ सेवा समिति के अनिल सैनी मास्टर वरुण सैनी नारायण सिंह पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिल्ली राज्य सहकारी बैंक किसानों और कारीगरों के वित्तपोषण के क्षेत्र में करेगा विस्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सहकारी बैंकिंग तंत्र को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, नाबार्ड, नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय ने 10 अगस्त 2026 को दिल्ली राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड (डीएसटीसीबी) के शाखा प्रबंधकों के लिए अपनी पहली क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारी बैंकिंग के विकासात्मक, विनियामक, पर्यवेक्षी तथा व्यवसाय विकास संबंधी पहलुओं पर जागरूकता और क्षमता का संवर्धन करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए श्री नवीन कुमार राय, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने वित्तीय समावेशन और स्थानीय आर्थिक विकास में सहकारी बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सतत विकास को गति देने के लिए सुदृढ़ प्रशासन, प्रौद्योगिकी के उपयोग, ग्राहक-केंद्रित सेवाओं तथा संस्थागत क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला में श्री हरीश झिरवाल (सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक), श्री अनिल कुमार (उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, दिल्ली सरकार), डॉ. डी. के. राणा (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, के.वी.के. उजवा), श्रीमती संध्या कपूर (निदेशक, एनसीयूआई) तथा नाबार्ड प्रधान कार्यालय और नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय की टीम द्वारा विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में एकीकृत लोकपाल योजना, डीईए फंड, के.वाई.सी. अनुपालन, सहकारी सुशासन, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन, किसानों की ऋण आवश्यकताएँ, राष्ट्रीय सहकारी नीति तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम वित्तपोषण और डिजिटल बैंकिंग सहित व्यवसाय विविधीकरण के अवसरों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम ने डीएसटीसीबी के शाखा प्रबंधकों और वरिष्ठ अधिकारियों को सहकारी बैंकिंग में व्यावसायिकता, व्यवसाय विविधीकरण तथा प्रौद्योगिकी आधारित परिवर्तन पर विचार-विमर्श का एक प्रभावी मंच प्रदान किया। अपने समापन संबोधन में, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने सहकारी बैंकों से किसानों, बुनकरों, कारीगरों तथा अन्य वंचित वर्गों की ऋण आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने अर्ध-शहरी और शहरी-गरीब परिवारों के लिए संचालित सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सहयोग प्रदान करने पर भी बल दिया।

शारदा हॉस्पिटल ने साप्ताहिक अवेयरनेस प्रोग्राम के साथ ह्यवर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक मनाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। शारदा हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक्स डिपार्टमेंट ने वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक 2026 मनाया। इस मौके पर एक सप्ताह का कार्यक्रम चला। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्तनपान के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में मरीजों की काउंसलिंग, छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा (स्टूडेंट कॉम्पिटिशन), विशेषज्ञ बातचीत और कम्युनिटी अवेयरनेस एक्टिविटीज शामिल थीं। 1 से 7 अगस्त तक चले इस कार्यक्रम की थीम ब्रेस्टफीडिंग फॉर ए सस्टेनेबल स्टार्ट इन लाइफः स्ट्रेंथन व्हाट वर्क, थी। यह कार्यक्रम बच्चों के स्वास्थ्य के लिए ब्रेस्टफीडिंग के महत्व पर आधारित था। इसका उद्देश्य जागरूकता को बेहतर जानकारी और नियमित स्तनपान की आदतों (रेगुलर ब्रेस्टफीडिंग प्रैक्टिस) में बदलना था। इस कार्यक्रम में मांओं, गर्भवती महिलाओं, परिवारों, नर्सों, टइइर स्टूडेंट्स, इंटर्न्स और पोस्टग्रेजुएट रेजिडेंट्स ने एक साथ हिस्सा लिया। इससे यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना जहां ब्रेस्टफीडिंग पर न सिर्फ एक चिकित्सीय विषय के तौर पर बल्कि पूरे परिवार और हेल्थकेयर इकोसिस्टम को शामिल करते हुए एक साझा ज़िम्मेदारी के तौर पर चर्चा की गई। सेलिब्रेशन की शुरूआत 3 अगस्त को शारदा हॉस्पिटल में एक नुक्कड़ नाटक कॉम्पिटिशन से हुई। 2022 टइइर बैच के स्टूडेंट्स, इंटर्न्स और पीडियाट्रिक्स के पोस्टग्रेजुएट स्टूडेंट्स ने ब्रेस्टफीडिंग से जुड़ी गलतफहमियों, गलत जानकारियों और परिवार के सहयोग की अहमियत को बताने के लिए थिएटर और कहानी सुनाने के माध्यम का इस्तेमाल किया। परफॉर्मेंस ने जटिल स्वास्थ्य संदेश को ऑडियंस के लिए व्यवहारिक और रोचक बना दिया। 4 और 5 अगस्त को पीडियाट्रिक्स और गायनेकोलॉजी डढऊमें ब्रेस्टफीडिंग से जुड़ी काउंसलिंग के साथ यह कार्यक्रम हुआ। माताओं और परिवार के सदस्यों को जल्दी ब्रेस्टफीडिंग शुरू करने, सिर्फ. ब्रेस्टफीडिंग कराने (एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग), कोलोस्ट्रम, जरूरत पड़ने पर दूध पिलाने और सही पोज़िशन व अटैचमेंट के बारे में आसान और प्रैक्टिकल सलाह दी गई। उन्होंने हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के साथ अपनी चिंताएँ भी साझा की। 6 अगस्त को ब्रेस्टफीडिंग के बारे में क्रिएटिव तरीके से जागरूकता फैलाने के लिए नर्सों, टइइर स्टूडेंट्स और इंटर्न ने पोस्टर कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। पोस्टग्रेजुएट पीडियाट्रिक्स रेजिडेंट्स के लिए एक डिबेट कॉम्पिटिशन भी आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने मेडिकल सबूतों के आधार पर ब्रेस्टफीडिंग से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस विशेष सप्ताह में डॉ. रुचि राय, डॉ. रुचिरा माहेश्वरी और डॉ. एस. एस. बिष्ट के गेस्ट लेक्चर भी हुए। उनके लेक्चर से कार्यक्रम में एक्सपर्ट्स जानकारी साझा हुई। इस पहल के बारे में बात करते हुए शारदा हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट के प्रमुख और प्रोफेसर डॉ राजीव कुमार थापर ने कहा, ब्रेस्टफीडिंग के बारे में जागरूकता सिर्फ.डिलीवरी के बाद दी जाने वाली सलाह तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए।

शाहदरा में डबल प्रहार से हड़कंप: 34 केस वाला शातिर गिरफ्तार, साइबर ठगी के करोड़ों के जाल का भंडाफोड़

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा जिले में पुलिस ने एक साथ दो बड़े ऑपरेशन चलाकर अपराधियों पर ऐसा शिकंजा कसा कि सड़क अपराध और साइबर ठगी के नेटवर्क में हड़कंप मच गया। एएटीएस की कार्रवाई में जहां 34 मामलों में शामिल शातिर ऑटो लिफ्टर-कम-लुटेरे को गिरफ्तार कर पांच चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए गए, वहीं साइबर थाना ने शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए ओडिशा से आरोपी को दबोच लिया। इन दोनों बड़ी सफलताओं की पुष्टि शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने की है। शाहदरा एएटीएस टीम ने खुफिया सूचना, तकनीकी विश्लेषण और सीसीटीवी फुटेज के दम पर जुनैद उर्फ बाबू (27) को गिरफ्तार किया, जो पहले से 34 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उसके कब्जे और निशानदेही पर पांच चोरी के दोपहिया वाहन बरामद हुए। इस गिरफ्तारी से शाहदरा, पूर्वी, केंद्रीय और उत्तर-पूर्वी जिलों के छह मामलों का खुलासा हुआ है। पूछताछ में उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर लूट के प्रयास की वारदात को भी अंजाम देना कबूल किया है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। दूसरी बड़ी कार्रवाई में साइबर थाना शाहदरा ने निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह की कमर तोड़ दी। भुवनेश्वर से गिरफ्तार आरोपी सुब्रत कुमार साहू ने व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर लोगों को शेयर बाजार में भारी मुनाफे का झांसा दिया और एक पीड़ित से 4.75 लाख रुपये ठग लिए। जांच में सामने आया कि आरोपी के बैंक खाते में मात्र दो महीने के भीतर करीब 2.97 करोड़ रुपये का संदिग्ध लेन-देन हुआ और यह खाता देशभर की 17 साइबर ठगी शिकायतों से जुड़ा है। जांच में यह भी उजागर हुआ कि साइबर ठग पहले छोटे निवेश पर नकली मुनाफा दिखाकर विश्वास जीतते हैं और फिर बड़ी रकम ऐंठ लेते हैं। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अनजान निवेश प्लेटफॉर्म, व्हाट्सऐप या टेलीग्राम ग्रुप के झांसे में न आएं और ओटीपी, बैंक डिटेल या यूपीआई पिन किसी से साझा न करें। शाहदरा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त और लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

मोबाइल चोरी से बैंक खाते खाली करने वाला साइबर गिरोह बेनकाब, 9 गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सेंट्रल जिले की साइबर थाना टीम ने मोबाइल चोरी के जरिए बैंक खातों से रकम उड़ाने वाले एक संगठित अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने जयपुर, मेरठ और गाजियाबाद में एक साथ कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला उस समय सामने आया जब पश्चिम पटेल नगर के 88 वर्षीय बुजुर्ग का मोबाइल चोरी होने के बाद उनके बैंक खाते से 70 हजार रुपये निकाल लिए गए। जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह सुनियोजित तरीके से तीन स्तर पर काम कर रहा था। पहले चरण में मोबाइल चोरी किए जाते थे। दूसरे चरण में मेरठ और गाजियाबाद में बैठे आरोपी फर्जी सिम, डेबिट कार्ड और म्यूल खातों की व्यवस्था करते थे। तीसरे चरण में जयपुर स्थित कॉल सेंटर जैसे सेटअप से आरोपी पीड़ितों के बैंक खातों में लॉगिन कर रकम ट्रांसफर करते और पीओएस मशीनों व ऑनलाइन माध्यम से तुरंत नकदी में बदल देते थे। तकनीकी सर्विलांस के आधार पर पुलिस ने जयपुर के झोटवाड़ा इलाके में छापा मारकर गिरोह के मुख्य आरोपी निखिल सोनी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जहां एक अवैध कॉल सेंटर संचालित हो रहा था। वहीं मेरठ और गाजियाबाद से चार अन्य आरोपियों को पकड़ा गया, जो म्यूल खातों और सिम सप्लाई नेटवर्क को संभाल रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लैपटॉप, टैब, 52 मोबाइल फोन, 145 सिम कार्ड, 70 डेबिट कार्ड, 13 बैंक पासबुक, 6 पीओएस मशीन और चार लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार जब्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच जारी है और देशभर में दर्ज कई मामलों से इसके तार जुड़ने की संभावना है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि मोबाइल चोरी होने पर तुरंत सिम ब्लॉक कराएं, सीईआईआर पोर्टल पर फोन को ब्लॉक करें और किसी भी संदिग्ध लेनदेन की सूचना तुरंत हेल्पलाइन 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर दें।

तीन साल बाद गिरफ्त में आया 1.96 करोड़ गबन का आरोपी

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के समयपुर बादली थाना पुलिस ने तीन साल से फरार चल रहे एकाउंटेंट को गिरफ्तार कर गबन के बड़े मामले का खुलासा किया है। यह कार्रवाई बाहरी उत्तरी जिले के उपायुक्त पुलिस शोभित डी. सक्सेना के निर्देशन में की गई। पुलिस के अनुसार अगस्त 2023 में एक निजी कंपनी की महिला मालिक ने शिकायत दी थी कि कंपनी में कार्यरत एकाउंटेंट त्रिलोकी शर्मा ने अपने पद का लाभ उठाते हुए कंपनी की करीब 1.96 करोड़ रुपये की रकम अपने खाते में ट्रांसफर कर ली। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया, लेकिन आरोपी फरार होकर लगातार ठिकाने बदलता रहा। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने वित्तीय लेनदेन की गहन पड़ताल और तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपी का सुराग जुटाया। करीब तीन साल की लगातार कोशिशों के बाद पुलिस को पता चला कि आरोपी जम्मू-कश्मीर के सांबा औद्योगिक क्षेत्र में छिपा हुआ है, जहां से उसे 4 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान त्रिलोकी शर्मा निवासी इंदरपुरी, दिल्ली (उम्र 32 वर्ष) के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया है कि उसने गबन की रकम को कई खातों में ट्रांसफर किया और अवैध सट्टेबाजी में बड़ी राशि गंवा दी। पुलिस अब पूरे लेनदेन की जांच कर रही है और मामले की आगे की पड़ताल जारी है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

यमुना सफाई पर खर्च और परिणामों का श्वेत पत्र जारी करे सरकार: डॉ. नरेश कुमार

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने यमुना की सफाई के नाम पर दिल्ली सरकार की ओर से प्रस्तावित 4500 करोड़ रुपये की योजना पर सवाल उठाते हुए अब तक हुए खर्च और उसके वास्तविक परिणामों का श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले यमुना की सफाई पर 1500 करोड़ रुपये खर्च करने की बात कही थी, जबकि अब जल मंत्री प्रवेश वर्मा 4500 करोड़ रुपये की नई योजना लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर यमुना का प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है और दूसरी ओर सरकार सफाई को लेकर बड़े दावे कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड की 4500 करोड़ रुपये की योजना के तहत यमुना में बिना शोधन किए पानी के प्रवाह को रोकने, 15 नए विकेंद्रीकृत सीवेज शोधन संयंत्र स्थापित करने, 37 मौजूदा सीवेज शोधन संयंत्रों का आधुनिकीकरण करने और 700 कर्मचारियों की भर्ती की योजना है। डॉ. नरेश कुमार ने दावा किया कि दिल्ली के 37 सीवेज शोधन संयंत्र अभी भी अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 की एक रिपोर्ट में कम से कम 40 विकेंद्रीकृत सीवेज शोधन संयंत्रों की आवश्यकता बताई गई थी, लेकिन यह लक्ष्य अब तक पूरा नहीं हुआ है।

कैग रिपोर्ट में बिजली सब्सिडी पर सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन पेश नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकार पर बिजली सब्सिडी योजना में अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। करावल नगर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए इसे जनता के पैसे के दुरुपयोग का प्रमाण बताया। आदेश भारद्वाज ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 से 2022-23 के बीच निष्क्रिय और शून्य खपत वाले घरेलू बिजली कनेक्शनों को 42.26 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई। उन्होंने दावा किया कि 50 हजार से अधिक ऐसे उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली की खपत नहीं करने के बावजूद 17.81 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिली।

जलभराव की समस्या से जनता को मिली राहत: रीना माहेश्वरी

नई दिल्ली। अशोक नगर वार्ड की निगम पार्षद रीना माहेश्वरी ने कहा कि दिल्ली में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के लिए दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम ने मानसून से पहले ही व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी थीं। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से किए गए कार्यों का परिणाम है कि इस बार दिल्लीवासियों को जलभराव की समस्या का अधिक सामना नहीं करना पड़ा। रीना माहेश्वरी ने बताया कि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और नगर निगम की ओर से प्रमुख तथा छोटे नालों से बड़ी मात्रा में गाद हटाई गई, ताकि पानी के बहाव में किसी तरह की रुकावट न आए। इसके साथ ही मानसून से पहले सभी मैनहोल की सफाई भी सुनिश्चित की गई।

अतिक्रमण मुक्त सुरक्षित सड़कें जनता का अधिकार: मुकेश बंसल

नई दिल्ली। कर्दमपुरी वार्ड के निगम पार्षद मुकेश बंसल ने सड़कों पर पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित और अतिक्रमण मुक्त रास्ता सुनिश्चित करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि पैदल चलना जनता का अधिकार है और सड़क पर उनके लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। मुकेश बंसल ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को देश की सड़कों पर पैदल यात्रियों के लिए स्पष्ट, सुरक्षित और अतिक्रमण मुक्त स्थान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सड़क चाहे कहीं भी हो, वहां फुटपाथ की व्यवस्था होनी चाहिए और पैदल चलने के लिए निर्धारित स्थान को वाहनों की लेन से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यमुनापार की अधिकांश सड़कें अतिक्रमण की समस्या से जूझ रही हैं। लोनी रोड, मंडोली रोड सहित कई प्रमुख मार्गों पर रेहड़ी-पटरी वालों, रिक्शा चालकों और दुकानदारों द्वारा सड़क के हिस्से पर कब्जा किए जाने से यातायात प्रभावित होता है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना के विरोध पर भाजपा ने आप के 22 विधायकों के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए लाई गई दिल्ली लक्ष्मी योजना का बहिष्कार करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) के सभी 22 विधायकों के आवास एवं कार्यालयों पर सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों का संयोजन प्रदेश महामंत्री मोहनलाल गिहारा ने किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आप विधायकों पर महिलाओं के हित से जुड़ी योजना का विरोध करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। पार्टी नेताओं ने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी है और आप विधायकों द्वारा इसका विरोध किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कालकाजी से आप विधायक एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के आवास के बाहर दिल्ली भाजपा महामंत्री योगिता सिंह, मंत्री नरेश वशिष्ठ और पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि आतिशी ने विधानसभा की गतिविधियों से दूरी बनाए रखी और उनकी पार्टी ने महिला हित से जुड़ी योजना का विरोध किया। भाजपा के अनुसार कोंडली विधायक कुलदीप कुमार के कार्यालय पर मयूर विहार जिलाध्यक्ष विजेंद्र धामा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष ऋचा पांडेय के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ। सीलमपुर विधायक चौधरी जुबैर अहमद के खिलाफ प्रदेश मंत्री गौरव खारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। सीमापुरी विधायक वीर सिंह धिंगन के खिलाफ प्रदेश उपाध्यक्ष सारिका जैन के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। बाबरपुर विधायक गोपाल राय के खिलाफ भाजपा मंत्री राज गौतम, करोलबाग विधायक विशेष रवि के खिलाफ प्रदेश उपाध्यक्ष सोना कुमारी एवं पार्षद मनीष चड्ढा तथा देवली विधायक प्रेम चौहान के खिलाफ भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष रजत चौधरी और जिलाध्यक्ष माया सिंह बिष्ट के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ। तुगलकाबाद विधायक सहीराम पहलवान के कार्यालय पर पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। चांदनी चौक विधायक पुनरदीप सिंह साहनी के कार्यालय-निवास के बाहर भाजपा नेता राजन तिवारी और विधानसभा प्रत्याशी रहे सतीश जैन के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। गोकुलपुरी विधायक सुरेंद्र कुमार के कार्यालय पर अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अनीस अब्बासी, पटेल नगर विधायक प्रवेश रत्न के खिलाफ पूर्व विधायक राजकुमार आनंद एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष अर्चना गुप्ता तथा अंबेडकर नगर विधायक अजय दत्त के कार्यालय पर वरिष्ठ नेता सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ। तिलक नगर विधायक जरनैल सिंह के खिलाफ प्रदेश उपाध्यक्ष विजय सोलंकी तथा पार्षद श्वेता सैनी एवं हरीश ओबेरॉय के नेतृत्व में, जबकि सदर विधायक सोमदत्त के खिलाफ भाजपा मंत्री अभिषेक टंडन और पार्षद मनोज जिंदल के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। बल्लीमारान विधायक इमरान हुसैन के खिलाफ मंत्री रोहित चहल और पार्षद कमल बागड़ी तथा मटिया महल विधायक आले मोहम्मद के खिलाफ जिला महामंत्री दीप्ती इंदोरा और प्रदेश कार्यालय सह मंत्री अमित गुप्ता के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन हुआ। सुल्तानपुरी विधायक मुकेश अहलावत के खिलाफ किसान मोर्चा अध्यक्ष देवेंद्र सोलंकी, दिल्ली कैंट विधायक वीरेंद्र कादयान के खिलाफ करोलबाग जिलाध्यक्ष वीरेंद्र बब्बर एवं भाजपा नेता भुवनेश तंवर के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया।

झारखंड छात्र आंदोलन से सीजेपी दूर, अभिजीत दीपके ने जताई एकजुटता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली/रांची। झारखंड में जेपीएससी और जीएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ पिछले 17 दिनों से आंदोलन कर रहे हजारों छात्रों ने सोमवार को विधानसभा घेराव का प्रयास किया। छात्रों के विधानसभा की ओर बढ़ने के दौरान पुलिस के साथ टकराव की स्थिति बनी और उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड, कंटीले तार तथा पानी की बौछार का इस्तेमाल किया गया। बाद में पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाने का प्रयास किया। इस बीच दिल्ली में नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर लंबे समय तक आंदोलन करने वाली कॉकरोच जनता पार्टी की झारखंड छात्र आंदोलन में सक्रिय भागीदारी दिखाई नहीं दी। पार्टी के किसी बड़े नेता के विधानसभा घेराव में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने की जानकारी सामने नहीं आई। हालांकि, पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रति एकजुटता जताते हुए देवेंद्र नाथ महतो के मार्च में शामिल होने का चलचित्र साझा किया। 17 दिनों से आंदोलन कर रहे छात्र झारखंड में जेपीएससी और जीएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं। सोमवार को बड़ी संख्या में छात्रों ने विधानसभा घेराव का आह्वान किया था। सुबह करीब 11 बजे प्रदर्शनकारी विधानसभा की ओर बढ़ने लगे। पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए मार्ग में कई स्तरों पर बैरिकेड लगाए थे। छात्रों ने कई बैरिकेड पार कर विधानसभा की ओर आगे बढ़ने का प्रयास किया। उन्हें रोकने के लिए कंटीले तार लगाए गए और पानी की बौछार की गई। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी आगे बढ़ते रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बाद में हल्का बल प्रयोग किया। दीपके ने जताई एकजुटता झारखंड में चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिक्रिया दी।

नरेला मर्सिडीज हादसे की जांच पर सवाल

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला में मर्सिडीज कार की टक्कर से 70 वर्षीय उर्मिला देवी की मौत के मामले में मृतका के बेटे प्रमोद भारद्वाज ने पुलिस जांच पर गंभीर सवाल उठाए हैं। परिवार का आरोप है कि हादसे के बाद पुलिस मौके पर काफी देर से पहुंची और घटना के करीब 36 घंटे बाद तक परिजनों के बयान दर्ज नहीं किए गए। परिवार ने चालक के शराब के नशे में होने की आशंका जताते हुए अल्कोहल जांच और रक्त के नमूने से संबंधित प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। पुलिस के देर से पहुंचने का आरोप प्रमोद भारद्वाज के अनुसार, हादसे के बाद परिवार के सदस्यों ने ही घायल उर्मिला देवी को अस्पताल पहुंचाया।

एक ही नंबर पर दौड़ रहीं दो फॉर्च्यूनर पकड़ीं, दोनों चोरी की निकलीं

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले सघन जांच अभियान के दौरान पश्चिमी जिले की एएटीएस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ही पंजीकरण नंबर पर चल रहीं दो टोयोटा फॉर्च्यूनर एसयूवी को अलग-अलग स्थानों से बरामद किया। दोनों वाहनों पर एक ही नंबर और एक ही चेसिस नंबर अंकित मिलने से पुलिस भी चौंक गई, जबकि इनमें से एक गाड़ी का कनेक्शन गांधी नगर इलाके में दर्ज ठगी के मामले से भी जुड़ा मिला। जांच के दौरान टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, वाहन मालिकाना रिकॉर्ड की पड़ताल की और फील्ड वेरिफिकेशन किया। इसके बाद दोनों गाड़ियों को अधिकृत सर्विस सेंटर में तकनीकी जांच के लिए भेजा गया, जहां पुष्टि हुई कि दोनों वाहन चोरी के हैं। आगे की जांच में यह भी सामने आया कि बरामद गाड़ियों में से एक का इस्तेमाल गांधी नगर थाने में दर्ज ठगी के मामले में किया गया था। पुलिस ने इस मामले में विवेक विहार निवासी आर्यन मावी (23) को आरोपी के रूप में चिन्हित किया है। दोनों एसयूवी जब्त कर ली गई हैं और पूरे गिरोह की कड़ियों को जोड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

वियतनाम नेशनल अथॉरिटी ऑफ टूरिज्म ने भारत और अन्य प्रमुख स्रोत बाजारों में पर्यटन प्रोत्साहन के लिए VFS Global वीएफएस ग्लोबल से साझेदारी की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्राधिकरण (Vietnam National Authority of Tourism – VNAT) ने भारत सहित अन्य प्रमुख स्रोत बाजारों में वियतनाम को एक पसंदीदा पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्व की अग्रणी विश्वसनीय प्रौद्योगिकी सेवाओं की कंपनी VFS Global, जो सरकारों और नागरिकों के लिए सुरक्षित वैश्विक गतिशीलता (Secure Mobility) को सशक्त बनाती है, के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 6 अगस्त 2026 को हनोई में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री गुयेन ट्रुंग खान्ह, (Mr. Nguyen Trung Khanh) उपाध्यक्ष सुश्री गुयेन थी होआ माई, अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं पर्यटन संवर्धन विभाग के निदेशक श्री गुयेन कुई फुओंग, संस्कृति, खेल एवं पर्यटन के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सेंटर की निदेशक श्रीमती गुयेन थी होआंग लान, VFS Global के मुख्य परिचालन अधिकारी (चीन, ऑस्ट्रेलेशिया एवं RCIS) श्री साइमन पीची (Mr Simon Peachey) VFS Global के वियतनाम कंट्री मैनेजर श्री श्रिशेन मुनियांडी, तथा संस्कृति, खेल एवं पर्यटन मंत्रालय, वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्राधिकरण और हनोई स्थित ब्रिटिश दूतावास के अन्य गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस साझेदारी का उद्देश्य समन्वित प्रचार-प्रसार गतिविधियों के माध्यम से वियतनाम के पर्यटन आकर्षणों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा देश में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के राष्ट्रीय लक्ष्य को समर्थन देना है। इस समझौते के अंतर्गत VFS Global के व्यापक ग्राहक संपर्क माध्यमों—जिनमें वीजा आवेदन केंद्र (VisaApplicationCentres – VACs), डिजिटल प्लेटफॉर्म, संचार माध्यम, सूचना काउंटर तथा प्राथमिकता वाले बाजारों में स्थापित डिजिटल डिस्प्ले शामिल हैं—के माध्यम से वियतनाम के पर्यटन स्थलों, यात्रा अनुभवों और पर्यटन अवसरों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस सहयोग के तहत पर्यटन गंतव्य प्रस्तुतिकरण कार्यक्रमों का आयोजन, अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मेलों में सहभागिता, व्यावसायिक नेटवर्किंग पहल, तथा पर्यटन उद्योग के हितधारकों, ट्रैवल ट्रेड भागीदारों और रणनीतिक ग्राहकों के साथ सक्रिय सहभागिता भी की जाएगी। वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री गुयेन ट्रुंग खान्ह ने कहा, इस अवसर पर मैं VFS Global के सहयोग और साझेदारी के लिए अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करता हूँ। VFS Global वर्तमान में 169 देशों और क्षेत्रों में 4,200 से अधिक केंद्रों का संचालन कर रहा है। यह व्यापक वैश्विक नेटवर्क अनेक स्रोत बाजारों और संभावित पर्यटक वर्गों तक प्रत्यक्ष पहुँच प्रदान करता है।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश गर्मी और उमस से मिली राहत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को मानसून एक बार फिर मेहरबान नजर आया। दोपहर के समय राजधानी और आसपास के कई इलाकों में अचानक काले बादल छा गए और तेज बारिश शुरू हो गई। नोएडा समेत एनसीआर के कई क्षेत्रों में झमाझम बारिश हुई। लगातार बारिश के कारण मौसम सुहावना हो गया और पिछले कई दिनों से गर्मी तथा उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में दोपहर बाद मौसम ने तेजी से करवट ली। आसमान में घने बादल छाने के बाद कई क्षेत्रों में तेज बारिश शुरू हो गई। कुछ स्थानों पर बारिश की तीव्रता अधिक रही, जबकि अन्य इलाकों में रुक-रुककर वर्षा हुई। मानसून की सक्रियता के चलते तापमान में भी गिरावट महसूस की गई। नोएडा में तेज बारिश, सड़कों पर जलभराव नोएडा के कई क्षेत्रों में सोमवार को तेज बारिश हुई। अचानक हुई बारिश के कारण सड़क पर निकलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज बारिश के दौरान कई दोपहिया वाहन चालक ओवरब्रिज के नीचे रुककर बारिश से बचते नजर आए। नोएडा में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। बीते दिनों हुई तेज बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इससे प्रमुख सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हुई और कई स्थानों पर लंबा यातायात जाम भी लगा। बारिश से यातायात पर असर दिल्ली-एनसीआर में बारिश के साथ ही कई इलाकों में सड़कों पर पानी जमा होने से यातायात प्रभावित हुआ। प्रमुख मार्गों और निचले इलाकों में जलभराव के कारण वाहन चालकों को परेशानी हुई।

टी-शर्ट पर हंगामा, आप के छह विधायक मार्शल आउट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को सदन में टी-शर्ट पहनकर आने के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने विपक्षी विधायकों की पोशाक पर आपत्ति जताई, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के संजीव झा, कुलदीप, अजय दत्त, जरनैल सिंह समेत 6 विधायकों को मार्शल के जरिए सदन से बाहर करा दिया। हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। सदन में नियम-280 के तहत दिल्ली में साफ-सफाई से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके अलावा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट पेश किए जाने की प्रक्रिया भी प्रस्तावित है। सत्र के दौरान 3 विधेयक भी सदन में लाए जाने हैं।

आम आदमी पार्टी ने साइकिल खरीद में भ्रष्टाचार का लगाया आरोप, साइकिल से विधानसभा पहुंचे पार्टी विधायक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक सोमवार को मॉनसून सत्र के दूसरे दिन दिल्ली विधानसभा तक साइकिल चलाकर पहुंचे। उन्होंने छात्राओं को बांटी जाने वाली साइकिलों की खरीद में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। आप विधायकों ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने एक कल्याणकारी योजना के तहत वैसी ही साइकिलें ज्यादा कीमत पर खरीदी थीं। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि जिन साइकिलों की बाजार कीमत करीब 4,200 रुपये थी, उनकी खरीद के लिए सरकार ने करीब 6,957 रुपये प्रति साइकिल का भुगतान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने करीब 1.30 लाख साइकिलों की खरीद की, जिससे प्रति साइकिल लगभग 3,000 रुपये अधिक भुगतान किए जाने का आरोप है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जो साईकिलें सरकार छात्रों को दे रही है उसी साईकिल को पार्टी ने 4,200 रुपये में खरीदी, जबकि दिल्ली सरकार ने वही साइकिल लगभग 7,000 रुपये में खरीदी। उन्होंने कहा कि आज ये साइकिलें दिल्ली सरकार के पास ले जा रहे हैं, वे भी वहां वे साइकिलें लाए हैं जो लड़कियों को बांटी जा रही हैं। आप के बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने आरोप लगाया कि साइकिल खरीद के लिए हीरो कंपनी ने टेंडर प्रक्रिया में आवेदन किया था, लेकिन बाद में उसी कंपनी की साइकिलें किसी अन्य डीलर के माध्यम से खरीदी गईं। उन्होंने दावा किया कि इन साइकिलों के लिए बाजार कीमत से करीब 3,000 रुपये अधिक भुगतान किया गया। संजीव झा ने कहा कि यदि वही साइकिल 4,200 रुपये में उपलब्ध थी, तो सरकार ने 6,957 रुपये प्रति साइकिल की दर से खरीद क्यों की? उन्होंने कहा कि करीब 1.30 लाख साइकिलों की खरीद में प्रति साइकिल लगभग 3,000 रुपये के अंतर का हिसाब सरकार को दिल्ली की जनता के सामने देना चाहिए।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में फैसला टला, आरोपियों की हिरासत 12 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष त्वरित न्यायालय ने सोमवार को आरोपपत्र पर संज्ञान लेने का आदेश टाल दिया। अब अदालत 12 अगस्त को इस मामले में आरोपपत्र पर संज्ञान लेने का फैसला सुनाएगी। साथ ही सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत भी 12 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। अदालत के निर्देश के अनुसार आरोपियों से वीडियो माध्यम के जरिए पूछताछ की जाएगी। इससे पहले अदालत ने मामले में सभी 13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 10 अगस्त तक बढ़ाई थी। सुनवाई के दौरान मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल की पॉलीग्राफ, मस्तिष्क मानचित्रण और झूठ पकड़ने की जांच कराने संबंधी याचिका भी खारिज कर दी गई। यह मामला नीट-यूजी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक और कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। मामले की सुनवाई त्वरित न्यायालय में की जा रही है।

आवारा पशुओं और डेयरी माफिया पर विधानसभा में गरजे विधायक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को बेसहारा पशुओं और अवैध डेयरियों की समस्या को लेकर सदन में जोरदार चर्चा हुई। विधायकों ने राजधानी की सड़कों पर घूम रहीं बेसहारा गायों से बढ़ते हादसों, अवैध डेयरी संचालन और नगर निगम कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट का मुद्दा उठाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही, बोरवेल को नियमित करने के लिए मांगे गए ऑनलाइन आवेदन के आधार पर कुछ लोगों द्वारा उस सूची का इस्तेमाल कर ब्लैकमेलिंग कर जबरन वसूली का भी मुद्दा उठाया गया।इन विषयों को सुनकर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मामले को गंभीर बताते हुए एमसीडी से रिपोर्ट लेकर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। भाजपा विधायक हरीश खुराना ने कहा कि दिल्ली में निराश्रित पशुओं की समस्या लगातार बढ़ रही है और इसके कारण सड़क हादसे भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एमसीडी और डेयरी मालिकों के बीच मिलीभगत का खेल चलता रहता है। वहीं, बीजेपी विधायक सूर्यप्रकाश खत्री ने कहा कि बेसहारा गायों की समस्या केवल किसी एक क्षेत्र की नहीं, बल्कि पूरी दिल्ली की है। उन्होंने डेयरी माफिया पर नकेल कसने के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की। गाय पकड़ने वाले एमसीडी कर्मचारियों से मारपीट इसी क्रम में भाजपा विधायक राजकुमार भाटिया ने कहा कि जब एमसीडी कर्मचारी बेसहारा गायों को पकड़ने के लिए जाते हैं तो उनके साथ भी मारपीट की जाती है। उन्होंने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। भाजपा के ही विधायक करनैल सिंह ने गायों को सड़कों पर छोड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की बात कही।

स्वतंत्रता दिवस पर पतंगबाजी में बरतें सावधानी बिजली तारों से दूर रहने की अपील

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली में पतंगबाजी की तैयारियों के बीच टाटा पावर-डीडीएल ने लोगों से सुरक्षित तरीके से पतंग उड़ाने की अपील की है। कंपनी ने विशेष रूप से बिजली के खंभों, तारों और अन्य विद्युत प्रतिष्ठानों से पर्याप्त दूरी बनाए रखने तथा धातु की परत वाले मांझे और चाइनीज मांझे का इस्तेमाल पूरी तरह बंद करने की सलाह दी है। कंपनी के अनुसार, पतंग उड़ाते समय थोड़ी सी लापरवाही गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। बिजली के तारों के संपर्क में आने वाला मांझा न केवल बिजली आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है, बल्कि इसके कारण बिजली का करंट लगने और जान-माल के नुकसान का खतरा भी बढ़ जाता है। धातु वाला मांझा बिजली का सुचालक टाटा पावर-डीडीएल ने बताया कि धातु की परत वाला मांझा बिजली का सुचालक होता है। यदि ऐसा मांझा बिजली के तारों के संपर्क में आता है तो तार के टूटने या कटने का खतरा रहता है। इसके अलावा, मांझे के माध्यम से बिजली का प्रवाह होने पर पतंग उड़ाने वाले व्यक्ति को गंभीर विद्युत आघात लग सकता है। कंपनी ने कहा कि यदि उच्च वोल्टेज वाले बिजली के तार टूट जाते हैं तो बड़े क्षेत्र की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे हजारों उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और विद्युत व्यवस्था को भी नुकसान पहुंच सकता है। सूती धागे का इस्तेमाल करने की सलाह सुरक्षित पतंगबाजी के लिए टाटा पावर-डीडीएल ने लोगों से धातु की परत वाले मांझे के स्थान पर साधारण सूती धागे का इस्तेमाल करने की अपील की है। कंपनी ने चाइनीज मांझे से भी पूरी तरह दूरी बनाए रखने को कहा है।

ट्रैफिक जाम और कूड़े की समस्या पर विधानसभा में हंगामा, साइकिल घोटाले की टी-शर्ट से बढ़ा विवाद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा मानसून सत्र का सोमवार को दूसरा दिन है। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विशेष उल्लेख (नियम संख्या 280) के तहत विधायक अपने क्षेत्र की समस्या उठाने लगे। इसके अंतर्गत जहां भाजपा विधायक अनिल गोयल ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से सड़कों से डस्टबिन उठाए जाने का मुद्दा उठाया जो विधायक पवन शर्मा ने गाद न उठने के विषय को पटल पर रखा। वहीं, विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने भी यही समस्या रखी। सबकी बातें सुनने के बाद विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा की सफाई समिति को यह मामला देखने को कहा है। दिल्ली सदन में चर्चा के दौरान विधायक गजेंद्र सिंह रावत ने कहा कि महरौली में सरकार की खाली इमारत में 100 बिस्तर का अस्पताल बनाने की गुजारिश। प्रक्रिया शुरू हो गई है लेकिन तेजी लाए जाने की जरूरत है। वहीं, आप विधायक इमरान हुसैन बोले, ह्यपुरानी दिल्ली में जाम की समस्या बढ़ती जा रही है। स्कूल के बच्चों को भी हर रोज दोपहर में कई कई घंटे जाम से जूझना पड़ता है। टूटी सड़कें भी एमसीडी नहीं बना रहीं। ट्रांसपोर्टरों को संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में जगह दे दी गई है लेकिन वहां न जाकर जहां-तहां जाम लगा रहे हैं। उन्होंने कुतुब रोड, सदर रोड, ईदगाह रोड आदि पहाड़ी धीरज रोड का जिक्र किया।

लक्ष्मी योजना पर विधानसभा में घमासान भाजपा ने बताया ऐतिहासिक कदम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को दोपहर के भोजनावकाश के बाद दिल्ली विधानसभा की कार्रवाई में लक्ष्मी योजना पर चर्चा हुई। सदन में दिल्ली लक्ष्मी योजना पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदस्यों ने अपनी बात रखते हुए इसे जन-जन के लिए लाभकारी कहा। हालांकि, विपक्षी दल आम आदमी पार्टी के विधायक ने इस योजना की पात्रता के लिए रखी गई शर्तों पर ही सवाल खड़े किए। शुक्रवार को सत्ता पक्ष की ओर से इस प्रस्ताव को पेश किया गया था। भाजपा विधायक बोले- ऐतिहासिक कदम धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए भाजपा विधायक हरीश खुराना, तिलक राज अग्रवाल और अजय महावर ने दिल्ली लक्ष्मी योजना को राजधानी की सरकार का ऐतिहासिक कदम करार दिया। उन्होंने योजना के फायदे गिनाए और इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। विपक्ष ने गिनाईं खामियां इस बीच आप विधायक वीरेंद्र कादियान ने योजना का विरोध करते हुए कई खामियां गिनाईं। उन्होंने तीन से अधिक बच्चों वाली महिलाओं को लाभ न दिए जाने का पुरजोर विरोध किया। साथ ही, पात्रता के लिए दिल्ली में 10 साल का निवासी होने की शर्त पर सवाल उठाए। कादियान ने मांग की कि एक साल में 2400 बिजली यूनिट से अधिक खपत न होने की शर्त भी हटाई जाए। विपक्ष इन शर्तों को योजना की कमजोरी बता रहा है। अन्य मुद्दे भी उठाए गए भोजनावकाश से पूर्व आप विधायक सहीराम पहलवान ने तुगलकाबाद में बिजली का नया कनेक्शन लेने में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले वन विभाग और डीडीए की एनओसी मांगी जाती थी, अब नियमित होने वाली कॉलोनियों की सूची में नाम होना भी जरूरी बताया जा रहा है। उन्होंने शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन का गेट नंबर दो खोलने और वहां बने फुट ओवर ब्रिज को 100 से 125 फुट बढ़ाने की मांग भी की।

11 से 13 अगस्त तक बिजली कर्मचारियों की हड़ताल

गुरुग्राम में बिजली-पानी संकट गहराने की आशंका, सरपंचों ने भी समर्थन का किया दावा

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के सोहना में बिजली कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 11 से 13 अगस्त तक 3 दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं उपभोक्ता संघर्ष समिति के तत्वावधान में होने वाली इस हड़ताल से बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। इसका सीधा असर पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ सकता है, क्योंकि कई जगह पानी की सप्लाई बिजली से चलने वाले नलकूप और अन्य व्यवस्थाओं पर निर्भर है। ऐसे में घरों, दुकानों, उद्योगों और सरकारी संस्थानों के साथ-साथ लोगों को पानी की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को सरकार और विभाग के अधिकारियों के सामने रखते आ रहे हैं, लेकिन अब तक इनका समाधान नहीं हुआ है। इसी के विरोध में कर्मचारियों ने तीन दिनों तक काम बंद रखने का फैसला किया है। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी है कि हड़ताल के दौरान यदि किसी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होती है या अंधेरा छाता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। कर्मचारी नेताओं प्रेमपाल और उस्मान के अनुसार कर्मचारियों की तीन प्रमुख मांगें लंबे समय से लंबित हैं और इनको लेकर पहले भी सरकार व विभाग के अधिकारियों से बातचीत की जा चुकी है।

सरकार पर मांगों की अनदेखी का आरोप

कर्मचारी नेताओं का कहना है कि उन्होंने कई बार सरकार को अपनी समस्याओं से अवगत कराया, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि मांगों का समाधान नहीं होने के कारण कर्मचारियों को हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है। नेताओं ने कहा कि कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे हैं और सरकार से हड़ताल शुरू होने से पहले बातचीत कर समाधान निकालने की मांग कर रहे हैं।

सरपंचों के समर्थन का दावा

कर्मचारी नेताओं के अनुसार इस बार आंदोलन को ग्रामीण स्तर पर भी समर्थन मिल रहा है। क्षेत्र के कई सरपंचों के हड़ताल में कर्मचारियों के साथ खड़े होने का दावा किया गया है। नेताओं का कहना है कि बिजली व्यवस्था का सीधा संबंध गांवों की पेयजल व्यवस्था, सिंचाई और दूसरी जरूरी सेवाओं से है। इसलिए कर्मचारियों की मांगों का समाधान केवल कर्मचारियों के हित में ही नहीं, बल्कि आम उपभोक्ताओं के लिए भी जरूरी है।

स्मार्ट मीटर योजना पर सवाल

कर्मचारी नेताओं ने सरकार की प्रस्तावित स्मार्ट मीटर योजना को लेकर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि सरकार जल्द ही स्मार्ट मीटर लगाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यूनियन का कहना है कि नई व्यवस्था लागू करने से पहले कर्मचारियों और उपभोक्ताओं की चिंताओं को दूर किया जाना चाहिए। नेताओं ने आरोप लगाया कि तकनीकी बदलाव के नाम पर लिए जा रहे फैसलों का असर कर्मचारियों और आम उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है।

गुरुग्राम-नूंह में निजीकरण का विरोध

कर्मचारी नेताओं ने गुरुग्राम और नूंह क्षेत्र में बिजली व्यवस्था के निजीकरण के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा है। उनका आरोप है कि सरकार

व्यक्ति के शव की नहीं हो सकी पहचान

गुरुग्राम पुलिस ने जारी किया हुलिया, इलाज के दौरान हुई थी मौत

प्रात : किरण संवाददाता

फर्रुखनगर । के केएमपी टोल के पास फ्लाईओवर के नीचे 25 जुलाई को लावारिस हालत में मिले एक व्यक्ति की 15 दिन बाद भी पहचान नहीं हो पाई है। उपचार के दौरान 31 जुलाई को उसकी मृत्यु हो गई थी। फर्रुखनगर पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के लिए उसका हुलिया और पहने हुए कपड़ों की जानकारी सार्वजनिक की है। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति को पहले सेक्टर-10 सिविल अस्पताल, गुरुग्राम में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली रेफर किया गया, जहां 31 जुलाई को उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। सफदरजंग अस्पताल की मोर्चरी में रखा है शव मृतक का शव फिलहाल सफदरजंग अस्पताल की मोर्चरी में रखा हुआ है। थाना फर्रुखनगर पुलिस उसकी पहचान के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों के लोगों और गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने वाले परिजनों से हुलिए के आधार पर पहचान करने की अपील की है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की उम्र लगभग 29 वर्ष है। उसका रंग सांवला, चेहरा गोल और कद करीब 5 फीट 8 इंच है। उसके दाहिने हाथ की कलम वाली उंगली कटी हुई है। मृतक ने आसमानी/नीले रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी, जिस पर लिखा हुआ है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति के लापता होने की जानकारी हो और उसका हुलिया उक्त व्यक्ति से मिलता-जुलता हो, तो तुरंत थाना फर्रुखनगर पुलिस से संपर्क करें। सूचना मिलने पर पहचान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी, ताकि मृतक के परिजनों तक खबर पहुंचाई जा सके। संपर्क के लिए थाना फर्रुखनगर के मोबाइल नंबर 9416133550 और 9999981841 पर कॉल किया जा सकता है।

गुरुग्राम में अवैध कब्जों पर प्रशासन की कार्रवाई

एक साथ उतरीं 10 जेसीबी, रेलवे रोड-चिंतपूर्णी माता मंदिर के पास हटाईं दुकानें

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू की है। शहर के व्यस्त रेलवे रोड पर नगर योजनाकार और नोडल अधिकारी आरएस बाठ के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर बुलडोजर अभियान चलाया गया। इस अभियान में एक साथ 10 जेसीबी मशीनों का काफिला उतरा। अधिकारियों ने सरकारी जमीन पर हुए अवैध कब्जों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। यह कार्रवाई रेलवे रोड के पास चिंतपूर्णी माता मंदिर और शहर के तमाम इलाकों में की गई की गई। प्रशासन ने शहर में पहले ही मुनादी कराकर लोगों को सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी थी। सड़क और फुटपाथों पर हुए अतिक्रमण, दुकानों के बाहर बढ़ाए गए टीन शेड और अवैध कब्जों के कारण आम जनता को भारी परेशानी हो रही थी। इससे पैदल चलने वालों के रास्ते बंद हो गए थे और सड़कों पर रोज लंबा जाम लगता था।

इसी समस्या को खत्म करने के लिए नोडल अधिकारी आरएस बाठ खुद मोर्चे पर डटे नजर आए। 25 से 30 टीन शेड वाली दुकानों को हटाया कार्रवाई का सबसे बड़ा असर चिंतपूर्णी माता मंदिर के पास स्थित फूलों की दुकानों पर दिखा। मंदिर के आसपास सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी 25 से 30 टीन शेड वाली फूलों की दुकानों को जेसीबी की मदद से ढहा दिया गया। प्रशासन के इस कड़े रुख से पूरे इलाके के भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है। डीटीपी आरएस बाठ ने स्पष्ट किया कि यह तो बस शुरूआत है। आने वाले दिनों में गुरुग्राम की सड़कों और फुटपाथों को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य शहर को जाम और अवैध कब्जों से मुक्ति दिलाना है, जिससे आम जनता को राहत मिल सके।

गुरुग्राम में मानेसर नगर निगम की हाउस मीटिंग स्थगित

पार्षद कंवरपाल चौहान के भतीजे की मौत, हंगामा होने के आसार भी थे

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में मानेसर नगर निगम सदन की आज होने वाली हाउस मीटिंग स्थगित कर दी गई है। पार्षद कंवरपाल चौहान के भतीजे के अचानक मौत होने की वजह बताई गई है। पिछली बैठक में मेयर और सीनियर डिप्टी मेयर समर्थक पार्षदों में झगड़ा हो गया था। इसी के चलते आज पुलिस बुलाई गई थी, ताकि दोबारा कोई झगड़ा न हो। आईएमटी सेक्टर-8 स्थित नगर निगम कार्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव को करनी थी। इस बैठक में मानेसर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांवों और सेक्टरों के विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे की मजबूती, सफाई व्यवस्था, आगामी बजट और मानसून के दौरान उत्पन्न हुई समस्याओं से जुड़े कई करोड़ रुपये के प्रस्तावों पर चर्चा होनी थी। भले ही आज की बैठक का आधिकारिक एजेंडा शहर का विकास था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर आम जनता की नजरें सदन के भीतर के माहौल पर टिकी हुई हैं। इसका मुख्य कारण नगर निगम की पिछली बैठक में हुआ वो अभूतपूर्व और शर्मनाक विवाद है, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया था। पिछली बैठक के दौरान मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव और सीनियर डिप्टी मेयर के समर्थकों व पार्षदों के बीच बहस हुई थी, जिसने देखते ही देखते एक बड़े झगड़े का रूप ले लिया था। सदन के भीतर जमकर धक्का-मुक्की, गाली-गलौज और हंगामा हुआ था। विवाद की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह मामला केवल सदन के भीतर शांत नहीं हुआ, बल्कि दोनों ही गुटों के प्रतिनिधि सीधे पुलिस थाने पहुंच गए। दोनों पक्षों की तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ नामजद लिखित शिकायतें दर्ज कराई गईं, जिसके बाद पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बाद में डेट फिक्स की जाएगी अब दोबारा से मीटिंग की डेट फिक्स की जाएगी। मेयर और सीनियर डिप्टी मेयर के समर्थक पार्षद एक ही छत के नीचे, एक ही मेज पर आमने-सामने बैठेंगे, तो साधारण बैठक के बेहद हंगामेदार रहने के पूरे आसार हैं। माना जा रहा है कि विपक्षी और सीनियर डिप्टी मेयर खेमे के पार्षद पिछली घटना को लेकर सदन में हंगामा कर सकते हैं और मेयर को घेरने की रणनीति तैयार कर चुके हैं।

फरीदाबाद में अवैध हथियारों के साथ 3 आरोपी दबोचे

2 पिस्टल-4 मैग्जीन और 30 कारतूस बरामद; भाई पर हमले का बदला लेने के लिए बनाई गैंग

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में भाई पर हुए हमले का बदला लेने के लिए युवक ने दोस्तों के साथ गैंग बनाकर अवैध हथियारों का जखीरा इकट्ठा कर लिया। लेकिन वारदात को अंजाम देने से पहले वह पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने युवक सहित उनके तीन दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कोर्ट में पेश कर सभी को 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देसी पिस्टल, 4 मैग्जीन, एक कट्टा सहित 30 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान संजय कालोनी निवासी बसंत, आकाश और पर्वतीय कालोनी निवासी योगेश के रुप में हुई है। पुलिस के अनुसार, टीम को पूछताछ में पता चला कि साल 2020 में इस गैंग के मुखिया बसंत के भाई विमल के ऊपर देवेंद्र और योगी नामक युवकों ने फायरिंग कर दी थी । इस दौरान विमल घायल हो गया था। इसी का बदला लेने के लिए बसंत ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर गैंग बना ली। गश्त के दौरान क्राइम ब्रांच ने पकड़ा क्राइम एसीपी अमन यादव ने बताया कि 8 अगस्त की रात को क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 की टीम गश्त कर रही थी। तभी टीम को सूचना मिली कि तीन बदमाश सेंट्रल थाना इलाके में ब्रेजा गाड़ी में अवैध हथियारों के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहे हैं। टीम ने नाकाबंदी करके तीनों को ब्रेजा गाड़ी सहित गिरफ्तार कर लिया। दूसरे राज्यों से खरीद कर लाए थे हथियार पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी बसंत के पास से एक देसी पिस्तौल दो मैगजीन 12 जिंदा कारतूस, आकाश के पास से एक देसी कट्टा 6 जिंदा रौंद, योगेश के पास से एक देसी पिस्तौल दो मैगजीन 12 जिंदा रौंद बरामद किए हैं। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने ये हथियार दूसरे राज्यों से खरीदे थे। 4 दिन के पुलिस रिमांड पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से उनको पुलिस ने 4 दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े दूसरे सदस्यों की तलाश की जा रही है। पूछताछ के दौरान आरोपियों से और भी कई खुलासे हो सकते हैं।

गुरुग्राम में सरियों से लदे ट्रक में घुसी कार

कई फीट लंबे सरिए ड्राइवर सीट के बगल से आर-पार; बाल-बाल बची जान

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम-फरीदाबाद। रोड पर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे सरियों से लदे वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी में लदे कई लंबे सरिए कार के अगले हिस्से को चीरते हुए सीधे आर-पार निकल गए। सरिए कार की विंडस्क्रीन को तोड़कर ड्राइवर सीट के ठीक बगल से पार हो गए। गनीमत यह रही कि सरिए चालक के शरीर को छूते हुए निकल गए और उसकी जान बाल-बाल बच गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला। उसे हल्की चोट आई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाया। ड्राइवर दिल्ली का रहने वाला है और देर रात घर लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सरियों से भरे वाहन द्वारा सुरक्षा नियमों की अनदेखी की गई थी। जो तेज रफ्तार कार ड्राइवर को अंधेरे की वजह से दिखाई नहीं दिया और कार ट्रक से टकरा गई। शुरूआती जांच में ओवरस्पीडिंग और सरियों से भरे वाहन द्वारा सुरक्षा नियमों की अनदेखी को हादसे की वजह माना जा रहा है। ई रिक्शा में भरे सरियों से हो चुकी कैब ड्राइवर की मौत फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इससे पहले द्वारका एक्सप्रेसवे पर सरियों से भरी ई रिक्शा में टक्कर होने से एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई थी। इसके बावजूद सरियों को ले जाने वाहनों द्वारा सुरक्षा नियमों को नहीं अपनाया जा रहा है। यातायात नियमों के अनुसार, किसी भी वाहन में क्षमता से बाहर या पीछे की ओर निकले हुए सरिए, गार्डर या बांस लादकर चलना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

गुरुग्राम में भारत की सबसे बड़ी अपार्टमेंट डील

271 करोड़ में बिका पेंट हाउस, ऑटो सेक्टर के बड़े बिजनेसमेन ने ऊछत्रह्यद डहलियासह्न में खरीदा

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में भारत की सबसे बड़ी अपार्टमेंट डील हुई। दिग्गज रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ ने अपने सुपर-लग्जरी प्रोजेक्ट में एक पेंटहाउस 271 करोड़ रुपए में बेचा है। प्रति वर्ग फुट के हिसाब से ये डील देश में सबसे महंगी है। यह पेंटहाउस डीएलएफ फेज-5 में ह्यद डहलियासह्न में है, जिसे ऑटो सेक्टर की प्रमुख कंपनी इंपीरियल ऑटो के मालिक मानव सरदाना ने खरीदा है। द डहलियास सोसाइटी अभी निमार्णाधीन है और इस प्रोजेक्ट में 420 सुपर-लग्जरी अपार्टमेंट और पेंटहाउस बनाए जा रहे हैं। इस पेंट हाउस का सुपर एरिया 17,200 वर्ग फुट है। सुपर एरिया के हिसाब से रेट 1.58 लाख प्रति वर्ग फुट बैठता है और कारपेट एरिया 10,500 वर्ग फीट के आधार पर इसकी कीमत करीब 2.6 लाख प्रति वर्ग फुट बनती है। हालांकि, इस डील पर किसी भी तरह की जानकारी शेयर करने से डीएलएफ ने मना किया है। गुड़गांव के गोल्फ कोर्स रोड स्थित सेक्टर 54 में बसे ह्यद डहलियास प्रोजेक्टह्न में एक साधारण अपार्टमेंट की कीमत भी 100 करोड़ से 170 करोड़ रुपए के बीच रखी गई है, जबकि पेंटहाउस की कीमत इससे भी कहीं ज्यादा है। डीएलएफ को इस सिंगल प्रोजेक्ट से ही 40,000 करोड़ से अधिक का रेवेन्यू मिलने की उम्मीद है। लॉन्चिंग के बाद से अब तक इसकी 65 प्रतिशत से ज्यादा यूनिट्स बिक भी चुकी हैं।

फरीदाबाद में नशीली दवाओं की खेप बरामद

मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार, घर और गोदाम से मिले इंजेक्शन और कैप्सूल

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । जिले के बल्लभगढ़ क्षेत्र में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रवीन कुमार निवासी होली चौक के पास फतेहपुर बिल्लौच के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के मकान और उसके सामने बने गोदाम की तलाशी लेकर बड़ी मात्रा में नशीली गोलियां, कैप्सूल और इंजेक्शन बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी को आज कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार 8 अगस्त को हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो फरीदाबाद की टीम फतेहपुर बिल्लौच ऑटो स्टैंड पर नशे की रोकथाम और गश्त के लिए मौजूद थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि प्रवीन अपने घर और मेडिकल स्टोर के माध्यम से प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की बिक्री करता है। सूचना मिलने के बाद टीम ने अधिकारियों को जानकारी दी और आवश्यक कार्रवाई के लिए आरोपी के मकान पर पहुंची। नशीले इंजेक्शन और कैप्सूल बरामद हुए पुलिस टीम ने आरोपी के मकान की तलाशी ली तो एक कमरे से अल्प्राजोलम की 15 स्ट्रिप बरामद हुईं, जिनमें कुल 225 गोलियां थीं। इन गोलियों का वजन करीब 43.296 ग्राम बताया गया है। इसके अलावा 125 अन्य गोलियां बरामद हुईं, जिनका वजन करीब 61.120 ग्राम था। पुलिस को अलग-अलग ब्रांड के कैप्सूल भी मिले, जिनका वजन करीब 66.05 ग्राम बताया गया है। इसके अलावा नशीले इंजेक्शन भी बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी के मकान के सामने बने गोदाम की तलाशी ली। गोदाम में रखी एक गत्ते की पेटी से बड़ी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद हुईं। इनका वजन करीब 1056 ग्राम बताया गया है। गोदाम से 300 नशीले इंजेक्शन और 50 अन्य इंजेक्शन भी बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार बरामद सामग्री में ट्रामाडोल नमक की कुल मात्रा करीब 899.170 ग्राम पाई गई। बिल और लाइसेंस नहीं दिखा सका आरोपी तलाशी के दौरान बरामद नशीली दवाइयों के संबंध में पुलिस ने आरोपी से बिल और लाइसेंस मांगे, लेकिन वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रतिबंधित दवाइयों को रखने और बेचने के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं दे पाया। इसके बाद पुलिस ने बरामद दवाइयों को पेटी में पैक कर सील किया। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई। आरोपी का नेटवर्क खंगाल रही पुलिस पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि मामले में थाना सदर बल्लभगढ़ में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी प्रवीन कुमार को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया है। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाइयां कहां से लाता था और इन्हें किन लोगों को सप्लाई करता था। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

फरीदाबाद पुलिस जलाभिषेक को लेकर अलट

'सर्विस रोड से आमजन का आवागमन बंद, हाईवे और आगरा नहर पर बढ़ाई फोर्स

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों के बीच कांवड़ यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर शिवभक्त फरीदाबाद पहुंच रहे हैं। मंगलवार को सावन के पावन अवसर पर भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। इसे देखते हुए फरीदाबाद पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर खास इंतजाम किए हैं। नेशनल हाईवे के सर्विस रोड को आम लोगों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इस रास्ते को फिलहाल केवल कांवड़ियों के आवागमन के लिए खोला गया है। हाईवे के कटों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। आगरा नहर के साथ भी पुलिस बल बढ़ाया गया है। स्थानीय पुलिस, क्राइम ब्रांच, ट्रेफिक पुलिस , वालंटियर, सहित 2 हजार पुलिस कर्मचारियों की डयूटी लगाई गई है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि अगले दो दिनों में कांवड़ियों की संख्या काफी बढ़ने की संभावना है। फरीदाबाद से बड़ी संख्या में शिवभक्त गुरुग्राम और मथुरा की तरफ जा रहे हैं। डाक कांवड़ को देखते हुए पुलिस ने विशेष तैयारियां की हैं। जलाभिषेक को लेकर रात के समय पुलिस की पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी गई है। पुलिसकर्मी हाईवे, आगरा नहर और कांवड़ियों के प्रमुख मार्गों पर लगातार

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/इ-निविदा सूचना/37/2026-27/W-3 दिनांक: 07.08.2026

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	ADEN/DLI के अंतर्गत SSE/W/दिल्ली सेक्शन में PTNR, ANDI, SSB और अन्य रेलवे स्टेशनों पर रास्ते की मरम्मत और सुधार; साथ ही अलग-अलग जगहों पर पोर्टा केबिन की मरम्मत और अन्य संबंधित काम।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	रु. 1,49,89,200.25/- (रुपये एक करोड़ उनचास लाख नवासी हजार दो सौ और पच्चीस पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	रु. 2,99,800.00/- (रुपये दो लाख निन्यानवे हजार आठ सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	31.08.2026 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। 2745/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

होमगार्ड के बेटे की हत्या में 2 पुलिसकर्मी सस्पेंड

गुरुग्राम में हुक्का विवाद में चाकुओं से गोदा था; BJP विधायक ने पंचायत में SHO को फटकारा

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में होमगार्ड मुन्नीलाल के 22 साल के बेटे सागर के मर्डर केस में लापरवाही मिलने पर दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। फर्रुखनगर थाना एसएचओ महेंद्र सिंह ने हेडकांस्टेबल अशोक और विनोद को सस्पेंड करने की पुष्टि की है। हुक्का भरने के विवाद में 6 अगस्त को 20-25 लोगों ने बेंगलुरू से लौटे सागर पर जानलेवा हमला कर दिया था। सागर के साथ उसका भाई शंकर था। हमलावरों को देख दोनों भाई भागकर घर में घुस गए थे। मगर, हमलावर ने पीछा कर चाकुओं से गोदकर सागर की हत्या कर दी थी। घटना के विरोध में 8 अगस्त को बुलाई गई पंचायत में पटौदी से इखढ विधायक बिमला देवी ने एसचएओ को खूब फटकारा। यहां तक कहा कि अगर पुलिस पहले कार्रवाई कर देती तो हमारा बच्चा नहीं जाता। इस दौरान एसएचओ सिर झुकाए खड़े रहे थे। पिता से हुई कहासुनी, जिससे बढ़ी रंजिश : 3 अगस्त को सागर के पिता मुन्नी लाल अपने भाई होशियार के साथ दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान गांव के सचेत उर्फ मुन्ना की सागर के भाई शंकर के साथ हुक्का भरने को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद सचेत ने अपने साथियों के साथ मुन्नी लाल और शंकर से मारपीट की थी। उसी दिन मुन्नी लाल ने इसकी शिकायत पुलिस से की थी। इससे दोनों पक्षों के बीच रंजिश बढ़ गई थी। पिता से झगड़े की सूचना पर बेंगलुरु से आया सागर : परिवार के मुताबिक, सागर बेंगलुरु में काम करता था। पिता-भाई से झगड़े की सूचना मिलते ही सागर छह अगस्त को बेंगलुरु से लौट आया था। वह बेंगलुरु में ट्रांसपोर्ट कंपनी में काम करता था। बस अड्डे पर उतरकर वह अपने भाई शंकर के साथ घर जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान सचेत उर्फ मुन्ना सहित करीब 20-25 लोगों ने दोनों भाइयों को पीछा शुरू कर दिया। घर में घुसकर मारपीट, चाकू मारकर हत्या की: आरोपियों को देख दोनों भाई भागकर घर में घुस गए। मगर, आरोपी हथियारों और लाठियों से लैस होकर उनके पीछे-पीछे घर में ही घुस गए और हमला कर दिया। इसी दौरान चाकू से गोदकर सागर की हत्या कर दी गई। उसके भाई ने भाग कर जान बचाई। इसके बाद हमलावर फरार हो गए।

गुरुग्राम के बड़े शराब कारोबारी की पत्नी पर FIR

100 करोड़ के फ्लैट में नौकरानी से मारपीट की, आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस

गुरुग्राम । के बड़े शराब कारोबारी की पत्नी पर मेड से मारपीट के आरोप में ऋक्कफदर्ज हुई है। मामला गोल्फ कोर्स रोड स्थित अल्ट्रा लग्जरी सोसाइटी द कैमेलियाज के एक फ्लैट का है। सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सुशांत लोक थाने में मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस आरोपी महिला को गिरफ्तार करने के लिए सोसाइटी पहुंची है। जिस फ्लैट में मेड के साथ मारपीट हुई, उसकी कीमत करीब 100 करोड़ रुपए बताई जा रही है। 16 एकड़ में फैली है सोसाइटी द कैमिलियाज सोसाइटी गुरुग्राम के सेक्टर-42 में गोल्फ कोर्स रोड पर स्थित ऊछत्रकी अल्ट्रा-लक्जरी रेजिडेंशियल सोसाइटी है। करीब 16 एकड़ में फैली इस सोसाइटी में 4, 5 और 6 इल्ङ के लग्जरी अपार्टमेंट हैं, जिनका आकार करीब 7,196 से 16,500 वर्गफुट तक है। यहां फ्लैटों की कीमत करीब 73 करोड़ से 168 करोड़ तक बताई गई है। सोसाइटी में स्विमिंग पूल, जिम, स्पा, क्लब और अन्य हाई-एंड सुविधाएं हैं। प्राइम लोकेशन, बड़े आकार के फ्लैट और बेहद ऊंची कीमतों के कारण द कैमिलियाज को गुरुग्राम की सबसे महंगी और प्रतिष्ठित रिहायशी सोसाइटियों में गिना जाता है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कार्यालयः– रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	निविदा संख्या	377788
2	कार्य का नाम और कार्य स्थान	''आरसीएनके/सोनीपत में LHB कोचों के लिए टॉयलेट मॉड्यूल और नॉन–AC एरिया की मरम्मत और री–पेंटिंग का काम। (कार्यक्षेत्र के अनुसार)''।
3	अनुमानित लागत	रुपये 3,92,78,792.25/- जीएसटी @ 18% सहित
4	बयाना राशि	रु. 7,85,600/-
5	निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
6	कार्य अवधि	स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 12 महीने।
7	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि तथा खुलने की तिथि व समय	01.09.2026 को 15:00 बजे तक निविदा खुलने की प्रक्रिया उसी दिन 15:15 बजे होगी।
8	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in
9	यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।	

सं.: 377788 दिनांक: 10.08.2026 2754/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

झूठा बेस्टसेलर टैग

डॉ. प्रियंका सौरभ

छपे हुए पन्ने एक किताब से बढ़कर कुछ नहीं होते। ये लेखक के विचार, अनुभव, भावनाएँ, कल्पना और वर्षों की रचनात्मक मेहनत का सार होते हैं। एक अच्छी किताब का पाठक के साथ एक ऐसा रिश्ता होता है जो क्षणिक प्रसिद्धि या व्यावसायिक सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आज के प्रकाशन उद्योग के युग में, बेस्टसेलर शब्द एक प्रचार का माध्यम बनकर रह गया है। किसी किताब की वास्तविक बिक्री के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध होती है, फिर भी उसे उसके आवरण, विज्ञापनों, सोशल मीडिया पेजों या लेखकों के माध्यम से बेस्टसेलर के रूप में प्रचारित किया जा सकता है। ऐसे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है: क्या केवल बेस्टसेलर का लेबल किसी किताब को बेस्टसेलर बना सकता है? आदर्श रूप से, बेस्टसेलर का तात्पर्य वास्तविक बिक्री और पाठकों की निरंतर मांग से होना चाहिए। जब कोई पुस्तक विश्वसनीय और पारदर्शी तरीके से बिकती है, और उसकी बड़ी संख्या में प्रतियां बिकती हैं, तो उसे बेस्टसेलर माना जा सकता है। हालांकि, यदि बिक्री या रैंकिंग के आंकड़े, प्लेटफॉर्म या मापन अवधि प्रदान नहीं की जाती है, तो दावा संदिग्ध हो जाता है। यह स्वाभाविक है कि पाठक पूछेगा, ह्यकिस सूची के अनुसार बेस्टसेलर? कितनी प्रतियां बिकीं? किस अवधि के दौरान? किस प्लेटफॉर्म पर पुस्तक सबसे लोकप्रिय रही? क्या आंकड़ों का कोई स्वतंत्र सत्यापन है?ह्ल यदि आपको इन सवालों के जवाब नहीं पता हैं, तो ह्लबेस्टसेलरह्ल एक वास्तविक उपलब्धि के बजाय एक मार्केटिंग का जुमला बनकर रह जाएगा। सोशल मीडिया के आगमन के साथ इस प्रकार का प्रचार बहुत सरल हो गया है। आकर्षक पोस्टर बनाकर, पुस्तक विमोचन के लिए उपयुक्त तस्वीरें लेकर, वीडियो बनाकर, स्कूलों से समर्थन प्राप्त करके, समीक्षाएँ और बधाई संदेश प्राप्त करके व्यापक प्रभाव डाला जा सकता है। कोई पुस्तक वेब पर कहीं भी मौजूद हो सकती है और इस प्रकार बहुत सफल प्रतीत हो सकती है। हालाँकि, दृश्यता और पाठक संख्या के बीच कोई स्पष्ट संबंध नहीं है। आपके सौ लाइक्स में जितने पाठक हैं, जरूरी नहीं कि उतने ही पाठक हों। किसी के पास किसी की पुस्तक पकड़े हुए तस्वीर होने का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने वास्तव में वह पुस्तक पढ़ी है। इसी प्रकार, बहुत सारी टिप्पणियाँ होने का मतलब यह नहीं है कि पाठक सामग्री में गहराई से रुचि रखते हैं। आप किताब तो खरीद सकते हैं, लेकिन सच्चे पाठक को कभी खरीद नहीं सकते। कई बार किसी अभियान, संस्थागत आयोजन, नेटवर्क या संगठित प्रचार के दौरान किताबों की सैकड़ों या हजारों प्रतियां बिक जाती हैं। लेकिन इसमें बिक्री की कमी नहीं है। लेखकों और प्रकाशकों दोनों को अपनी किताबों से मुनाफा कमाने और उनका प्रचार करने का अधिकार है। समस्या तब शुरू होती है जब बिक्री को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है और ऐसा लोकप्रियता का भ्रम पैदा करने के लिए किया जाता है। ईमानदार प्रचार और भ्रामक प्रचार में बहुत बड़ा अंतर नहीं होता, लेकिन इसका पाठकों के भरोसे पर गहरा असर पड़ सकता है। इससे एक सच्चा पाठक वर्ग बनता है। सच्चा पाठक किताब खरीदता है, उसे बहुत ध्यान से पढ़ता है, उसकी विषयवस्तु पर विचार करता है, उस पर चर्चा करता है और दूसरों को भी पढ़ने की सलाह देता है। ऐसा पाठक जो ऐसी टिप्पणी पढ़ता है, वह सैकड़ों बनावटी प्रचार टिप्पणियों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। एक लेखक के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता कि वर्षों बाद कोई कहे, मैंने आपकी किताब पढ़ी और इसने किसी चीज को देखने का मेरा नजरिया बदल दिया। इस तरह की प्रतिक्रिया विज्ञापन से नहीं मिलती। यह केवल गुणवत्तापूर्ण लेखन के माध्यम से ही संभव है। समस्या केवल किताबों की बिक्री तक ही सीमित नहीं है। अतिशय प्रशंसा कला के अन्य क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है: पुस्तक समीक्षाओं में भी यही हाल है। आधुनिक युग में लगभग हर नई किताब को शानदार, ऐतिहासिक, अविस्मरणीय या प्रतिभाशाली कृति कहा जाता है। जब हर किताब को उत्कृष्ट कृति कहा जाता है, तो उसे दूसरी किताबों से अलग करना मुश्किल हो जाता है। एक अच्छी पुस्तक समीक्षा पुस्तक के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करती है, लेकिन उसकी कमियों को भी उजागर करती है। रचनात्मक आलोचना देना किसी लेखक का अपमान नहीं है।

जैव ईंधन : स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की नई राह

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व तथा स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस जैव ईंधन के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रयासों को गति देने का संदेश देता है। जैव ईंधन ऐसे ईंधन हैं, जो पौधों, कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और अन्य जैविक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं। एथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस और बायो-सीएनजी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनका महत्व इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया लंबे समय से पेट्रोलियम, कोयला और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रही है, जिनके अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ी हैं। विश्व जैव ईंधन और इसका इतिहासः- विश्व जैव ईंधन दिवस का संबंध जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल से भी जोड़ा जाता है। वर्ष 1893 में उन्होंने वनस्पति तेल, विशेष रूप से मूंगफली के तेल से इंजन चलाने का प्रयोग किया था। उनके इस प्रयोग ने यह संभावना सामने रखी कि वनस्पति स्त्रोतों से प्राप्त तेल भविष्य में पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 अगस्त 2015 से इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। 10 अगस्त 2015 को भारत में बायोडीजल के खुदरा मिश्रण की शुरूआत भी की गई थी। इसलिए यह दिवस केवल किसी ऐतिहासिक प्रयोग को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, पर्यावरण संरक्षण, कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग, कचरा प्रबंधन और रोजगार सृजन की दिशा में जागरूकता पैदा करने का अवसर भी है। जैव-ईंधन और एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रमः-भारत में जैव ईंधन के क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त कृषि उत्पादों तथा जैविक स्त्रोतों से एथेनॉल तैयार किया जाता है और इसे पेट्रोल में मिलाने से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत औसत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल किया है। सरकार ने पहले इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक आगे कर दिया गया। वास्तव में, यह उपलब्धि भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों, डिस्टिलरी उद्योग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है। जैव-ईंधन और संभावनाएंः- भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जैव ईंधन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। हमारे देश में कृषि अवशेष, धान की पराली, गन्ने के अवशेष, मक्का, गोबर, खाद्य प्रसंस्करण से निकलने वाला जैविक कचरा और अन्य बायोमास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इन पदार्थों को कचरा समझकर जलाने या फेंकने के बजाय वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में उपयोग किया जाए, तो इससे कचरा भी कम होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और देश का घरेलू ऊर्जा स्त्रोत मजबूत होगा। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त जैविक स्त्रोतों से एथेनॉल, जबकि गोबर तथा अन्य जैविक कचरे से बायोगैस और बायो-सीएनजी तैयार की जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े उद्योगों और जैव ईंधन संयंत्रों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। साथ ही कृषि अवशेषों के उचित उपयोग से पराली जलाने जैसी समस्या को कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इस दृष्टि से जैव ईंधन कृषि, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के बीच एक मजबूत सेतु बन सकता है।

जिंदगी कोई लीडरबोर्ड नहीं, खुद से मुकाबला है

यह संदेश ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब युवा अक्सर अपने करियर की तुलना दूसरों की उपलब्धियों, नौकरी, पैकेज और सामाजिक प्रतिष्ठा से करने लगते हैं। मोदी ने सफलता को बाहरी प्रतिस्पर्धा से हटाकर आत्म-विकास से जोड़ने की कोशिश की। उनका संदेश साफ था कि जीवन में सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि आपने दूसरों को पीछे छोड़ दिया, बल्कि यह है कि आपने स्वयं को लगातार बेहतर बनाया। प्रधानमंत्री ने तेजी से बदलती दुनिया में तकनीक की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले तीन से साढ़े तीन दशकों में युवाओं के फैसले भारत की विकास यात्रा की दिशा तय करेंगे। आज की पीढ़ी के सामने अवसर भी बड़े हैं और चुनौतियां भी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नई तकनीक, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे दौर में केवल नौकरी पाने की मानसिकता से आगे बढ़कर नए समाधान तैयार करने और समस्याओं को अवसर में बदलने की सोच विकसित करनी होगी। मोदी ने युवाओं को एक महत्वपूर्ण मंत्र दिया कि केवल सवाल पूछकर रुकना नहीं है, बल्कि उनके समाधान भी खोजने हैं। उन्होंने कहा कि समाज में कई ऐसी बातें होती हैं जिन्हें लोग लंबे समय से स्वीकार करते रहते हैं। ऐसे विषयों पर सवाल उठाना जरूरी है, लेकिन सवाल उठाने के बाद समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का साहस भी होना चाहिए।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन महज एक औपचारिक भाषण नहीं रहा, बल्कि यह युवाओं के साथ सीख, अनुभव और प्रेरणा का संवाद बन गया। तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों की मौजूदगी में प्रधानमंत्री ने जिस सहज अंदाज में युवाओं से बातचीत की, उसमें एक अभिभावक जैसी चिंता, शिक्षक जैसी सीख और देश के भविष्य को लेकर एक नेता की अपेक्षा दिखाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल मिलने की बधाई देने के साथ यह याद दिलाया कि असली यात्रा अब शुरू हो रही है। आईआईटी से मिली शिक्षा का मूल्य केवल अच्छे करियर या बड़े पैकेज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सबसे बड़ा अर्थ कठिन समस्याओं को पहचानना और उनका समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से कहा कि जिंदगी को किसी लीडरबोर्ड की तरह नहीं देखना चाहिए। असली मुकाबला दूसरों से नहीं, बल्कि खुद से है। हर दिन अपने कल से बेहतर बनने की कोशिश ही वास्तविक सफलता की दिशा है। यह संदेश ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब युवा अक्सर अपने करियर की तुलना दूसरों की उपलब्धियों, नौकरी, पैकेज और सामाजिक प्रतिष्ठा से करने लगते हैं। मोदी ने सफलता को बाहरी प्रतिस्पर्धा से हटाकर आत्म-विकास से जोड़ने की कोशिश की। उनका संदेश साफ था कि जीवन में सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि आपने दूसरों को पीछे छोड़ दिया, बल्कि यह है कि आपने स्वयं को लगातार बेहतर बनाया। प्रधानमंत्री ने तेजी से बदलती दुनिया में तकनीक की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले तीन से साढ़े तीन दशकों में युवाओं के फैसले भारत की विकास यात्रा की दिशा तय करेंगे। आज की पीढ़ी के सामने अवसर भी बड़े हैं और चुनौतियां भी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नई तकनीक, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे दौर में केवल नौकरी पाने की मानसिकता से आगे बढ़कर नए समाधान तैयार करने और समस्याओं को अवसर में बदलने की सोच विकसित करनी होगी। मोदी ने युवाओं को एक महत्वपूर्ण मंत्र दिया कि केवल सवाल पूछकर रुकना नहीं है, बल्कि उनके समाधान भी खोजने हैं। उन्होंने कहा कि समाज में कई ऐसी बातें होती हैं जिन्हें लोग लंबे समय से स्वीकार करते रहते हैं। ऐसे विषयों पर सवाल उठाना जरूरी है, लेकिन सवाल उठाने के बाद समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का साहस भी होना चाहिए। यही सोच एक विद्यार्थी को नौकरी तलाशने वाले व्यक्ति से समस्या का समाधान करने वाला व्यक्ति बनाती है। उन्होंने चुनौतियों से घबराने के बजाय उन्हें छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाधान खोजने की सलाह दी। जीवन में कई बार कोई समस्या इतनी बड़ी दिखाई देती है कि व्यक्ति शुरूआत करने से ही डर जाता है। ऐसे समय में समस्या को छोटे हिस्सों में बांटना और एक-एक कदम आगे बढ़ना ही रास्ता बनाता है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को समझाया कि बड़ी चुनौती के भीतर भी अवसर छिपा होता है। जरूरत केवल उसे पहचानने की है। जो व्यक्ति चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता विकसित कर लेता है, उसके लिए मुश्किल परिस्थितियां भी आगे बढ़ने का माध्यम बन सकती हैं। आईआईटी की शिक्षा और जिंदगी की परीक्षा के बीच तुलना करते हुए प्रधानमंत्री ने युवाओं को यह भी समझाया कि संस्थान में होने वाली परीक्षाओं का सिलेबस निर्धारित होता है, लेकिन जिंदगी की परीक्षा पूरी तरह अलग होती है। वहां बहुत कुछ ऐसा सामने आएगा जिसकी पहले से तैयारी नहीं की जा सकती। जीवन में कई परिस्थितियां ऐसी होंगी जिनका कोई तैयार उत्तर किताब में नहीं मिलेगा। इसलिए डिग्री के साथ सीखते रहने की आदत और नई परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता सबसे महत्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री के भाषण का एक भावनात्मक पक्ष आईआईटी दिल्ली के कैंपस जीवन से जुड़ी उनकी बातें रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके हॉस्टल, मेस, दोस्तों और शिक्षकों की यादों को सहेजकर रखने को कहा। उन्होंने हॉस्टलों के नामों और वहां की गतिविधियों का जिक्र करते हुए विद्यार्थियों के बीच होने वाली प्रतिस्पर्धा, मजाक-मस्ती और दोस्ती को याद किया। सतपुरा मेस के पराठों और कैंपस की चाय जैसी छोटी-छोटी बातों का उल्लेख करके उन्होंने यह संदेश दिया कि कॉलेज जीवन केवल किताबों और परीक्षाओं का नाम नहीं है। इन वर्षों में बने रिश्ते, दोस्तियां, अनुभव और यादें भी जीवन की बड़ी पूंजी होती हैं। मोदी ने विद्यार्थियों को यह भी कहा कि जब वे आगे बढ़ें तो अपने संस्थान, शिक्षकों, प्रोफेसरों और सहयोगी कर्मचारियों को न भूलें। सफलता के बाद पीछे मुड़कर देखना और यह याद रखना जरूरी है कि यात्रा में किन लोगों ने साथ दिया। यह बात उनके संबोधन को केवल करियर सलाह से आगे ले जाती है। इसमें संबंधों और कृतज्ञता का भाव भी दिखाई देता है। एक विद्यार्थी जब आईआईटी से निकलता है तो वह अकेले नहीं निकलता, उसके पीछे परिवार, शिक्षक, मित्र और संस्थान की भूमिका होती है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से अपने करियर के फैसलों को देश के विकास से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी वर्तमान युवा पीढ़ी के कंधों पर होगी। इसलिए करियर चुनते समय केवल यह विचार पर्याप्त नहीं होना चाहिए कि इससे व्यक्तिगत लाभ कितना होगा। यह भी सोचना चाहिए कि देश की कौन-सी जरूरत इससे पूरी हो सकती है और समाज को इससे क्या फायदा मिलेगा। व्यक्तिगत सफलता और राष्ट्रीय प्रगति को एक-दूसरे का विरोधी मानने के बजाय दोनों को साथ लेकर चलने की सोच विकसित करनी होगी। उन्होंने आत्मनिर्भरता और रिसर्च पर भी जोर दिया। भारत को यदि वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता मजबूत करनी है तो शोध, नवाचार और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी जैसे संस्थानों से निकलने वाले युवा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनकी शिक्षा केवल कंपनियों के लिए प्रतिभा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि नई तकनीक, नए उद्योग और नए समाधान तैयार करने की क्षमता भी पैदा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कोविड काल का भी संदर्भ दिया।

स्क्रीन, सिलेबस और समाज : भारतीय युवाओं की सोच किसकी कठपुतली ?

इन सभी कारकों का सम्मिलित प्रभाव युवाओं की सोच, व्यवहार, नैतिकता, राजनीतिक चेतना और सामाजिक दृष्टिकोण को निरंतर नया स्वरूप प्रदान कर रहा है। प्रस्तुत अध्ययन इसी जटिल प्रक्रिया का गहन विश्लेषण करता है। भारतीय समाज में सिनेमा सदैव मनोरंजन का माध्यम मात्र नहीं रहा, बल्कि वह सांस्कृतिक परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण भी रहा है। बीसवीं शताब्दी के मध्य तक भारतीय फिल्मों में त्याग, पारिवारिक एकता, सामाजिक समरसता और नैतिक आदर्शों को प्रमुखता दी जाती थी। समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण के प्रभाव से फिल्मों की विषयवस्तु , प्रस्तुति और उद्देश्य में व्यापक परिवर्तन आया। आज का सिनेमा युवाओं के सामने सफलता, धन, उपभोक्तावाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और त्वरित उपलब्धियों को जीवन का आदर्श बनाकर प्रस्तुत करता है। फिल्मों के पात्र केवल अभिनय नहीं करते, बल्कि वे पहनावे, भाषा, जीवनशैली, प्रेम संबंधों, करियर विकल्पों और सामाजिक व्यवहार के मॉडल बन जाते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से यह सिद्ध हुआ है कि बार-बार देखे जाने वाले दृश्य और कथाएँ अवचेतन मन में स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं।

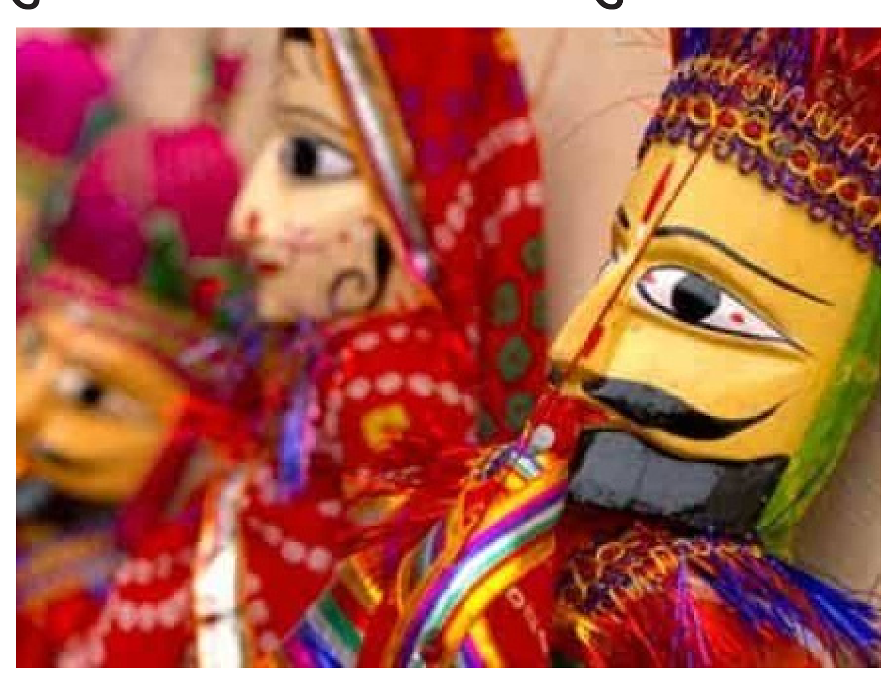

हंसराज सुमन
(प्रोफेसर)

वर्तमान समय को यदि सूचना-प्रौद्योगिकी, संचार क्रांति और वैश्विक संपर्क का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। इक्कीसवीं सदी का भारत एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ आर्थिक उदारीकरण, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक संस्कृति, सोशल मीडिया और शिक्षा व्यवस्था मिलकर समाज की नई संरचना का निर्माण कर रहे हैं। इस परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव यदि किसी वर्ग पर पड़ा है तो वह युवा वर्ग है। युवा केवल देश की जनसंख्या का सबसे बड़ा हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे भविष्य के नीति-निमार्ता, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक, उद्यमी और सामाजिक नेतृत्वकर्ता भी हैं। इसलिए यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि आज भारतीय युवाओं के विचार, मूल्य, आकांक्षाएँ और व्यक्तित्व किन शक्तियों द्वारा निर्मित किए जा रहे हैं। पहले जहाँ परिवार, विद्यालय, गुरु, स्थानीय समाज और सांस्कृतिक परंपराएँ युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण के प्रमुख साधन थे, वहीं आज सिनेमा, ओटीटी प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, एल्गोरिद्म, इन्फ्लुएंसर संस्कृति, डिजिटल मनोरंजन, शिक्षा प्रणाली तथा वैश्विक बाजार की शक्तियाँ इस प्रक्रिया में अत्यधिक प्रभावशाली हो गई हैं। इन सभी कारकों का सम्मिलित प्रभाव युवाओं की सोच, व्यवहार, नैतिकता, राजनीतिक चेतना और सामाजिक दृष्टिकोण को निरंतर नया स्वरूप प्रदान कर रहा है। प्रस्तुत अध्ययन इसी जटिल प्रक्रिया का गहन विश्लेषण करता है। भारतीय समाज में सिनेमा सदैव मनोरंजन का माध्यम मात्र नहीं रहा, बल्कि वह सांस्कृतिक परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण भी रहा है। बीसवीं शताब्दी के मध्य तक भारतीय फिल्मों में त्याग, पारिवारिक एकता, सामाजिक समरसता और नैतिक आदर्शों को प्रमुखता दी जाती थी। समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण के प्रभाव से फिल्मों की विषयवस्तु , प्रस्तुति और उद्देश्य में व्यापक परिवर्तन आया। आज का सिनेमा युवाओं के सामने सफलता, धन, उपभोक्तावाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और त्वरित उपलब्धियों को जीवन का आदर्श बनाकर प्रस्तुत करता है। फिल्मों के पात्र केवल अभिनय नहीं करते, बल्कि वे पहनावे, भाषा, जीवनशैली, प्रेम संबंधों, करियर विकल्पों और सामाजिक व्यवहार के मॉडल बन जाते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से यह सिद्ध हुआ है कि बार-बार देखे जाने वाले दृश्य और कथाएँ अवचेतन मन में स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं। परिणामस्वरूप युवा अपनी वास्तविक परिस्थितियों की तुलना फिल्मी आदर्शों से करने लगते हैं, जिससे कई बार असंतोष, अवास्तविक अपेक्षाएँ तथा मानसिक तनाव उत्पन्न होता है। दूसरी ओर प्रेरणादायक जीवनी-आधारित तथा राष्ट्रनिर्माण से संबंधित फिल्में युवाओं में देशभक्ति, साहस, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित करती हैं। इसलिए सिनेमा का प्रभाव एकांगी नहीं, बल्कि बहुआयामी है। ओटीटी प्लेटफॉर्मों ने मनोरंजन की दुनिया में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, डिज्नी, जियोहॉटस्टार और अन्य मंचों ने पारंपरिक सेंसर व्यवस्था की सीमाओं को चुनौती देते हुए विविध विषयों पर आधारित सामग्री उपलब्ध कराई है। इन प्लेटफॉर्मों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, यथार्थवादी कथानक और सामाजिक विमर्श को नई दिशा प्रदान की है। अनेक वेब सीरीज जाति, लैंगिक समानता, मानसिक स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, अपराध, राजनीति तथा सामाजिक असमानताओं जैसे विषयों को गंभीरता से प्रस्तुत करती हैं। इससे युवाओं की सामाजिक जागरूकता का विस्तार हुआ है। किंतु दूसरी ओर अत्यधिक हिंसा, अश्लीलता, नशे, अपराध और नैतिक अस्पष्टता को सामान्य जीवन का हिस्सा बनाकर प्रस्तुत करने वाली सामग्री भी तेजी से बढ़ी है। किशोरावस्था में व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया अत्यंत संवेदनशील होती है; ऐसे में यदि मनोरंजन का प्रमुख स्त्रोत हिंसक और उत्तेजक सामग्री बन जाए तो उसका प्रभाव व्यवहार और दृष्टिकोण पर पड़ना स्वाभाविक है। इसलिए ओटीटी प्लेटफॉर्म अवसर और चुनौती दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दक्षिण भारतीय सिनेमा के राष्ट्रीय और वैश्विक विस्तार ने भारतीय सांस्कृतिक परिदृश्य को नई दिशा दी है। ह्य बाहुबली ह्ल, ह्यआरआरआर ह्ल, ह्य पुष्पा ह्ल और ह्य कांतारा ह्ल जैसी फिल्मों ने न केवल क्षेत्रीय भाषाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विविधता को भी नई प्रतिष्ठा प्रदान की। इन फिल्मों ने युवाओं में स्थानीय इतिहास, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति नई रुचि उत्पन्न की। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि भारतीय युवा अब केवल हिंदी सिनेमा तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे विविध भाषाई और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को समान उत्साह से स्वीकार कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति भारत की सांस्कृतिक एकता और विविधता दोनों को मजबूत करती है। दूसरी ओर अत्यधिक नायक-पूजा, अतिरंजित हिंसा तथा अवास्तविक शक्ति-प्रदर्शन भी कई बार युवाओं में यथार्थ से दूर कल्पनाशील मानसिकता को जन्म देता है। अतः इस प्रभाव का संतुलित मूल्यांकन आवश्यक है। डिजिटल मीडिया आज युवाओं के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों ने सूचना तक पहुँच को अत्यंत सरल बना दिया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब और स्नैपचैट जैसे मंचों ने अभिव्यक्ति के नए अवसर प्रदान किए हैं। युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं, ज्ञान अर्जित कर सकते हैं, वैश्विक समुदायों से जुड़ सकते हैं तथा उद्यमिता के नए अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सोशल मीडिया – तकनीक सुविधा और चुनौती

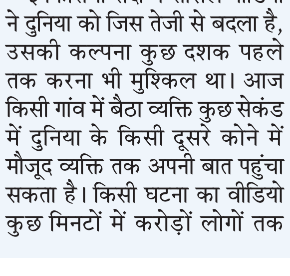

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

इक्कीसवीं सदी में सोशल मीडिया ने दुनिया को जिस तेजी से बदला है, उसकी कल्पना कुछ दशक पहले तक करना भी मुश्किल था। आज किसी गांव में बैठा व्यक्ति कुछ सेकंड में दुनिया के किसी दूसरे कोने में मौजूद व्यक्ति तक अपनी बात पहुंचा सकता है। किसी घटना का वीडियो कुछ मिनटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकता है। सरकारें नागरिकों से सीधे संवाद कर सकती है, कारोबारी अपने उत्पादों का प्रचार कर सकते हैं, कलाकारों को अपना मंच मिल सकता है और आम नागरिक भी अपनी आवाज लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही ताकत अब एक गंभीर चुनौती का रूप भी ले रही है। सोशल मीडिया जितना लोकतांत्रिक संवाद का माध्यम बना है, उतना ही यह गलत सूचना, अफवाह, फर्जी सामग्री, छेड़छाड़ किए गए वीडियो और अब डीपफेक जैसी तकनीकों के कारण चिंता का विषय भी बन गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तस्वीर, आवाज और वीडियो को इस स्तर तक बदलना संभव बना दिया है कि वास्तविक और नकली के बीच अंतर करना आम व्यक्ति के लिए बेहद कठिन हो गया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में यह चुनौती और गंभीर हो जाती है। यहां करोड़ों लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। राजनीतिक बहस से लेकर मनोरंजन, शिक्षा, व्यापार, सामाजिक अभियान और व्यक्तिगत संवाद तक, डिजिटल प्लेटफॉर्म रोजमर्रा की जिन्दगी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसी बदलते डिजिटल परिदृश्य में केंद्र सरकार ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा से डीपफेक सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। सरकार और कंपनी के बीच हुई बैठकों के नतीजों की समीक्षा के बाद आगे के कदमों के लिए कानूनी राय लेने की बात भी सामने आई है। यह घटनाक्रम केवल किसी एक कंपनी या किसी एक तकनीक का मामला नहीं है। यह उस बड़े सवाल की ओर इशारा करता है कि डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकों की सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए? सोशल मीडिया को केवल समस्या के रूप में देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। इसके असंख्य सकारात्मक पक्ष हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने संचार की दुनिया को बदल दिया है। परिवार के सदस्य दूर रहने के बावजूद जुड़े रह सकते हैं। विद्यार्थी ऑनलाइन ज्ञान हासिल कर सकते हैं। छोटे व्यापारी बिना बड़े विज्ञापन बजट के अपने उत्पाद ग्राहकों तक पहुंचा सकते हैं। सामाजिक संगठनों को अभियान चलाने का मंच मिलता है। किसी प्राकृतिक आपदा के समय सोशल मीडिया राहत और बचाव कार्य में भी उपयोगी साबित हो सकता है। रक्त की जरूरत, लापता व्यक्ति, आपात सहायता या स्थानीय प्रशासन की सूचना कुछ ही समय में बड़े समूह तक पहुंचाई जा सकती है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब इसी तंत्र का इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने, लोगों को भ्रमित करने, किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा खराब करने, सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने या राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गति है और यही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी बन सकती है। एक गलत वीडियो को सत्यापित होने में कई घंटे लग सकते हैं, लेकिन उसे वायरल होने में कुछ सेकंड ही लगते हैं। यही अंतर डीपफेक के खतरे को और बड़ा बना देता है। डीपफेक ऐसी डिजिटल सामग्री को कहा जाता है जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों की सहायता से किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज, हावभाव या पूरे वीडियो को इस तरह बदला जाता है कि वह देखने और सुनने में वास्तविक प्रतीत हो। कल्पना कीजिए कि किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का चेहरा किसी दूसरे व्यक्ति के वीडियो पर लगा दिया जाए और उसकी आवाज भी उसी व्यक्ति जैसी बना दी जाए। देखने वाले को लगेगा कि वास्तव में वही व्यक्ति वह बात कह रहा है। यहीं से खतरा शुरू होता है। डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल मनोरंजन, फिल्म निर्माण, डबिंग, शिक्षा या रचनात्मक प्रयोगों के लिए सकारात्मक रूप से भी किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ जा रहे बुजुर्ग की पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर मौत

फरुर्खाबाद। उत्तरप्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद में कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में गोमती नगर एक्सप्रेस ट्रेन से परिवार के साथ लखनऊ ऐशबाग जा रहे 73 वर्षीय बुजुर्ग की सोमवार को ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, लखीमपुर खीरी जनपद के थाना कोतवाली क्षेत्र निवासी रामदास गुप्ता (73) पुत्र बिहारी लाल गुप्ता अपने परिवार के साथ जयपुर से लखनऊ ऐशबाग जाने के लिए गोमती नगर एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर आ रहे थे। गाड़ी के कायमगंज रेलवे स्टेशन पहुंचने पर परिवार के लोग ट्रेन में सो रहे थे। इसी दौरान बुजुर्ग रामदास ट्रेन से नीचे उतर गए। बताया जा रहा है कि ट्रेन के चलते ही बुजुर्ग रामदास उसे पकड़ने के प्रयास में ट्रेन के पीछे-पीछे दौड़ने लगे। इसी दौरान पितौरा रेलवे क्रॉसिंग के पास वह ट्रेन की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। फरुर्खाबाद-कासगंज पैसेंजर ट्रेन से पितौरा रेलवे क्रॉसिंग के पास व्यक्ति के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना रेलवे अधिकारियों को मिली।

प्राकृतिक खेती से घटेगी लागत बढ़ेगी किसानों की आमदनी

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में किसानों की खेती की लागत कम कर आय बढ़ाने के उद्देश्य से अपेक्षा महिला एवं बाल विकास समिति की ओर से आयोजित दो दिवसीय जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 15 गांवों के 40 ग्रामीण एवं महिला किसानों ने प्रतिभाग किया। विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, मचान विधि और कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्धन की व्यवहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षण के दूसरे दिन सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की परियोजना समन्वयक शिप्रा मिश्रा ने किसानों के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ किया। समिति की सचिव रीना पाण्डेय ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि खेती में केवल एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय फसल विविधीकरण को अपनाना चाहिए। अलग-अलग फसलों की खेती से जोखिम कम होगा और किसानों की आमदनी बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ कम लागत वाली टिकाऊ खेती को समय की जरूरत बताया। प्रशिक्षक आलोक कुमार ने किसानों को मचान विधि, फसल विविधीकरण और कम लागत वाली खेती के तौर-तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने कम क्षेत्र में अधिक उत्पादन लेने, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण कर उनका मूल्य बढ़ाने के तरीके समझाए।

मीरजापुर : मायके से डोली में सवार होकर आएंगी मां भंडारी

मीरजापुर। सावन के दूसरे मंगलवार को अहरौरा में आस्था और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। क्षेत्र की अधिष्ठात्री मां भंडारी देवी अपने मायके सीयूर स्थित राजा कर्णपाल सिंह की पहाड़ी से डोली में सवार होकर अहरौरा डीह स्थित अपने मंदिर पहुंचेंगी। मां को मायके से विदा कराने की तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। मां भंडारी देवी विकास समिति से जुड़े शिशिर पांडेय ने बताया कि प्राचीन परंपरा के अनुसार हर तीसरे वर्ष मां भंडारी को उनके मायके स्थित मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद डोली में विराजमान कराया जाता है। मंगलवार को अहरौरा डीह के सैकड़ों श्रद्धालु, मंदिर विकास समिति के पदाधिकारी, बाजे-गाजे, दर्शनिया और कहारों के साथ बाढ़ू बाबा मंदिर से सीयूर स्थित पहाड़ी के लिए रवाना होंगे। वहां विधि-विधान से पूजा के बाद दर्शनिया मां की अर्चना करेंगे। इसके बाद कहार डोली को कंधे पर उठाकर मां के जयकारों के बीच परंपरागत मार्ग से अहरौरा डीह की पहाड़ी पर स्थित मंदिर के लिए रवाना होंगे। मां की डोली जहां-जहां से गुजरेगी, वहां ग्रामीण श्रद्धा से पूजा-अर्चना करेंगे।

कोटार शिवधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

मीरजापुर। सावन के दूसरे सोमवार को हलिया क्षेत्र का प्रसिद्ध कोटार शिवधाम आस्था के रंग में डूबा रहा। अदवा नदी के बीच टीले पर विराजमान भगवान शिव और माता पार्वती के दर्शन-पूजन के लिए भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। दिनभर में करीब एक लाख से अधिक भक्तों द्वारा जलाभिषेक करने का दावा किया जा रहा है। श्रद्धालुओं ने पहले अदवा नदी में स्नान किया और इसके बाद भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित की। माता पार्वती को माला-फूल चढ़ाकर सुख-समृद्धि की कामना की। ड्रमंडगंज सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांवड़िये डीजे और बाजे-गाजे के साथ धाम पहुंचे।

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा का पुष्पवर्षा से किया गया स्वागत , गूंजा राष्ट्र प्रथम का उद्घोष

- असंख्य हाथों में लहराया तिरंगा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से बही देशभक्ति की बयार
- भव्य व नयनाभिराम दृश्य की साक्षी बनी चारों ओर तिरंगे से रंगी-सजी गुरु गोरखनाथ की नगरी

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। अनगिनत गुब्बारों, झंडों के बीच तिरंगे में रंगा-सजा ढाई किलोमीटर का रास्ता। असंख्य हाथों में लहराता राष्ट्रध्वज तिरंगा, वंदे मातरम और भारत माता की जय के बारंबार तरंगित होते उच्च स्वर। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच पुष्पवर्षा की निर्बाधित श्रृंखला। राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में सोमवार को निकाली गई तिरंगा यात्रा के जरिये गोरखपुर महानगर भव्य और नयनाभिराम दृश्य का साक्षी बना। नगर निगम परिसर से रेलवे स्टेशन चौक तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में देशभक्ति की बयार बही तो राष्ट्र प्रथम का उद्घोष गुंजायमान होता रहा। हाथ में तिरंगा लेकर करीब ढाई किलोमीटर तक पदयात्रा करने वाले मुख्यमंत्री योगी पर पुष्पवर्षा करने के लिए गुरु गोरखनाथ की नगरी का हर नागरिक उत्साहित दिखाई दिया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करने के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर निगम परिसर के पार्क में स्थापित वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन कर प्रथम स्वातंत्र्य समर में उनके योगदान को याद किया। तत्पश्चात मंच पर पहुंचकर उन्होंने भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपना संबोधन दिया । इसके बाद वह टाउन हाल पहुंचे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिरंगा यात्रा की अगुवाई करते आगे बढ़े। तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और अन्य जनप्रतिनिधि साथ-साथ कदम बढ़ा रहे थे। और, इनके समानांतर चल रहे थे उत्साह से सराबोर स्कूली बच्चे। सबके हाथ में लहरा रहा था राष्ट्रध्वज और राष्ट्रभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज रहा था। मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई वाली तिरंगा यात्रा में जैसे जैसे यात्रा आगे बढ़ती रही, पूरा मार्ग राष्ट्रीय ध्वज के रंगों से प्रतिबिंबित होता रहा। तिरंगा यात्रा में वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे देशभक्ति के ज्वार का माहौल बना रहे थे।

देवरिया में दिव्यांगजनों ने 13 सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

देवरिया। गौतम बुद्ध पूर्वांचल विकलांग सेवा समिति के सदस्यों ने सोमवार दोपहर कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। समिति के अध्यक्ष अजय कुमार शाही के नेतृत्व में दिव्यांगजनों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और 13 सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की गई। समिति की प्रमुख मांगों में दिव्यांग पेंशन में वृद्धि और ह्यएक देश, एक पेंशनह्व व्यवस्था लागू करना शामिल रहा। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि पेंशन बढ़ाने का वादा लंबे समय से लंबित है, लेकिन अब तक अपेक्षित वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने दिव्यांगजनों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, अंत्योदय राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने की भी मांग की। इसके अलावा जरूरतमंद दिव्यांगजनों के लिए ऋण की व्यवस्था करने, रुकी हुई पेंशन का भुगतान खातों में कराने तथा आवासीय भूमि का पट्टा उपलब्ध कराने की मांग की गई। समिति ने पुलिस प्रशासन से दिव्यांगजनों के उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करने की भी मांग उठाई। मांगपत्र में सरकारी नौकरियों में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित रिक्त पदों को भरने और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 को प्रभावी ढंग से लागू कराने की मांग भी शामिल रही। समिति ने मेडिकल कॉलेज में दिव्यांगजनों का निःशुल्क उपचार, बिजली बिल में राहत तथा रजिस्ट्री समेत अन्य सरकारी योजनाओं में नियमानुसार सुविधाएं दिलाने की मांग की। समिति पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की अपील की। प्रदर्शन में सत्येंद्र कुमार, वंसराज, पूनम, मधु, मानिक चंद, इम्तियाज, मंशा देवी, आदिल शाह, रामकढ़ाई, सानू, संदीप चौहान, श्यामसुंदर सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन मौजूद रहे।

प्रदेश में संपत्ति कर के बकायेदारों के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगरीय निकायों में लंबित संपत्ति कर (गृहकर, जलकर एवं सीवरकर) की प्रभावी वसूली, करदाताओं को व्यावहारिक राहत प्रदान करने, न्यायालयीय विवादों में कमी लाने तथा नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में एकमुश्त समाधान योजना लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के अंतर्गत प्रदेश के 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों में लंबित संपत्ति कर के बकायेदारों को लाभ मिलेगा। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने सोमवार को कहा कि प्रदेश सरकार नगरीय निकायों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों को बेहतर नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। एकमुश्त समाधान योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे लंबे समय से लंबित कर बकाये का समाधान होगा और करदाताओं को भी एकमुश्त आर्थिक बोझ से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि एकमुश्त समाधान योजना की अवधि चार माह निर्धारित की गई है और इसका क्रियान्वयन 15 अगस्त 2026 से 15 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। नगरीय निकायों द्वारा 15 अगस्त से 14 सितंबर 2026 के मध्य सभी संबंधित करदाताओं एवं हितधारकों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक पात्र करदाता योजना का लाभ उठा सकें। करदाताओं को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने एकमुश्त समाधान योजना के अंतर्गत बकाया संपत्ति कर के भुगतान के लिए अधिकतम तीन किस्तों की सुविधा भी प्रदान की है। करदाता को योजना लागू होने की तिथि से 30 दिन के भीतर कुल बकाये की एक-तिहाई धनराशि जमा करनी होगी तथा शेष दो-तिहाई धनराशि अगले दो माह में दो मासिक किस्तों के माध्यम से जमा की जा सकेगी।

देवरिया डीएम ने प्राथमिक विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने विकासखंड तरकुलवा के प्राथमिक विद्यालय खुटहां पटखौली एवं तरकुलवा का सोमवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों की व्यवस्थाओं के साथ शिक्षण कार्य की गुणवत्ता का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी बच्चों के बीच शिक्षक की भूमिका में नजर आए और स्वयं श्यामपट्ट पर पाठ पढ़ाकर बच्चों से सवाल किए। जिलाधिकारी ने चॉक लेकर श्यामपट्ट पर विभिन्न विषयों से संबंधित पाठ समझाया। इसके बाद बच्चों से सवाल पूछकर उनके सीखने और समझने के स्तर का आकलन किया। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं और शिक्षण व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने जिलाधिकारी के सवालों के संतोषजनक जवाब दिए। निरीक्षण के दौरान निपुण एवं संदर्शिका का अंकन उपलब्ध नहीं मिला। साथ ही शिक्षण कार्य भी अपेक्षित स्तर पर संचालित होता नहीं पाया गया। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित शिक्षकों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निपुण एवं संदर्शिका में निर्धारित बिंदुओं के अनुसार नियमित रूप से शिक्षण कार्य कराया जाए और उपलब्ध शिक्षण सामग्री का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने शिक्षकों को समय से विद्यालय पहुंचने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदारी व गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और बच्चों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

कृष्ण भक्त कर पाएंगे मथुरा, वृंदावन और बरसाना की धार्मिक यात्रा

लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं को ब्रज धाम की आध्यात्मिक यात्रा का विशेष उपहार दिया है। ह्यविजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेशह्व अभियान के तहत उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने तीन दिन और दो रात का ह्यकृष्ण लीलाह्व टूर पैकेज शुरू किया है। यह विशेष पैकेज श्रद्धालुओं को मथुरा, वृंदावन, गोकुल और बरसाना जैसे भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के दर्शन एक ही यात्रा में कराएगा। यात्रा का शुभारंभ लखनऊ से सुबह 08:00 बजे होगा। यह पैकेज आध्यात्मिक पर्यटन को नई उड़ान देने के साथ कृष्ण-ब्रज सर्किट को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ह्यकृष्ण लीलाह्व टूर पैकेज ह्यविजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेशह्व अभियान की उस व्यापक सोच का साकार स्वरूप है, जिसके माध्यम से प्रदेश की धार्मिक पर्यटन विरासत को देश-विदेश के अधिकाधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों तक पहुंचाया जा रहा है।

औरैया: योग से निरोग रहने का दिया संदेश, छात्रों ने किया सामूहिक अभ्यास

-योग से निरोग रहने का दिया संदेश, छात्रों ने किया सामूहिक अभ्यास

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। राष्ट्रीय आयुष मिशन उत्तर प्रदेश सरकार के तहत संचालित योग वैलनेस सेंटर, राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय जनपद औरैया की ओर से सोमवार को कामदगिरि शिक्षा निकेतन विद्यालय, मोहल्ला सत्तेश्वर में सोमवार को योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिलाधिकारी बृजेश कुमार के निर्देशन तथा जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. निधि शुक्ला और डॉ. परवीन के मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान छात्र-छात्राओं को योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रातःकालीन प्रथम सत्र में योग प्रशिक्षक योगेंद्र कुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। उन्होंने विशेष रूप से उत्कटासन के लाभ और उसकी सही विधि की जानकारी दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ और सक्रिय रहता है। साथ ही मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में भी योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे योग को केवल कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग, संतुलित आहार और अनुशासित दिनचर्या अपनाने पर जोर दिया। विद्यालय में आयोजित योग कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं में भी उत्साह देखने को मिला। योग वैलनेस सेंटर की ओर से विद्यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

वाराणसी : प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से अधिवक्ताओं में रोष , कार्रवाई की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल और दुष्प्रचार किए जाने के आरोपों को लेकर अधिवक्ताओं और आम लोगों में नाराजगी सामने आई है। मामले में संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने तथा आरोपों की जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकताओं का आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से जेन-जी और राम मंदिर से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों से जुड़े कुछ लोगों तथा कथित तौर पर कुछ अधिवक्ताओं की ओर से डीएम पोर्टिको से लेकर जिला मुख्यालय तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। आरोप यह भी है कि कुछ लोगों द्वारा देश के खिलाफ भी भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। शिकायतकताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री होने के साथ ही वाराणसी के सांसद भी हैं। ऐसे में सार्वजनिक स्थलों पर उनके खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों और भ्रामक प्रचार से लोगों की भावनाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक संगठन को अपनी बात रखने, सरकार की नीतियों की आलोचना करने तथा शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराने का अधिकार है। हालांकि, विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र या अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल और देश के विरुद्ध भ्रामक प्रचार किए जाने की शिकायतों को भी कानून के दायरे में जांचा जाना चाहिए। शिकायतकताओं ने प्रशासन से मांग की है कि डीएम पोर्टिको से जिला मुख्यालय तक सार्वजनिक स्थलों पर होने वाली ऐसी गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाए। साथ ही, यदि जांच में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ प्रचलित कानून के तहत प्रभावी कार्रवाई की जाए।

बच्चों ने भरे देशभक्ति के रंग, हर घर तिरंगा अभियान में हुई चित्रकला प्रतियोगिता

प्रात : किरण संवाददाता

फरुर्खाबाद। बेसिक शिक्षा विभाग फरुर्खाबाद द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सोमवार को रहमानी गर्ल्स इंटर कॉलेज, फरुर्खाबाद एवं मंडी परिसर अर्रा पहाड़पुर में बाढ़ प्रभावित बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बाढ़ की विषम परिस्थितियों एवं विभिन्न चुनौतियों के बावजूद बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से तिरंगे, राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति से जुड़े मनमोहक चित्रों का निर्माण किया। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रीय भावना, रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी नगर आई०पी० सिंह एवं नायब तहसीलदार सदर की उपस्थिति रही। अधिकारियों द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रतिभा की सराहना की गई।

कीचड़ भरे रास्ते से होकर मां के दरबार पहुंचे हजारों भक्त

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में सावन के दूसरे सोमवार को गड़बड़ा शीतला धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। मौसम साफ होने के साथ ही भोर से ही हजारों श्रद्धालु मां के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचने लगे। मंगल आरती के बाद भक्तों ने सेवटी नदी में स्नान किया और हाथों में नारियल, चुनरी, फूल-माला, हलवा-पूरी व प्रसाद लेकर दर्शन के लिए कतार में लग गए। बारिश ने श्रद्धालुओं की राह जरूर मुश्किल कर दी। दो दिन पहले हुई बरसात के चलते धाम तक पहुंचने वाले मार्ग पर जगह-जगह कीचड़ हो गया था। इससे पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं के साथ वाहनों को पार्क करने में भी परेशानी हुई। इसके बावजूद आस्था भारी पड़ी और भक्त कीचड़ भरे रास्ते से होकर मां के दरबार तक पहुंचे। मंदिर परिसर में लंबी कतार लगी रही। श्रद्धालुओं ने कड़ी मशक्कत के बाद मां के चरणों में शीश नवाया और सुख-समृद्धि व मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। मंदिर प्रबंधक ज्ञानचंद शुक्ल और पुजारी मंगलधारी मिश्र ने बताया कि सुबह से करीब 25 हजार श्रद्धालु मां के दरबार में हाजिरी लगा चुके थे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ उपनिरीक्षक श्यामलाल पुलिसकर्मियों के साथ मौजूद रहे।

जुल्म-ज्यादती के खिलाफ फूलन देवी ने बुलंद की थी आवाज : सर्वेश बाबू गौतम

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में समाजवादी पार्टी कार्यालय ककोर में सोमवार को वीरांगना फूलन देवी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने की, जबकि संचालन जिला प्रवक्ता अनवर यादव ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने वीरांगना फूलन देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्ष, साहस एवं सामाजिक विषमता के खिलाफ उठाई गई आवाज को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रुक्मिणी निषाद ने कहा कि वीरांगना फूलन देवी ने जुल्म और ज्यादतियों के खिलाफ नारी शक्ति का साहस और संघर्ष दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी फूलन देवी ने महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि तत्कालीन समाजवादी पार्टी के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने फूलन देवी को लोकसभा पहुंचाकर संसद में अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर प्रदान किया। पार्टी के जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने कहा क जुल्म-ज्यादती के खिलाफ फूलन देवी ने बुलंद की थी। इस अवसर पर दिबियापुर विधायक प्रदीप यादव, पूर्व मंत्री विनोद यादव कक्का, एसआईआर प्रभारी समरथ पाल, पूर्व विधायक प्रमोद गुप्ता, पूर्व विधायक मदन गौतम, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्याम बाबू यादव, महिला सभा जिलाध्यक्ष रश्मि यादव, महेंद्र त्रिपाठी, पूर्व ब्लाक प्रमुख अछल्दा राकेश यादव, क्षत्रपाल सिंह वर्मा, डॉ. राजपाल कश्यप, एससी-एसटी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुभाष कठेरिया, बिधूना विधानसभा अध्यक्ष रानू पालीवाल, दिबियापुर विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र राजपूत, औरैया विधानसभा अध्यक्ष राज कुमार गौतम, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल पाल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे डीएम, दर्शन से सुरक्षा तक की व्यवस्थाएं परखीं

-सावन के दूसरे सोमवार पर शिवभक्तों से लिया फीडबैक, कंट्रोल रूम में उउळश कैमरों से देखी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। सावन के दूसरे सोमवार पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में उमड़े शिवभक्तों के बीच जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार पहुंचे और दर्शन-पूजन से लेकर सुरक्षा तक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने श्रद्धालुओं और कांवड़ियों से सीधे बातचीत कर पूछा कि उन्हें दर्शन के दौरान किसी तरह की परेशानी तो नहीं हो रही है। इसके बाद कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसीटीवी कैमरों के जरिए मंदिर परिसर और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था भी परखी। श्रद्धालुओं से पूछा- कैसी है दर्शन की व्यवस्था निरीक्षण के दौरान डीएम ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं से बातचीत की। उन्होंने श्रद्धालुओं से पेयजल, साफ-सफाई, आवागमन और दर्शन व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। इस दौरान मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन की स्थिति भी देखी। विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे डीएम, दर्शन से सुरक्षा तक की व्यवस्थाएं परखीं सावन के दूसरे सोमवार पर शिवभक्तों से लिया फीडबैक, कंट्रोल रूम में उउळश कैमरों से देखी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था वाराणसी, 10 अगस्त (वेब वार्ता)। सावन के दूसरे सोमवार पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में उमड़े शिवभक्तों के बीच जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार पहुंचे और दर्शन-पूजन से लेकर सुरक्षा तक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने श्रद्धालुओं और कांवड़ियों से सीधे बातचीत कर पूछा कि उन्हें दर्शन के दौरान किसी तरह की परेशानी तो नहीं हो रही है। इसके बाद कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसीटीवी कैमरों के जरिए मंदिर परिसर और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था भी परखी। श्रद्धालुओं से पूछा- कैसी है दर्शन की व्यवस्था निरीक्षण के दौरान डीएम ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं से बातचीत की। उन्होंने श्रद्धालुओं से पेयजल, साफ-सफाई, आवागमन और दर्शन व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। इस दौरान मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन की स्थिति भी देखी। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सावन में बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यवस्थाएं लगातार प्रभावी रखी जाएं।

सीएम की अगुवाई में उमड़ा जन-समुद्र, गूंजा राष्ट्र प्रथम का उद्घोष

-मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा का पूरे रास्ते पुष्पवर्षा से किया गया भव्य स्वागत

-असंख्य हाथों में लहराता रहा तिरंगा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से बही देशभक्ति की बयार

-भव्य व नयनाभिराम दृश्य की साक्षी बनी चारों ओर तिरंगे से रंगी-सजी गुरु गोरखनाथ की नगरी

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। अनगिनत गुब्बारों, झंडों के बीच तिरंगे में रंगा-सजा ढाई किलोमीटर का रास्ता। असंख्य हाथों में लहराता राष्ट्रध्वज तिरंगा, वंदे मातरम और भारत माता की जय के बारंबार तरंगित होते उच्च स्वर। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच पुष्पवर्षा की निर्बाधित श्रृंखला। राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में सोमवार को निकाली गई तिरंगा यात्रा के जरिये गोरखपुर महानगर भव्य और नयनाभिराम दृश्य का साक्षी बना। नगर निगम परिसर से रेलवे स्टेशन चौक तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में देशभक्ति की बयार बही तो राष्ट्र प्रथम का उद्घोष गुंजायमान होता रहा। हाथ में तिरंगा लेकर करीब ढाई किलोमीटर तक पदयात्रा करने वाले सीएम योगी पर पुष्पवर्षा करने के लिए गुरु गोरखनाथ की नगरी का हर नागरिक उत्साहित दिखाई दिया। गो संरक्षण से गांवों में खुलेगा कमाई का नया रास्ता, 10 रुपये लीटर खरीदा जाएगा गोमूत्र बुलंदशहर में एफपीओ के जरिए शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट, 15 गांवों में खोली गईं गोमूत्र डेयरी रोजाना एकत्र हो रहा 500 लीटर गोमूत्र, जड़ी-बूटियों के साथ मिलाकर तैयार की जा रहीं खेती के लिए दवाएं 300 महिलाओं को बनाया गया शेयरहोल्डर, गोमूत्र संग्रह पर प्रति लीटर दो रुपये कमीशन लखनऊ, 10 अगस्त : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप गो संरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण और जैविक खेती से जोड़ने की दिशा में नई पहल शुरू हुई है। बुलंदशहर में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गोमूत्र की खरीद शुरू की गई है। किसानों और पशुपालकों से 10 रुपये प्रति लीटर की दर से गोमूत्र खरीदा जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इस मॉडल को प्रदेश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने की तैयारी है। इससे गोवंश पालने वाले परिवारों को दूध के साथ गोमूत्र से भी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता मिल सकेगा। बुलंदशहर की स्याना तहसील के नरसैना गांव में डॉ. प्रवीण के नेतृत्व में एफपीओ के जरिए शुरू हुए इस प्रयोग से आसपास के 15 गांवों को जोड़ा गया है। इन गांवों में गोमूत्र एकत्र करने के लिए स्थानीय स्तर पर केंद्र बनाए गए हैं।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

पुष्प वर्षा और पटका पहनाते हुए पूर्व नपा अध्यक्ष ने कांवड़ियों का किया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

लोनीः रविवार की देर शाम पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज धामा ने हरिद्वार से पावन जल लेकर अपने-अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे पुण्य के भागी शिव भक्त कावड़ियाओं पर पुष्प वर्षा करते हुए उनका भव्य स्वागत किया। इस शुभ अवसर पर सैकड़ो की तादाद में स्थानीय आस्थावान नागरिक उनके साथ रहे। शिव भक्तों के स्वागत कार्यक्रम के दौरान ह्लहर-हर महादेवह्व व ह्लबोल बम बम-बमह्व के जयकारों की गूंज के साथ ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो सब कुछ शिवमय हो गया हो। इस धार्मिक अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज धामा ने बताया कि पिछले लगभग 10 दिनों से पवित्र कावंड यात्रा में चल रहे शिव भक्त अपने गंतव्य की तरफ लौट रहे है। कल 11 अगस्त को (आज) सभी श्रद्धालु कांवरिया हरिद्वार व गोमुख आदि स्थानों से लाए मां गंगा के पवित्र जल से भोले नाथ के शिवलिंग का जलाभिषेक करेंगे तथा अपने आराध्य देव की पूजा पाठ करेंगे। उन्होंने कहा उनकी पूरी टीम पिछले कई दिनों से भोले के भक्तों की सेवा में कावड़ शिविर का संचालन करती आ रही है। हम आज एक बार फिर इस मंशा के साथ शिविर में पहुंचे हैं ताकि पाइपलाइन कावंड मार्ग से गुजर रहे सभी शिव भक्तों को पटका पहनकर तथा पुष्प वर्षा करते हुए उनका स्वागत किया जा सके। उन्होंने कहा कि शिव भक्त कांवरिया इस समय स्वयं में साक्षात शिव के अवतार के रूप में दिखाई पड़ रहे हैं। चारों तरफ धर्म की स्थापना हो रही है, धार्मिक कीर्तन भजन का आयोजन लगातार किये जा रहे हैं जिससे लोनी और आसपास क्षेत्र का पूरा माहौल शिव भक्ति में धार्मिक हो चुका है। इस मौके पर मनोज धमाने शिविर के दौरान लगातार सेवा करते आ रहे पूर्व नगर पालिका सभासद सतपाल शर्मा, बबलू शर्मा, उदयपाल प्रधान, भाटी जी, ओम शर्मा व टिल्लू आदि को धर्म योद्धा बताते हुए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आप लोगों के सहयोग से पिछले काफी वर्षों से नगर पालिका द्वारा इस कैंप का संचालन होता आ रहा है। जबकि अन्य आस्थावानो द्वारा संचालित कैंपों में भी बहुत अच्छे से भक्तों की व्यवस्थित रूप से सेवा की जा रही है। उन्होंने कहा भोले की कृपा से यह पुनीत कार्य आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा।

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा मार्ग का भ्रमण कर कांवड़ यात्रियों पर की पुष्पवर्षा

बिजनौर। माननीय विधायक नहटौर ओम कुमार, जिलाध्यक्ष भाजपा भूपेंद्र चौहान, जिलाधिकारी जसजीत कौर एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा द्वारा आज पूर्वाहन में जनपद के कांवड़ यात्रा मार्ग नियामतपुर गामड़ी, भागूवाला, मोटा महादेव मंदिर का भ्रमण कर कांवड़ यात्रा मार्ग पर की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं, सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मोटा महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन भी किए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी द्वारा कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। साथ ही कांवड़ यात्रियों को प्रसाद का वितरण भी किया गया। पुष्पवर्षा एवं प्रसाद वितरण के दौरान कांवड़ यात्रियों में उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। सभी के द्वारा कांवड़ यात्रियों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त करते हुए उनकी सकुशल यात्रा की कामना की गई। जिलाधिकारी द्वारा कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत मार्ग पर सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को निरंतर सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित एवं सुगम ढंग से संपन्न कराई जाए। इस अवसर पर पूर्व क्षेत्रीय मंत्री श्रीमती लीना सिंगल, उप जिला अधिकारी नजीबाबाद शैलेंद्र कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ियों की सेहत को लेकर स्वास्थ्य विभाग मुस्तैद

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर कांवड़ियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है। शासन के निर्देशों के क्रम में सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही के निर्देशन में ब्लॉक क्षेत्र में नियमित रूप से विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में कांवड़ियों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को गांव गंगाधरपुर, काली माता मंदिर स्योहारा तथा ब्लॉक प्रमुख स्योहारा उज्ज्वल चौहान के आवास पर लगाए गए कांवड़ शिविरों में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविरों में पहुंचने वाले कांवड़ियों की स्वास्थ्य जांच एवं परीक्षण किया तथा जरूरत के अनुसार उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित कीं।कांवड़ियों को गर्मी, थकान, डिहाइड्रेशन एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से बचाव के लिए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। इसके अलावा सीएचसी स्योहारा में रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी कांवड़िये को स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

अमरोहा मे फूलन देवी की जयंती पर सपाईयों ने किया नमन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर सोमवार को जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव की अध्यक्षता में पूर्व सांसद एवं सामाजिक न्याय की प्रतीक फूलन देवी की जयंती मनाई गई। इस दौरान सपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्षों को याद किया। जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने कहा कि फूलन देवी ने विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों की आवाज को बुलंद किया। उन्होंने कहा कि फूलन देवी समाज के दबे-कुचले और पिछड़े वर्गों के लिए संघर्ष की प्रतीक बनीं। वह समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर संसद पहुंचीं और वंचित वर्गों की आवाज को सदन तक पहुंचाया। समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष सर्वेश सैनी ने कहा कि फूलन देवी का जीवन संघर्ष, चुनौतियों और सामाजिक विषमता के खिलाफ लड़ाई से जुड़ा रहा। उन्होंने कहा कि फूलन देवी की जयंती पर उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को एकजुट कर सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत किया जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिशन-2027 की सफलता के लिए एकजुट होकर मेहनत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर संतराम सिंह यादव, राधेलाल रघुवंशी, रविपाल चिकारा, रजनीश यादव, तुषार रघुवंशी, नितिन कुमार दिवाकर, मोहम्मद अकरम, आबिद अली, चौधरी विपिन कुमार, मोहम्मद राशिद कुरैशी, विवेक यादव, सलमान प्रधान, मुंसब मेवाती, ऋषिपाल सिंह, मोहम्मद शाकिर, अली वारिस, बदरुद्दीन, अलाउद्दीन, गुड्डू सैनी, देवकरण सिंह, अशोक यादव, शोभाराम सिंह यादव, अनुज यादव, सुरेंद्र सिंह, चंद्रपाल सिंह जाटव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आप के प्रांतीय अध्यक्ष मोहम्मद हैदर बने राष्ट्रीय परिषद के सदस्य

राष्ट्रीय जिम्मेदारी मिलने पर अमरोहा में कार्यकताओं में उत्साह, बोले–संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना प्राथमिकता

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अमरोहा निवासी एवं रुहैलखण्ड प्रांत के अध्यक्ष इंजीनियर मोहम्मद हैदर को पार्टी की राष्ट्रीय परिषद (नेशनल काउंसिल) का सदस्य मनोनीत किया है। उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर अमरोहा जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। जिला प्रभारी मोहम्मद आमिर और जिलाध्यक्ष कुशल कुमार चौधरी ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मोहम्मद हैदर को राष्ट्रीय परिषद में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। राष्ट्रीय परिषद का सदस्य बनाए जाने पर मोहम्मद हैदर ने कहा कि यह उनके लिए व्यक्तिगत सम्मान से अधिक बड़ी जिम्मेदारी है। पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, रोजगार, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे जनहित के मुद्दों को राजनीति के केंद्र में लाने का काम कर रही है। उनकी प्राथमिकता कार्यकर्ताओं की आवाज को मजबूत करना, जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना होगी। हैदर ने कहा कि रुहैलखण्ड प्रांत में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। घर-घर जोड़ो जैसे अभियानों के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को लोकतांत्रिक तरीके से उठाया जाएगा।

कयाकिंग में दिव्या ने जीता स्वर्ण और रजत पदक

बिजनौर। ग्राम अथाई निवासी सशस्त्र सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक यशवीर सिंह की पुत्री दिव्या यादव ने भोपाल में आयोजित अस्मिता कयाकिंग एवं कैनोइंग नेशनल लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक जीते। 8 से 10 अगस्त तक भोपाल के छोटा तालाब में आयोजित प्रतियोगिता में दिव्या ने उत्तर प्रदेश की ओर से प्रतिभाग करते हुए सब जूनियर वर्ग की सी-1 1000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं जूनियर वर्ग की सी-1 500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता। प्रतियोगिता का उद्घाटन मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया, जबकि पुरस्कार वितरण खेल एवं युवा कल्याण विभाग की निदेशक तनुजा सलाम ने किया। इससे पहले जून में आयोजित राष्ट्रीय कयाकिंग प्रतियोगिता में भी दिव्या ने एक स्वर्ण और चार रजत पदक जीते थे। दिव्या भोपाल में साई द्वारा संचालित प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक संजीव लोहकर से कयाकिंग का प्रशिक्षण ले रही हैं। दिव्या की सफलता से परिवार और ग्राम अथाई में खुशी का माहौल है। विवेकानन्द दिव्य भारती उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष योगेन्द्र पाल सिंह योगी ने दिव्या को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिव्या भविष्य में सीनियर और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन कर जनपद और देश का नाम रोशन करेंगी।

84 किलो 165 ग्राम गांजा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

नजीबाबाद। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (अठळळ) मेरठ और थाना नजीबाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 84 किलो 165 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार अपराध की रोकथाम और अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं परिवहन करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिनेश यादव पुत्र स्वर्गीय सुभाष यादव, निवासी वार्ड नंबर 11, सौंग नदी के किनारे मोहल्ला बनियावाला, ग्राम कन्हरवाला, थाना डोईवाला, जिला देहरादून, उत्तराखंड तथा जितेंद्र पुत्र स्वर्गीय राम पुकार दास, निवासी मकान नंबर 84, जजौली, थाना मधुबन, जनपद मऊ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ थाना नजीबाबाद में मु0अ0स0 395/26, धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एक आरोपी का आपराधिक इतिहास भी पुलिस के मुताबिक आरोपी जितेंद्र के खिलाफ नजीबाबाद के वर्तमान मामले के अलावा मऊ और मधुबन थानों में भी मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2025 में विद्युत अधिनियम से संबंधित मामला तथा वर्ष 2013 में धारा 354 और धारा 110 जी सीआरपीसी के तहत दर्ज मामले शामिल हैं। संयुक्त टीम ने की कार्रवाई कार्रवाई करने वाली टीम में थाना नजीबाबाद के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार, उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह (अठळळ मेरठ), उपनिरीक्षक पुष्पेंद्र राठी सहित अठळळ मेरठ के हेड कांस्टेबल नसीम अहमद, तरुण तिवारी, मृणाल शर्मा और चालक नवीन कुमार शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अब बरामद गांजे की खेप के स्रोत और उसके संभावित नेटवर्क को लेकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। प्रेस नोट में गांजे की कीमत अथवा उसके गंतव्य की जानकारी नहीं दी गई है।

विकास कार्यों में अमरोहा ने लगाई 26 पायदान की छलांग

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की जुलाई 2026 की रैंकिंग में अमरोहा जिले ने विकास कार्यों के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक माह में 26 पायदान की छलांग लगाई है। जून में विकास कार्यों की रैंकिंग में 67वें स्थान पर रहा अमरोहा जुलाई की रिपोर्ट में 41वें स्थान पर पहुंच गया। जिला प्रशासन के अनुसार यह उपलब्धि विभिन्न विभागों की सक्रियता, योजनाओं की लगातार मॉनिटरिंग और समयबद्ध क्रियान्वयन का परिणाम है। विकास एवं राजस्व कार्यों की सम्मिलित यानी समग्र रैंकिंग में भी जिले ने उल्लेखनीय सुधार किया है। जून में 8.81 रैंक मार्क्स के साथ अमरोहा प्रदेश में 49वें स्थान पर था। जुलाई में 8.97 अंक हासिल करते हुए जिला 29वें स्थान पर पहुंच गया। जुलाई की रिपोर्ट में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में जिले को 10 में से 10 अंक प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालयों में सुविधाओं के सुधार से जुड़ी ऑपरेशन कायाकल्प, पंचायतीराज विभाग के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा अतिरिक्त ऊर्जा विभाग की पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना और सोलर स्ट्रीट लाइट योजना में भी जिले ने शत-प्रतिशत प्रदर्शन करते हुए पूरे अंक हासिल किए। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास और निरंतर मॉनिटरिंग से यह सुधार संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि जिले का अगला लक्ष्य शेष कमियों को दूर कर आने वाले महीनों में अमरोहा को प्रदेश के टॉप-10 जिलों में शामिल करना है।

जर्जर दुकान की छत गिरी, तीन घायलों में एक की हालत गंभीर, एक मलबे में दबा

लोनी, 10 अगस्तः बॉर्डर थाना क्षेत्र की गुलाब वाटिका कॉलोनी में सोमवार शाम बड़ा हादसा हो गया। यहां पारस हार्डवेयर की दुकान जो करीब 40 साल पुरानी बताई जा रही है, दुकान की जर्जर छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय दुकान में काम कर रहे मजदूर मलबे की चपेट में आ गए। जिनमें अजीत, जतिन व अखिलेश घायल हो गए, घायलों में जतिन की हालत चिंताजनक बताई जा रही है जिसे उपचार के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि मुकेश नामक युवक मलबे में दब गया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस प्रशासन जेसीबी आदि की मदद से उसे बाहर निकालने के प्रयास में जुटे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुकान की तीनों छतें सील-पट्टी से बनी हुई थीं। लंबे समय से छत कमजोर और उस पर काफी वजन पड़ा हुआ था। सोमवार शाम करीब चार बजे अचानक सबसे ऊपर की छत गार्डर समेत भरभराकर नीचे आ गिरी। इसके साथ नीचे की दोनों छतें भी टूट गई और पूरा मलबा दुकान के अंदर जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग तत्काल राहत कार्य में जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बॉर्डर थाना पुलिस, एसीपी और डीएलएफ थाना प्रभारी समेत पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से मलबा हटाकर दबे हुए मजदूर को निकालने के प्रयास शुरू किए गए। फायर ब्रिगेड कर्मियों की मदद भी ली जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुकान की छत काफी पुरानी और जर्जर हालत में थी, इसके बावजूद उसकी स्थिति को लेकर कोई पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए। लोगों ने आरोप लगाया कि व्यापारी की लापरवाही के चलते मजदूरों की जान खतरे में पड़ी और यह हादसा हुआ।

फूलन देवी की जयंती पर सपा ने किया श्रद्धासुमन अर्पित

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर सोमवार को जिला सपा कार्यालय पर वीरांगना एवं पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती मनाई गई। इस दौरान उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके जीवन तथा संघर्ष को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हनी फैसल ने की तथा संचालन पार्टी प्रवक्ता अखलाक पप्पू ने किया। विचार गोष्ठी में जिलाध्यक्ष ने कहा कि फूलन देवी ने विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए वंचित, शोषित और कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती प्रदान की। उनका जीवन सामाजिक असमानता के खिलाफ संघर्ष तथा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। फूलन देवी के संघर्ष से प्रेरणा लेकर समाज में समानता और सामाजिक न्याय स्थापित करने के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिशन-2027 की सफलता के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. रमेश तोमर, मदन लाल सैनी, प्रभा चौधरी, सतपाल सिंह, महमूद कस्सार, डॉ. योगेंद्र चौधरी, अशोक गहलोत, प्रमोद प्रधान, मनोज राजपूत, सीमा शेख, जाहिद प्रधान, सरफराज अहमद, नमन प्रधान, अशोक आर्य, संजय पाल, सुरेंद्र वाल्मीकि, अंकुर सैनी, रजत त्यागी, देवानंद भुईयार, विनय कुमार, सलीम सलमानी, छत्रपाल सिंह, वक्कार राईन, अफजल अज्जू, अंकित कश्यप, चतर कश्यप और अहमद खिजर खान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर्जमाफी और एमएसपी की गारंटी को किसान सभा ने उठाई आवाज

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। अखिल भारतीय किसान सभा बिजनौर के मंडल स्योहारा की ओर से किसानों, मजदूरों और गरीबों की विभिन्न समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति के नाम 16 सूत्रीय मांगपत्र खंड विकास अधिकारी स्योहारा के माध्यम से भेजा गया। मांगपत्र में किसानों के हित में तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। किसान सभा ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि किसानों और मजदूरों का लगातार शोषण किया जा रहा है। संगठन ने किसानों की जमीनों को कॉरपोरेट के हवाले किए जाने तथा किसानों, मजदूरों, छात्रों, युवाओं और कमजोर वर्गों के अधिकारों के हनन का विरोध किया। मांगपत्र में न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने, फसल बीमा की गारंटी देने और सभी किसानों की कर्जमाफी की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके साथ ही मुक्त व्यापार समझौते को रद्द करने, मनरेगा को बहाल करने तथा चारों श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग की गई। किसान सभा ने अन्यायपूर्ण भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा स्मार्ट मीटर और बिजली के निजीकरण पर रोक लगाने की मांग भी की। मांगपत्र में सांप्रदायिकता पर रोक लगाने तथा अल्पसंख्यकों, महिलाओं और दलितों के उत्पीड़न को बंद करने की मांग शामिल रही। संगठन ने शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार, सभी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा पेपर लीक की घटनाओं की जांच कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। इसके अलावा गैस, पेट्रोल और डीजल के दाम कम करने, नदियों की बाढ़ का स्थायी समाधान करने तथा खाद-बीज पर सब्सिडी बढ़ाने की मांग भी रखी गई। किसान सभा ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जानी चाहिए। संगठन ने राष्ट्रपति से 16 सूत्रीय मांगों पर गंभीरता से विचार कर किसानों, मजदूरों और गरीबों के हित में आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की।

सावन के दूसरे सोमवार मंदिरों में उमड़ी शिव भक्तों की भीड़, बम-बम भोले की गूज के साथ शिवमय हुआ वातावरण

प्रात : किरण संवाददाता

लोनीः महाशिवरात्रि पर कांवड़िये अपनी श्रद्धानुसार शिवालयों पर जलाभिषेक करेंगे. इसके लिए विभिन्न स्थानों से पवित्र जल लेकर आ रहे शिव भक्त कावड़िया अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहे. यही कारण था कि जहा शिव मंदिर/शिवालयों में उनकी उपस्थित बढ़ती रही है वही सावन के दूसरे सोमवार को वहां अन्य शिव भक्तों की अतिरिक्त भीड़ भी देखने को मिली. इस दौरान जहां मंदिरों में दिन भर बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे वही दूसरी ओर भोले की मस्ती में चूर शिव भक्त देर रात तक धार्मिक गीत-संगीत और ढोलक की थाप पर थिरकते रहे। दरसल मंगलवार (आज) जलाभिषेक के दिन को देखते हुए सोमवार के दिन से ही शहर की सड़कों पर कांवड़िये बड़ी संख्या में दिखाई पड़े। हरिद्वार, ब्रजघाट आदि स्थानों से पवित्र जल लेकर आ रहे शिव भक्त कावड़िया अलग-अलग जत्थो में आगे बढ़ते रहे. बम-बम भोले की गूंज के साथ एक से बढ़कर एक आकर्षक कावड़ लेकर आ रहे शिव भक्त कावड़ियों का ऐसा केसरिया माहौल बना है कि लोनी के मुख्य पाइपलाइन कावड़ मार्ग के अलावा छेत्र की विभिन्न सड़कों पर भी उनकी भीड़ नजर आई।

क्षेत्र पंचायतों के विकास कार्यों और निधि खर्च पर होगी कड़ी निगरानी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। क्षेत्र पंचायतों के नियामक कार्यों और पंचायती राज विभाग की वित्त पोषित योजनाओं को प्रभावी बनाने के लिए शासन के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जिले के सभी खंड विकास अधिकारियों और सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) को कड़े निर्देश जारी किए हैं। शासन के 29 जुलाई 2026 के निर्देशों का हवाला देते हुए जिलाधिकारी ने कहा है कि क्षेत्र पंचायत स्तर पर खंड विकास अधिकारी/मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अधीन सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) क्षेत्र पंचायत के नियामक कार्यों का संपादन करेंगे। साथ ही पंचायती राज विभाग की वित्त पोषित योजनाओं का अनुश्रवण और निरीक्षण भी किया जाएगा। शासन के पत्र में कहा गया है कि क्षेत्र पंचायतों को केंद्रीय वित्त आयोग और राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत आवंटित धनराशि का नियमानुसार व्यय/उपभोग नहीं किया जा रहा है। ऐसे में आवंटित धनराशि के पूर्ण उपयोग के लिए प्रभावी निगरानी की आवश्यकता बताई गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी करेंगे निरीक्षण निदेशों के अनुसार जिला पंचायत राज अधिकारी को क्षेत्र पंचायतों के नियामक कार्यों तथा पंचायती राज विभाग से वित्त पोषित योजनाओं और कार्यों के अनुश्रवण एवं निरीक्षण के लिए अधिकृत किया गया है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र पंचायत कार्यालय से संबंधित जिन अभिलेखों की आवश्यकता होगी, उन्हें उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी खंड विकास अधिकारी/मुख्य कार्यपालक अधिकारी की होगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शासनादेश में निर्धारित व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही क्षेत्र पंचायतों में चल रही वित्त पोषित योजनाओं का लगातार अनुश्रवण और निरीक्षण करने को कहा है।

पूर्व सभासद नसीम जफर को पालिका में दी खिराज-ए-अकीदत

हर किसी के सुख-दुख में काम आने वाले इंसान थे नसीम जफर : फैसल वारसी

प्रातः किरण संवाददाता

स्योहारा। नगर पालिका परिषद स्योहारा के पूर्व सभासद एवं समाजसेवी मास्टर नसीम जफर के निधन पर नगर पालिका परिषद के मीटिंग हॉल में शोकसभा आयोजित कर उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की गई। चेयरमैन फैसल वारसी समेत पालिका कर्मचारियों व सभासदों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों को याद किया। चेयरमैन फैसल वारसी ने कहा कि नसीम जफर उनके पारिवारिक सदस्य की तरह थे और बचपन से ही उनका मार्गदर्शन करते रहे। वह हर किसी के सुख-दुख में काम आने वाले नेक और मिलनसार इंसान थे। उन्होंने पूरी जिंदगी निस्वार्थ भाव से बिना किसी भेदभाव के जनता की सेवा की। यही कारण रहा कि जनता ने उन्हें दो बार नगर पालिका का सभासद चुना। उनकी पत्नी मोहसिना जफर भी दो बार सभासद निर्वाचित हुईं। उन्होंने कहा कि नसीम जफर की कमी हमेशा महसूस होती रहेगी और दुख की इस घड़ी में पूरा परिवार उनके परिजनों के साथ खड़ा है। बताया गया कि मास्टर नसीम जफर वर्ष 1989 में मोहल्ला हयातनगर के वार्ड से पहली बार सभासद चुने गए थे। इसके बाद उनकी पत्नी मोहसिना जफर वर्ष 2001 और 2006 में सभासद निर्वाचित हुईं। वर्ष 2017 में नसीम जफर पुनः सभासद चुने गए। खास बात यह रही कि उनका निवास वार्ड-22, मोहल्ला मुस्लिम चौधरियान में होने के बावजूद उन्होंने दूसरे वार्ड से चुनाव लड़कर करीब 10 वर्ष स्वयं तथा 10 वर्ष उनकी पत्नी ने पालिका की सेवा की। यह उनके प्रति जनता के विश्वास और उनकी जनसेवा का प्रमाण माना गया। शोकसभा में वरिष्ठ लिपिक देवेंद्र कुमार, स्व. नसीम जफर के पुत्र एवं युवा सपा नेता नदीम जफर, सभासद वसीम अहमद, बब्बू कुरैशी, शान अहमद, जगपाल प्रजापति, आयाज चौधरी, अमित कुमार, योगेश कुमार, चांदनी परवीन, पंकज कुमार सहित वरिष्ठ पत्रकार कांता प्रसाद पुष्पक, नादिर त्यागी तथा समाजसेवी वसीम जोंटी, आसिफ अली आदि मौजूद रहे।

गंदे जल भराव से रेल बिहार कॉलोनी वासियों के लिए बना बीमारी का खतरा

लोनी। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की रेल बिहार कॉलोनी में बरसात के बाद जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से स्थानीय नागरिकों के लिए आफत खड़ी हो गई है। संबंधित विभाग की लापरवाही के कारण कॉलोनी में स्थित शिव शक्ति मंदिर के निकट जमा गंदा पानी धीरे-धीरे तालाब का रूप ले चुका है। नतीजन लंबे समय से जलभराव बना रहने से आसपास रहने वाले लोगों में संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बन गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कॉलोनी में नालियों से पानी की निकासी का उचित इंतजाम नहीं है। बारिश होने के बाद पानी सड़कों और खाली स्थानों पर जमा हो जाता है।

कांवड़ शिविर के पास शौचालय नहीं, शहीद स्मारक के आसपास गंदगी

पैजनियां। श्रावण कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन और पंचायती राज विभाग द्वारा स्वच्छता एवं जनसुविधाओं के व्यापक इंतजाम किए जाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायत पैजनियां में व्यवस्थाओं की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। गांव में कांवड़ियों के लिए एकमात्र शिविर के पास अस्थायी शौचालय की व्यवस्था नहीं होने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव में सुलभ शौचालय पहले से उपलब्ध है। इसके बावजूद एक अस्थायी शौचालय भी उसी के पास स्थापित कर दिया गया है, जबकि कांवड़ शिविर के आसपास इसकी आवश्यकता अधिक थी। शिविर के पास शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण कांवड़ियों द्वारा पास स्थित शहीद स्मारक के खाली स्थान का शौच के लिए इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है। इससे शहीद स्मारक की गरिमा प्रभावित होने के साथ ही आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान जब श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, तब शिविर के पास शौचालय और नियमित सफाई की पर्याप्त व्यवस्था होना आवश्यक है।

'किल' डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट का हॉलीवुड डेब्यू, जेमी फॉक्स के साथ बनाएंगे एक्शन थ्रिलर

डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट 'डेडलॉक्ड' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म डायरेक्ट करेंगे, जिसमें ऑस्कर विजेता एक्टर जेमी फॉक्स लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज दुनिया भर में रिलीज करेगा।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

डेडलाइन की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'डेडलॉक्ड' को प्राइम वीडियो पर ग्लोबली स्ट्रीम किया जाएगा। यह निखिल भट्ट की पहली इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म होगी और 'किल' की सफलता के बाद उनके करियर में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे पूर्व मरीन पर आधारित है, जो एक बड़े केस में ज्यूरी ड्यूटी कर रहा होता है। इसी दौरान कोर्ट में अचानक खतरनाक हालात बन जाते हैं और मामला बंधक बनाने तक पहुंच जाता है। दरअसल, आरोपी की बेटी अपने पिता को बचाने के लिए कोर्ट पर कब्जा कर लेती है, जिसके बाद कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट आता है।

इस फिल्म को एरिक स्कॉट एंडरसन और मैट ताकेजिरो बोसैक ने लिखा है। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी ब्रायन कवानॉ-जोंस, फ्रेड बर्जर, डेव कैपलान और खुद जेमी फॉक्स की टीम संभाल रही है। जेमी फॉक्स हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'बैक इन एक्शन' में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ कैमरून डियाज थीं। वह जल्द ही 'फाइट फॉर '84' नाम की एक और फिल्म में दिखाई देंगे।

निखिल नागेश भट्ट के बारे में

निखिल नागेश भट्ट को इंटरनेशनल पहचान उनकी फिल्म 'किल' से मिली, जिसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। बाद में इस फिल्म को लायंसगेट ने खरीदा और 2024 में इसे बड़े स्तर पर रिलीज किया गया। लक्ष्य और राघव जुयाल स्टारर 'किल' को भारत की सबसे हिंसक फिल्मों में से एक माना गया। 'किल' के अलावा निखिल 'अपूर्वा', 'हुरदंग' जैसी फिल्में और 'रस भरी', 'द गॉन गेम' जैसी वेब सीरीज भी डायरेक्ट कर चुके हैं। खबरें यह भी थीं कि वह सनी देओल के साथ 'परशुराम' नाम की फिल्म पर काम कर रहे हैं, लेकिन 'डेडलॉक्ड' के ऐलान के बाद इस प्रोजेक्ट का क्या होगा, यह साफ नहीं है।

मुझे उल्लू बनाया गया

'धमाल 4' में कॉमेडी के नाम पर करवा लिया एक्शन

'धमाल 4' में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे सितारे फिर नजर आए। साथ ही इस बार कुछ नए चेहरे भी जुड़े, जिनमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी शामिल थीं। फिल्म में संजीदा ने एक्शन और कॉमेडी दोनों किया। हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला और शूटिंग का अनुभव कैसा रहा।

'सीरियस एक्ट्रेस' टैग पर बोलीं संजीदा

'धमाल 4' से पहले संजीदा ने कॉमेडी में ज्यादा काम नहीं किया था। इससे पहले वह संजय लीला भंसाली की सीरियस पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें 'सीरियस एक्ट्रेस' का टैग मिलने लगा। संजीदा ने कहा, 'मुझे 'धमाल 4' इसलिए मिली क्योंकि इंद्र सर ने मुझे 'हीरामंडी' देखने के बाद बुलाया। उनका पहला सवाल था, 'आप तो बहुत सीरियस एक्ट्रेस हैं,' क्योंकि हीरामंडी काफी सीरियस थी।' संजीदा ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर से कहा कि उन्हें मौका दिया जाए ताकि वह दिखा सकें कि वह कितनी फनी हैं। 'मैं उनके साथ बैठी और उन्होंने मुझे हंसते हुए सुना- मैं थोड़ा अलग तरीके से हंसती हूं तो उन्होंने कहा, 'ठीक है।' और मेरी कास्टिंग हो गई।'

कॉमेडी के साथ किया एक्शन

'धमाल 4' में संजीदा का किरदार जितनी कॉमेडी करता है, उतना ही एक्शन भी करता है। कई सीन में वह बड़े एक्शन स्टार्स के साथ एक्शन करती नजर आईं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मेरे हर सीन में एक्शन था। मुझे उल्लू बनाया गया। मुझे कहा गया था कि कॉमेडी करनी है, लेकिन मुझसे एक्शन करवा लिया गया।' संजीदा ने बताया कि सेट पर यह बात मजाक बन गई थी कि जहां अजय देवगन जैसे बड़े एक्शन स्टार मौजूद हैं, वहां उनसे एक्शन सीन करवाए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं सच बोल रही हूं, अजय देवगन सेट पर थे और मुझसे सारे एक्शन सीन कराए जा रहे थे। यह सेट पर मजाक बन गया था।'

'लॉकअप 2' से बाहर आने के बाद परिवार के बारे में बोलीं आकांक्षा चमोला

शो 'लॉकअप 2' में आते ही आकांक्षा चमोला ने बताया कि वह टीवी अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक ले रही हैं। आगे चलकर उन्होंने कहा कि वह लड़कियों के प्रति भी आकर्षित रहती हैं। अभिनेत्री का यह राज सामने आने पर हंगामा खड़ा हो गया। इसी बारे में हाल ही में 'लॉकअप 2' से बाहर आने के बाद आकांक्षा चमोला ने बात की। उन्होंने बताया कि परिवार उनसे काफी नाराज है। जब शो 'लॉकअप 2' से आकांक्षा चमोला बाहर हुई थीं तो उनसे अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने सवाल-जवाब किए थे। यह शो का ही कॉन्सेप्ट था, जिसमें तेजस्वी प्रतियोगी से कई सवाल पूछती हैं। तेजस्वी से बातचीत के दौरान ही आकांक्षा ने कहा, 'जब गौरव खन्ना शो में आए थे तो उन्होंने परिवार के बारे में कुछ ऐसा बताया था जो कि परेशान होने वाली बात थी। तलाक की बात तो परिवार को पता थी। लेकिन लड़कियों की तरफ आकर्षित होने वाली बात को लेकर वे ओके नहीं हैं।'

इन दिनों क्या कर रही हैं 'टॉक्सिक' अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत

साउथ की चर्चित अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेचर चर्चा में हैं। बीते कल इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने क्रीम रंग के ऑफ शोल्डर गाउन में तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह आसमान देख रही हैं। उन्होंने बहुत हल्की सिल्वर कलर की ज्वैलरी पहनी है। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा है। उनके इस स्टाइल के पीछे आस्था शर्मा और मुस्कान मट्टा का हाथ है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा ''टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हूं।' तस्वीरों पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्होंने सबसे प्यारी गुड़िया कहा है। वहीं एक दूसरे यूजर ने उन्हें सुंदरी कहा है।

क्या है रुक्मिणी का किरदार?

आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत 'टॉक्सिक' में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। कल रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया और यश की झलक दिखी है। ट्रेलर काफी हिंसक है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।

'माइकल' के बाद जाफर जैक्सन को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, विल स्मिथ के साथ करेंगे काम

एक्टर जाफर जैक्सन ने अपने दिवंगत अंकल पॉपस्टार माइकल जैक्सन का किरदार उनकी बायोपिक में निभाया था। फिल्म में उनके अभिनय के लिए काफी सराहना मिली थी। एक्टर अब जल्द ही एक्शन थ्रिलर 'सुपरमैक्स' में नजर आएंगे।

विल स्मिथ संग नजर आएंगे जाफर

फिल्म 'माइकल' के बाद जाफर जैक्सन के लिए यह दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेजन एमजीएम और मिरामैक्स की फिल्म 'सुपरमैक्स' में वह अभिनय करेंगे। हालांकि उनके किरदार की जानकारी फैंस को अब तक नहीं दी गई है। मगर वह फिल्म में एक महत्त्वपूर्ण किरदार निभा सकते हैं।

एफबीआई एजेंट्स पर आधारित कहानी

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। कहानी दे एफबीआई एजेंट्स और उनकी जांच पर आधारित बताई जा रही है। जो एक उच्च सुरक्षा वाली जेल के अंदर एक असंभव सी लगने वाली हत्या की जांच करते हैं। यह दोनों किरदार विल स्मिथ और एना सोफिया रॉब निभाएंगे। फिल्म का निर्देशन डेविड ग्रीन कर रहे हैं। वहीं फिल्म का निर्माण अमेजन एमजीएम स्टूडियो और मिरामैक्स मिल कर करेंगे।

'माइकल' से मशहूर हुए जाफर जैक्सन

एक्टर जाफर जैक्सन फिल्म 'माइकल' के बाद दुनियाभर में पहचाने जाने लगे हैं। फिल्म दिवंगत पॉपस्टार माइकल जैक्सन के जीवन पर आधारित है। उनके जीवन के उतार-चढ़ावों को फिल्म में बखूबी से दिखाया गया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की थी। फिल्म का वर्ल्डवाईड कलेक्शन एक बिलियन डॉलर से भी ऊपर का था। वहीं इस फिल्म ने भारतीय सिनेमाघरों पर भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। भारत में फिल्म का नेट कलेक्शन 71.09 करोड़ रहा।

कम उम्र में शोहरत, फिर विवादों ने घेरा... ऐसी रही हंसिका मोटवानी की फिल्मी और निजी जिंदगी

हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं।

मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो 'शाका लाका बूम बूम' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म 'कोई मिल गया' में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'देसमुदुरु' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। 'एंगेयुम काधल' और 'ओरु कल ओरु कन्नाड़ी' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई। एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए।

हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज किया था। इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी। बावजूद इसके, इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा। हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से शादी की। राजस्थान के जयपुर में हुई इस शाही शादी की तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर 'हंसिका लव शादी ड्रामा' नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है। हालांकि शादी की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। सोहेल की यह दूसरी शादी थी और उनकी पहली पत्नी रिंकी बजाज हंसिका की दोस्त थीं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर हंसिका पर कई तरह के आरोप लगाए गए। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सोहेल और रिंकी के रिश्ते में क्या हुआ, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि, हंसिका और सोहेल का रिश्ता भी ज्यादा समय चल नहीं पाया। दोनों ने तलाक ले लिया है।

संक्षिप्त समाचार

चांदी 3,700 उछली, सोने में भी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज तेजी आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में चांदी 3,700 रुपये से अधिक

उछल गई। हालांकि शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में गिरावट आई क्योंकि पिछले हफ्ते की जबरदस्त तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली की। लेकिन बाद में इसमें सुधार हुआ और यह 1,000 रुपये तक चढ़ गया। अमेरिका में लेबर मार्केट का डेटा उम्मीद से कमजोर रहा है जिसके कारण फेड रिजर्व के सितंबर में ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना कम हो गई है। एमसीएक्स पर 4 सितंबर की डिलीवरी के लिए चांदी वायदा पिछले सत्र में 2,31,466 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था और आज 231799.00 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 3,700 रुपये से ज्यादा तेजी के साथ 2,35,200 रुपये तक पहुंचा। इसी तरह 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना 1,51,820 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और आज 151793.00 रुपये पर खुला। शुरुआती काराबोर में यह 1,51,461 रुपये तक गिरा लेकिन फिर 1,52,842 रुपये तक चढ़ा। हालांकि सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट आई है जबकि चांदी फ्लैट ट्रेड कर रही है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 380 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,970 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 22 कैरेट वाला सोना 350 रुपये सस्ता होकर 1,39,300 रुपये पर आ गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना 280 रुपये नीचे 1,13,980 रुपये पर आ गया। आमतौर पर कम ब्याज दर वाले माहौल में सोने को फायदा होता है क्योंकि बिना आय वाले एसेट रिटर्न देने वाले निवेश की तुलना में ज्यादा आकर्षक हो जाते हैं। 0200 जीएमटी स्पॉट गोल्ड 0.5% गिरकर 4,322.28 प्रति औंस हो गया जबकि र-गोल्ड फ्यूचर्स 0.4% गिरकर 4,381.60 पर आ गया। स्पॉट सिल्वर भी 0.2% गिरकर 63.45 प्रति औंस पर आ गई।

बाल कटाने के 2700, 355 की कॉफी, ऑस्ट्रेलिया में सालाना 67 लाख रुपये का वेतन भी कम पड़ता है!

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की करेंसी है ऑस्ट्रेलियन डॉलर। वहां का एक डॉलर भारत में 67 रुपये के बराबर है। मतलब कि कोई व्यक्ति वहां यदि साल के एक लाख डॉलर कमाता है तो यहां की करेंसी में वह 67 लाख रुपये हो गया। आप समझेंगे कि इतने पैसे में तो वह खूब पैसे बचा लेगा। लेकिन, ऐसा नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में कोई जितना कमाता है, वहां खर्च भी ऑस्ट्रेलियन डॉलर में ही करना पड़ता है। इसलिए बचत के नाम पर थोड़ा ही रहता है। ऑस्ट्रेलिया में काम करने वाले करन सिंह गिल ने इस बारे में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो डाला है। उसमें वह बताता है कि आस्ट्रेलिया में उसकी सालाना सैलरी 100,000 है। यदि भारतीय रुपये में इसे जोड़ें तो यह 67 लाख रुपये बैठता है। लेकिन वह खर्च भी तो करता है ऑस्ट्रेलिया में ही। वहां भारतीय रुपया नहीं ऑस्ट्रेलियन डॉलर में पेमेंट करना होता है। इसी में सब पैसे खर्च हो जाते हैं। यदि ज्यादा शेखी बघारे तो यह राशि भी कम पड़ेगी। गिल बताते हैं कि उनकी आमदनी में से 22,788 तो टैक्स और मेडिकेकेयर लेवी के चले जाते हैं। इतने देने के बचे करीब 77,000। इसमें से मकान का वार्षिक किराया 26,000 जाएगा। अब बचे करीब 51,000। वह बताते हैं कि वहां घर-गृहस्थी चलाने में उसके साल में करीब 20,000 चले जाते हैं। इनमें किराने का सामान या ग्रोसरी आइटम, ट्रांसपोर्ट, बिजली का बिल, फोन का बिल और बीमा का खर्च शामिल है।

एलन मस्क की स्पेसएक्स से मिला बड़ा कॉन्ट्रैक्ट, स्मॉल-कैप शेयर 11% उछला

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का स्मॉल-कैप आईटी स्टॉक ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक के शेयर में सोमवार को कारोबारी सत्र में 15 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। यह उछाल तब आया, जब कंपनी ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स इंटरनेशनल के साथ 150 मिलियन डॉलर के कांट्रैक्ट पर साइन करने की घोषणा की। इस खबर के बाद ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक को खरीदने के लिए निवेशक टूट पड़े। ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक का शेयर आज बीएसई पर 20.11 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खुला, जबकि पिछले सप्ताह शुक्रवार को यह 19.74 रुपये पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान इस स्मॉल-कैप स्टॉक ने 22.80 रुपये का हाई भी टच किया।

इस करार के तहत 18 महीने की अवधि के लिए 150 मिलियन डॉलर की है, जो विभिन्न शर्तों और नियमों के अधीन होगी। यह सौदा ब्लू क्लाउड के वैश्विक ग्राहकों के लिए बड़े पैमाने पर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सिक्योरिटी, टेलीकम्युनिकेशन और डेटा-सेंटर समाधानों में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कंपनी के चेयरमैन ने क्या कहा: ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस के ग्रुप चेयरमैन तेजेश कुमार कोडाली ने कहा, 'यह हमारे एआई इंफ्रास्ट्रक्चर व्यवसाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह ब्लू क्लाउड की इंटीग्रेटेड एआई कंप्यूट, साइबर सुरक्षा और डेटा-सेंटर सॉल्यूशंस को बड़े पैमाने पर डिजाइन, बनाने और संचालित करने की क्षमता को दर्शाता है। हमारा मानना है कि यह कार्यक्रम ग्लोबल कस्टमर्स के लिए आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमताओं के निर्माण की हमारी लंबी अवधि की रणनीति को मजबूत करता है। '

स्पेसएक्स के साथ क्या है करार

कंपनी ने 10 अगस्त को एक्सचेंज को दी सूचना में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अमेरिकी सहायक कंपनी ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड यूएसए ने स्पेसएक्स इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ स्टेटमेंट ऑफ वर्क नंबर 1 पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एसओडब्ल्यू 9 जुलाई को दोनों पक्षों के बीच हुए मास्टर सर्विसेज एग्रीमेंट का हिस्सा है।

चार प्रमुख क्षेत्रों में मिलेगा काम

एसओडब्ल्यू के तहत ब्लू क्लाउड की अमेरिकी इकाई स्पेसएक्स इंटरनेशनल के लिए एक समर्पित सॉवरेन-ग्रेड एआई कंप्यूटिंग और डेटा-सेंटर प्लेटफॉर्म को डिजाइन, डेवलपमेंट, इंटीग्रेटेड, सिक्योर, कनेक्ट और संचालित करने के लिए जिम्मेदार होगी। यह काम चार प्रमुख क्षेत्रों में बांटा गया है। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 70 मिलियन डॉलर, साइबर सुरक्षा के लिए 25 मिलियन डॉलर, दूरसंचार के लिए 25 मिलियन डॉलर और डेटा-सेंटर समाधानों के लिए 30 मिलियन डॉलर। यह आकलन और डिजाइन के साथ शुरू होगा और छठी तिमाही से प्रबंधित संचालन तक प्रगति करेगा। मुख्य डिलिवरेबल्स में जीपीयू और एक्सेलरेटर क्लस्टरों की तैनाती, एमएलऑप्स और मॉडल-सर्विंग इंफ्रास्ट्रक्चर, से लैस सुरक्षा संचालन केंद्र, कोर नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर और एनओसी-प्रबंधित कनेक्टिविटी, साथ ही डेटा-सेंटर निर्माण, कमीशनिंग और आपदा-पुनर्प्राप्ति क्षमताएं शामिल हैं।

डीएलएफ ने गुरुग्राम की लक्जरी आवासीय परियोजना में 271 करोड़ रुपए में बेचा पेंटहाउस

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम स्थित अपनी आगामी लक्जरी आवासीय परियोजना में 271 करोड़ रुपए में एक पेंटहाउस बेचा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, प्रति वर्ग फुट कीमत के लिहाज से यह देश के सबसे महंगे सौदों में से एक है। डीएलएफ ने अक्टूबर, 2024 में गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-5 में 17 एकड़ में फैली अपनी लक्जरी आवासीय परियोजना %द डहलियाज% शुरू की थी। इस परियोजना में 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने इस परियोजना का एक पेंटहाउस उद्यमी मानव सरदाना को बेचा है। सूत्रों के अनुसार, सुपर एरिया के आधार पर डीएलएफ ने यह पेंटहाउस 1.58 लाख रुपए प्रति वर्ग फुट की दर से बेचा है, जबकि कारपेट एरिया के हिसाब से इसकी बिक्री कीमत करीब 2.6 लाख रुपए प्रति वर्ग फुट बैठती है। डीएलएफ के प्रवक्ता ने इस बिक्री पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कंपनी को इस परियोजना से 40,000 करोड़ रुपए से अधिक का कुल राजस्व मिलने की उम्मीद है। अब तक इसकी 65 प्रतिशत से अधिक इकाइयां बिक चुकी हैं। इस परियोजना में एक अपार्टमेंट की कीमत 100 करोड़ रुपए से 170 करोड़ रुपए के बीच है। पेंटहाउस की कीमत इससे अधिक है।

अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ी

40,000 करोड़ के गबन का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कारोबारी अनिल अंबानी की मुश्किल बढ़ गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी दो कंपनियों रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। ये चार्जशीट शनिवार को एक स्पेशल कोर्ट में दाखिल की गई। इनमें दोनों कंपनियों के साथ-साथ ग्रुप में सीनियर अधिकारी रहे गौतम दोषी, सतीश सेठ और अमिताभ झुनझुनवाला को भी आरोपी बनाया गया है। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग और 40,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के बैंक फंड के गबन का आरोप है। ईडी ने आरकॉम के खिलाफ अपनी चार्जशीट में कहा है कि कंपनी को अपराध से हुई कमाई का हिसाब 40,186 करोड़ रुपये लगाया गया है। यह बैंकों और वित्तीय संस्थानों के कंसोर्टियम को कंपनियों द्वारा नहीं चुकाई गई बकाया राशि है। साथ ही उन पर फंड जुटाने, उसका इस्तेमाल करने, छिपाने और दिखाने में भी अहम भूमिका निभान का आरोप लगाया गया है।। इसमें 1 बिलियन डॉलर की राशि के अंतिम इस्तेमाल का गलत सर्टिफिकेशन भी शामिल है।

कैसे की हेराफेरी

आरोपपत्र में कहा गया है कि बाद में ऐसे दस्तावेज बनाए गए जिनसे इन ट्रांसफर को असली प्रोजेक्ट खर्च के तौर पर दिखाया जा सके, जबकि फंड को शेल कंपनियों और हीरा व्यापारियों के जरिए घुमाया गया। आरकॉम के बारे में कहा कि मंजूर किए गए अंतिम इस्तेमाल के बजाय, घरेलू देनदारियों को चुकाने और घुमाने के लिए धोखाधड़ी से नई क्रेडिट सुविधाओं का इस्तेमाल किया गया।

अटैच संपत्ति जब्त करने की मांग

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में पहले अटैच की गई 8,078 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त करने की मांग की। यह संपत्ति रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसके प्रमोटरों और डायरेक्टरों की है। इनमें अनिल अंबानी की संपत्ति भी शामिल है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ चार्जशीट में कहा गया है कि जांच से पता चला कि एनएचएआई द्वारा दिए गए चार टोल-रोड प्रोजेक्ट्स से पब्लिक फंड को दूसरी जगह लगाने की एक सुनियोजित योजना थी। इनमें त्रिची-करू, त्रिची-डिंडीगुल, सलेम-उलुंदुरपेट और जयपुर-रींगस प्रोजेक्ट शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स को अनुदान और बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों से मिले लोन के जरिए फाइनेंस किया गया था। सितंबर-अक्टूबर 2010 के दौरान लगभग 187 करोड़ रुपये फर्जी सब-कॉन्ट्रैक्टिंग काम के नाम पर निकाल लिए गए।

टाइटन का शेयर ऑल टाइम हाई पर, 7 महीने में 80,000 करोड़ का रिटर्न, राकेश झुनझुनवाला को बनाया था बिग बुल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन का शेयर आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इसी शेयर ने दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला को भारतीय शेयर बाजार का 'बिग बुल' बनाया था। टाइटन करीब दो साल तक कमजोर रिटर्न के बाद एक बार फिर निवेशकों की चहेती बन गई है। इस साल कंपनी की मार्केट वैल्यू में 80,000 करोड़ से अधिक की तेजी आई है। इसके पीछे कई कारण हैं। इनमें जूलरी की स्थिर मांग, सोने की स्थिर कीमत, ऑर्गेनाइज्ड जूलरी की बढ़ती मार्केट हिस्सेदारी, तनिष्क और कैरेटलेन का मजबूत कामकाज शामिल है।

टाइटन का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 4,943 रुपये पर बंद हुआ था और आज 4,977.20 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 3% से ज्यादा तेजी के साथ 5,121.30

रुपये तक पहुंचा जो इसका ऑल टाइम हाई है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 4.5 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। पिछले दो साल में स्टॉक ने लगभग फ्लैट रिटर्न दिया। इससे ऊंचे वैल्यूएशन, सोने की बढ़ती कीमत, कम खर्च और मांग को लेकर चिंताओं ने निवेशकों को सतर्क रखा था।

इस साल क्या बदल गया

इस साल जूलरी की मांग उम्मीद से कहीं अधिक मजबूत रही। लोगों को रुझान अब ऑर्गेनाइज्ड जूलरी चेन की तरफ बढ़ रहा है। इस बदलाव ने बड़े ब्रांडेड कंपनियों को बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में मदद की है। खासकर शहरी और कस्बों में यह ट्रेंड देखने को मिल रहा है। इसका टाइटन को काफी फायदा मिला है।

कहां तक जाएगी कीमत

कंपनी के जून तिमाही के नतीजों से भी शेयरों में तेजी आई। टाइटन ने पहली तिमाही में पिछले साल के मुकाबले नेट प्रॉफिट में 63% की बढ़ोतरी के साथ 1,777 करोड़ रुपये का प्रॉफिट दर्ज किया। टाइटन के लिए 5,290 का टारगेट प्राइस तय किया है। उसका कहना है कि भारत के जूलरी सेगमेंट का आउटलुक व्यापक कंजम्पशन मार्केट की तुलना में मजबूत बना हुआ है। टाइटन कंपनी पर अपनी 'बाय' रेटिंग बनाए रखी है और इसका टारगेट प्राइस 5,075 से बढ़ाकर 5,700 कर दिया है। इसी तरह मोतीलाल ओसवाल ने अपनी बाय कॉल और 6,000 का टारगेट प्राइस बरकरार रखा है।

सेबी के नए नियम: एक सितंबर से खाते में नॉमिनी जोड़ना ही होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। डिमैट और म्यूचुअल फंड खातों के नॉमिनी से जुड़े नए नियम एक सितंबर 2026 से लागू हो जा रहे हैं। अब निवेशकों के लिए एकल डिमैट अकाउंट और म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी का नाम देना अनिवार्य होगा। अगर वे नॉमिनी नहीं देना चाहते हैं तो नामांकन से बाहर रहने की घोषणा करनी होगी। शेयर बाजार नियामक सेबी ने हाल ही में नियमों में बदलाव किया है। सेबी के अनुसार, इस बदलाव का उद्देश्य निवेशक की मृत्यु के बाद शेयर और म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसफर आसान बनाना और कानूनी विवाद कम करना है। अगर कोई निवेशक नॉमिनी नहीं बनाना चाहता, तो वह अपने ब्रोकर, बैंक या म्यूचुअल फंड की वेबसाइट या ऐप पर लॉगिन करके 'ऑप्ट-आउट' का विकल्प चुन सकता है। इसके लिए निर्धारित घोषणा-पत्र जमा करना होगा। संयुक्त डिमैट खाते या म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी बनाना अब भी वैकल्पिक रहेगा। हालांकि, ऐसे मामलों में नॉमिनी जोड़ने या बदलने के लिए सभी संयुक्त खाताधारकों की सहमति जरूरी होगी। तीन ही रहेंगे नॉमिनी: सेबी ने पहले एक खाते में नॉमिनी की अधिकतम संख्या तीन से बढ़ाकर 10 करने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इसे वापस ले लिया गया है। अब निवेशक पहले की तरह अधिकतम तीन नॉमिनी ही रख सकेंगे। यदि हिस्सा तय नहीं किया गया, तो संपत्ति तीनों में बराबर बांटी जाएगी।

सीएनएच इंडिया की पहली छमाही में ट्रैक्टर बिक्री 42 प्रतिशत बढ़ी, उत्पादन क्षमता बढ़ाएगी कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। कृषि उपकरण विनिर्माता कंपनी सीएनएच की भारतीय इकाई ने वर्ष 2026 की पहली छमाही में घरेलू बाजार में 30,248 ट्रैक्टर बेचे। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान कंपनी की भारत में बाजार हिस्सेदारी भी अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। सीएनएच इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नरेंद्र मित्तल ने कहा कि 2026 की जनवरी-जून अवधि के दौरान कंपनी का ट्रैक्टर निर्यात करीब 20 प्रतिशत बढ़कर 6,666 वाहन हो गया। उन्होंने कहा कि वर्ष की शुरुआत में अमेरिकी शुल्क से कुछ समय के लिए बाधा आई थी लेकिन बाद में स्थिति सामान्य होने पर निर्यात में फिर तेजी आई। कंपनी भारत में न्यू हॉलैंड और केस आईएच ब्रांड के तहत कारोबार करती है। मित्तल ने कहा कि पहली छमाही में घरेलू ट्रैक्टर उद्योग में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सीएनएच इंडिया की बिक्री 42 प्रतिशत बढ़ी और कंपनी ने 30,000 से अधिक ट्रैक्टर बेचे। उन्होंने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती और अनुकूल मानसून से पहली तिमाही में बिक्री को मजबूती मिली।

पाई नेटवर्क कॉइन फुस्सी बम निकला, 1 लाख रुपये रह गए मात्र 20 हजार, निवेशकों को बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी से इस समय काफी निवेशक मुंह मोड़ रहे हैं। कारण है कि इसमें अब रिटर्न बहुत ज्यादा नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे महंगी बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी भी अपने बुरे दौर से गुजर रही है। वहीं भविष्य की बिटकॉइन करने जाने वाले पाई नेटवर्क कॉइन की हालत तो और खस्ता है। पिछले एक साल में इसमें करीब 80 फीसदी की गिरावट आई है। रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे पाई नेटवर्क कॉइन की कीमत 0.09009 डॉलर (करीब 8.58 रुपये) पर कारोबार कर रहा था। पिछले 24 घंटे में इसमें 1.80% से ज्यादा की गिरावट आई है। यानी पाई नेटवर्क के निवेशकों को लगातार नुकसान ही हो रहा है।

एक हफ्ते में दिखा कुछ सुधार: लगातार गिरावट के बीच पाई नेटवर्क में पिछले एक हफ्ते में कुछ सुधार आया है। इन 7 दिनों में इसकी कीमत में करीब 5 फीसदी की तेजी दिखाई दी है। इन 7 दिनों में एक बार पाई नेटवर्क चढ़कर 0.09474 डॉलर (करीब 9 रुपये) तक पहुंच गया था। हालांकि इसके बाद इसमें फिर गिरावट आई।

पाई नेटवर्क पिछले एक महीने में करीब 10 फीसदी लुढ़क चुका है। इस दौरान इसमें लगातार उतार-चढ़ाव आता रहा। इन 30 दिनों में एक मौका ऐसा भी आया जब इसकी कीमत गिरकर 0.07172 डॉलर (करीब 6.83 रुपये) तक आ गई थी।

पिछले एक साल में पाई नेटवर्क की कीमत बुरी तरह गिरी है। कॉइनमार्केटकैप के मुताबिक पिछले एक साल में पाई नेटवर्क करीब 80% लुढ़क गया है। यानी एक साल पहले जिसके पास एक लाख रुपये के पाई नेटवर्क कॉइन थे।

आयुष्मान कार्ड धारकों को झटका! सरकार ने पैनल से बाहर कि 2359 अस्पताल

नईदिल्ली, एजेंसी। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों के लिए बड़ी खबर है। केंद्र सरकार ने योजना के नियमों का उल्लंघन करने वाले 2,359 अस्पतालों को डी-एम्पैनल कर दिया है, जबकि करीब 1,200 अस्पतालों को निलंबित किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने 7 अगस्त को लोकसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी। सरकार ने गलत दावों और गलत बिलिंग के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की है। नियमों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों के खिलाफ 29 एफआईआर दर्ज की गई हैं और कुल 328.49 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सरकार का कहना है कि पीएम आयुष्मान भारत योजना में धोखाधड़ी के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। आयुष्मान योजना में फर्जीवाड़े पर नजर रखने के लिए नेशनल

हेल्थ अथॉरिटी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित सिस्टम को मजबूत किया है। यह सिस्टम अस्पतालों की ओर से किए गए दावों में गलत पैटर्न की पहचान करता है। डुप्लीकेट क्लेम, लाभार्थी की पहचान का गलत इस्तेमाल, संदिग्ध बिलिंग और जरूरत से ज्यादा मेडिकल प्रोसेस जैसे मामलों में सिस्टम ऑटोमैटिक अलर्ट जारी करता है। ये अलर्ट क्लेम जमा होने के 24 घंटे के भीतर भी सामने आ सकते हैं, जिससे पेमेंट जारी होने से पहले जांच की जा सके। सरकार के मुताबिक इस तकनीक की मदद से 31 जुलाई 2026 तक 676.14 करोड़ रुपये के संभावित नुकसान को रोका गया। एक तरफ सरकार अस्पतालों पर कार्रवाई कर रही है, वहीं आयुष्मान भारत योजना का विस्तार भी जारी है। वित्त वर्ष 2025-26 में 3.75 करोड़ नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए और 2.74 करोड़ अस्पताल में भर्ती मामलों को मंजूरी दी गई। इस दौरान केंद्र ने राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों को 8,438.27 करोड़ रुपये जारी किए। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 30.6 लाख अस्पताल भर्ती मामलों को मंजूरी मिली और राज्य को 1,047.53 करोड़ रुपये मिले। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को हर साल 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलता है। 8 अगस्त 2026 तक देश में योजना से 38,437 अस्पताल जुड़े हुए थे, जिनमें 20,363 सरकारी और 18,074 निजी अस्पताल हैं। इलाज कराने से पहले अस्पताल का मौजूदा एम्पैनेलमेंट स्टेटस जरूर चेक कर लें क्योंकि निलंबित या योजना से बाहर किए गए अस्पताल आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कैशलेस इलाज नहीं दे सकते।

संक्षिप्त समाचार

26 साल के करियर में लैसनर ने हासिल की कई बड़ी उपलब्धियां

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूई के महान रेसलर ब्रॉक लैसनर ने पिछले हफ्ते समरस्लैम 2026 के बाद कंपनी को अलविदा कह दिया। मंडे नाइट रॉ के पिछले एपिसोड में ब्रॉक को ट्रिब्यूट दिया गया और उनका नाम एल्यूमिनी लिस्ट में भी डाला गया। उनके करियर का अंत जरूर हार के साथ हुआ लेकिन पिछले 26 साल के करियर में लैसनर ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनके करियर में कई ऐसे यादगार मैच भी रहे जब रिंग या तो खून से लाल रंग में तब्दील हो गया। या एक बार पूरा रिंग ही टूट गया। ब्रॉक लैसनर के करियर की ऐसी ही पांच खतरनाक फाइट्स के बारे में बात करेंगे। इसमें उनकी द अंडरटेकर, जॉन सीना, रोमन रेंस, बिग शो और कोडी रोड्स जैसे बेहतरीन रेसलर्स से हुए मुकाबलों का विवरण है। इसमें से एक मैच उनका और बिग शो का बहुत मशहूर हुआ था जब रिंग ही चारों तरफ से टूट गया था।

- **ब्रॉक लैसनर बनाम बिग शो- स्मैकडाउन, जून 2003-** 2003 में WWE का एक दौर था जब ब्रॉक लैसनर और बिग शो के बीच खतरनाक राइवलरी देखने को मिलती थी। उसी बीच जून 2003 में ब्रॉक लैसनर और बिग शो का मुकाबला एक स्मैकडाउन के शो में हुआ। WWE चैंपियनशिप के लिए हो रहे इस मुकाबले में दोनों के बीच बेहतरीन टक्कर देखने को मिली। इसी दौरान लैसनर ने रस्सी के ऊपर खड़े होकर 500 पाउंड के बिग शो को सुपरप्लेक्स दिया। जैसे दोनों रेसलर रिंग के बीच में गिरते हैं तो रिंग ही चारों तरफ से टूट गया। यह कंपनी के इतिहास में पहली बार देखने को मिला था। इसलिए यह मैच WWE में ब्रॉक लैसनर के सबसे यादगार फाइट्स में से एक है।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम जॉन सीना- WWE E&treme Rules 2012-** ब्रॉक लैसनर ने 2012 में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान कंपनी में वापसी की थी। उस समय उनकी राइवलरी थी जॉन सीना के साथ दोनों के बीच एक्ट्रीम रूल्स 2012 में कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस मैच में दोनों रेसलर खून से लथपथ थे। लैसनर ने शुरुआती क्षणों में ही अपनी कोहनी से सीना का सिर लहूलुहान कर दिया था। इस मैच में इसके बाद मेटल चेन जैसे कई खतरनाक उपकरण भी इस्तेमाल हुए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम द अंडरटेकर- WWE No Mercy 2002-** ब्रॉक लैसनर ने 2002 में कंपनी में डेब्यू किया था। उस वक्त उनका नाम मेन रोस्टर में आत ही चर्चा का विषय था। लैसनर ने उस समय के दिग्गज हल्क होगन को हराकर सभी को चौंकाया था। फिर उनका सामना होना था डेडमैन द अंडरटेकर के साथ। नो मर्सी 2002 में दोनों की फाइट तय हुई। इस मैच को जाल में कराया गया। मैच शुरू होने के कुछ ही देर बाद अंडरटेकर के एक प्रहार से लैसनप का माथा लहूलुहान हो गया था। फिर लैसनर ने भी अंडरटेकर पर स्टील की सीढ़ियों से प्रहार किया और वह भी खून से लथपथ हो गए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम रोमन रेंस- WWE WrestleMania 31, 2014-** 2014 का यह वो दौर था जब लैसनर को दोबारा वापसी करे दो साल हो चुके थे। वहीं नए स्टार रोमन रेंस को कंपनी पुश कर रही थी। उसी बीच रेसलमेनिया 31 में दोनों का मैच फाइनल हुआ। उस मुकाबले में उम्मीद के मुताबिक लैसनर ने रोमन रेंस को खूब छकाया। इस मुकाबले में दोनों के बीच कांटे की टक्कर हुई। अंत में दोनों फाइटर्स लहूलुहान थे। वहीं इस मैच के अंत में रोमन रेंस ने लैसनर को हराते हुए अपना पहला यूनिवर्सल खिताब जीता था।

5- **ब्रॉक लैसनर बनाम कोडी रोड्स-** ब्रॉक लैसनर ने 2021 में अपना तीसरा कार्यकाल कंपनी के साथ शुरू किया। 2023 में उनका सामना कोडी रोड्स से बैकलैश में हुआ। दोनों रेसलर पहली बार सिंगल्स मुकाबले में आमने-सामने थे। इस मैच में एक ऐसा दृश्य सामने आया जब द बीस्ट (लैसनर) का पूरा चेहरा खून से लथपथ था। वहीं इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। अंत में वह हारे जरूर थे लेकिन आखिरी क्षण तक उन्होंने द अमेरिकन नाइटमेयर को खूब छकाया था।

अलेक्जेंड्रोवा ने सबालेंका को हराकर किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली। कनाडा ओपन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। रूस की 19वीं रैंकिंग वाली खिलाड़ी एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन आर्यना सबालेंका को तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7-6(3), 4-6, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह मुकाबला दो घंटे 29 मिनट तक चला। अलेक्जेंड्रोवा की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ यह तीसरी जीत है। इससे पहले वह मियामी 2024 में इगा स्वियातेक और दोहा 2025 में सबालेंका को हरा चुकी हैं।

अंतिम-16 के इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पहले सेट में अलेक्जेंड्रोवा और सबालेंका ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी। इसके बाद अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में 7-3 से जीत दर्ज करते हुए पहला सेट अपने नाम किया। सबालेंका ने दूसरे सेट में वापसी की। उन्होंने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठाया और 6-4 से सेट जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

तीसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर जारी रही। दोनों ने कई मौकों पर एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। हालांकि, निर्णायक पलों में अलेक्जेंड्रोवा ने धैर्य बनाए रखा और सबालेंका को 5-4 के स्कोर पर मैच में बने रहने के लिए सर्विस करनी पड़ी। सबालेंका ने दो ब्रेक प्वाइंट और मैच प्वाइंट बचाए, लेकिन तीसरे मैच प्वाइंट पर अलेक्जेंड्रोवा ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। उन्होंने 7-6(3), 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की। यह अलेक्जेंड्रोवा का छठा डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल होगा। दोहा 2025 के बाद वह पहली बार इस स्तर तक पहुंची हैं।

घुटने की चोट के कारण सिनर टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली। मौजूदा विंबलडन चैंपियन और पांच बार के ग्रैंड स्लैम विजेता यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने रविवार को इसकी पुष्टि की। सिनर के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में टेनिस जगत के दो युवा सुपरस्टार सिनर और उनके चिर प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज नजर नहीं आएंगे। टूर्नामेंट के आधिकारिक हैंडल ने पोस्ट किया, 'यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। हमारे 2024 चैंपियन को शुभकामनाएं और अगले साल आपको फिर देखने का इंतजार रहेगा।'

सिनर ने 2024 में सिनसिनाटी ओपन का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल में उन्होंने फ्रांसिस टियाफो को 7-6 (7-4), 6-2 से हराकर ट्रॉफी जीती थी। सिनर के हटने से टूर्नामेंट को बड़ा झटका लगा है। सिनसिनाटी ओपन का आयोजन 13 से 23 अगस्त तक होना है, जबकि सत्र का आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन 30 अगस्त से 13 सितंबर तक खेला जाएगा।सिनर से पहले उनके चिर प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज भी सिनसिनाटी ओपन से हट चुके हैं। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज इस टूर्नामेंट में अपने पिछले साल के खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे। अल्काराज अप्रैल में बार्सिलोना ओपन के दौरान कलाई में चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर हैं। चोट के कारण उन्हें फ्रेंच ओपन और विंबलडन से भी बाहर रहना पड़ा था।23 वर्षीय अल्काराज की नजर अब यूएस ओपन में वापसी पर है। इस साल का यूएस ओपन 30 अगस्त से शुरू होगा और अल्काराज मौजूदा चैंपियन के रूप में इसमें उतरेंगे। हाल के हफ्तों में स्पेनिश खिलाड़ी ने अपनी फिटनेस में धीरे-धीरे सुधार किया है। उन्होंने पहले स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग पर काम किया और इसके बाद सिनसिनाटी में फुल ट्रेनिंग सेशन शुरू किए थे। हालांकि, सिनर के घुटने की चोट और अल्काराज की कलाई की चोट ने सिनसिनाटी ओपन में स्टार पावर को काफी कम कर दिया है। अब दोनों खिलाड़ियों की नजर आगामी यूएस ओपन में पूरी फिटनेस के साथ वापसी करने पर होगी।

क्या नंबर-3 पर जगह पक्की कर पाएंगे देवदत्त पडिक्कल !

142 रन की पारी पर सितांशु कोटक ने कही बड़ी बात

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल की जमकर तारीफ की है। श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच में नाबाद 142 रन की शानदार पारी खेलने वाले पडिक्कल की बल्लेबाजी को कोटक ने बहुत अच्छी बताया। पडिक्कल ने अपनी पारी में 18 चौके लगाए और भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी इस पारी से टेस्ट टीम में नंबर-3 की जगह को लेकर भारत की चिंता कुछ कम हुई है। दरअसल, इस स्थान के प्रमुख दावेदार बी साई सुदर्शन पैर के अंगूठे की चोट से उबर रहे हैं और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं।

पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी की: कोटक

कोटक ने बीसीसीआई टीवी से बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि देवदत्त ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। मेरे लिए देवदत्त की पारी वास्तव में बहुत अच्छी थी।' भारत ने अभ्यास मैच के तीसरे दिन अंतिम सत्र में 207 रन के लक्ष्य को चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह मुकाबला 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम के लिए अहम तैयारी का हिस्सा था।

नेट प्रैक्टिस से ज्यादा उपयोगी रहा अभ्यास मैच

कोटक ने कहा कि चार दिन नेट्स में अभ्यास करने के मुकाबले अभ्यास मैच में खेलने से टीम को ज्यादा फायदा मिला। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों ने अच्छी तीव्रता के साथ गेंदबाजी की और सभी खिलाड़ियों को पर्याप्त मैच अभ्यास मिला। उन्होंने कहा, 'यह बहुत अच्छा और उपयोगी रहा, क्योंकि चार दिन और नेट्स में अभ्यास करना अभ्यास मैच खेलने जितना उपयोगी नहीं होता। गेंदबाजों ने अच्छी तीव्रता के साथ गेंदबाजी की। हमने सभी को आजमाया और गेंदबाजों को भी बल्लेबाजी का मौका मिला।'

गेंदबाजों को भी मिला पर्याप्त कार्यभार

कोटक के मुताबिक, आकिब नबी को छोड़कर, जिन्होंने पांच ओवर गेंदबाजी की, बाकी विशेषज्ञ गेंदबाजों ने मुकाबले में करीब 18 से 20 ओवर गेंदबाजी की। वहीं, नबी और प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़कर बाकी गेंदबाजों को बल्लेबाजी का भी मौका मिला। उन्होंने सपाट पिच पर भारतीय तेज गेंदबाजों के प्रयास की भी सराहना की। इसके अलावा मोहम्मद सिराज और गुरनूर बरार के निचले क्रम में लगाए गए छक्कों को भी उन्होंने सकारात्मक पहलू बताया।

टीम से जुड़े सरफराज

साई सुदर्शन के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किए गए दाएं हाथ के बल्लेबाज सरफराज खान सोमवार को भारतीय टीम के अभ्यास सत्र से जुड़ गए। टीम ने एनसीसी ग्राउंड पर अभ्यास किया, जहां सभी बल्लेबाज मौजूद रहे। तेज गेंदबाजों में केवल औकिब नबी अभ्यास सत्र में पहुंचे। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से गॉल में होगी।

महिला चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर उत्साहित जेमिमा, बोलीं- लक्ष्य हमेशा टीम की जीत

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स आगामी आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 को लेकर काफी उत्साहित हैं। पहली बार आयोजित होने जा रहे इस टूर्नामेंट को लेकर जेमिमा ने कहा कि उनके लिए माइंडसेट में कोई बदलाव नहीं होगा और हमेशा की तरह टीम को जीत दिलाना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी। महिला क्रिकेट की पहली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 14 से 28 फरवरी 2027 तक श्रीलंका में खेली जाएगी। जेमिमा ने जियोहॉटस्टार से बातचीत में कहा कि टीम ने एक बार सफलता का स्वाद चख लिया है और अब खिलाड़ी लगातार शीर्ष पर बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हमने एक बार सफलता का स्वाद चखा है और जानते हैं कि शीर्ष पर रहना कैसा महसूस होता है। जितना ज्यादा आप इसका स्वाद चखते हैं, उतना ही ज्यादा वहां बने रहने की इच्छा होती है। हमारी टीम उसी दिशा में काम कर रही है और चैंपियंस ट्रॉफी बेहद खास होने वाली है।'

जेमिमा ने पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने को अपने लिए भी खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह महिला क्रिकेट में पहली बार हो रहा है और मैं भी पहली बार इसका हिस्सा बनूंगी। यह काफी खास होगा और मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। माइंडसेट की बात करें तो कुछ नहीं बदलता। आखिर में बात टीम की होती है और टीम को कैसे जिताना है, यही हमेशा हमारी सोच रहती है।'

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम दिसंबर 2026 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच बहु-प्रारूप द्विपक्षीय सीरीज खेली जाएगी। जेमिमा ने इस सीरीज को बेहद प्रतिस्पर्धी बताया। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से बेहद रोमांचक सीरीज होने वाली है। दोनों टीमें काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। हाल के समय में हमारे बीच काफी प्रतिद्वंद्विता रही है और हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कई मैच खेले हैं। दुनिया की दो शीर्ष टीमों का दक्षिण अफ्रीका में आमना-सामना होना शानदार चुनौती होगी और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' जेमिमा का द हंड्रेड 2026 अभियान हैमस्ट्रिंग चोट के कारण समय से पहले समाप्त हो गया। हालांकि, उन्होंने टूर्नामेंट में सदर्न ब्रेव को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई और दो मुकाबलों में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी जीता। महिला एशिया कप के लिए फिटनेस हासिल करने की दौड़ में शामिल जेमिमा ने द हंड्रेड के अपने अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि इस साल अलग-अलग पिचों और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना सबसे बड़ी चुनौती रही।

सार्थक रंजन ने खेली कप्तानी पारी, हाफ सेंचुरी लगाकर जिताया मैच

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के 18वें मैच में सार्थक रंजन की कप्तानी वाली नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 7 विकेट से हरा दिया। ये नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की इस लीग में चौथे मैच में दूसरी जीत रही और इस टीम के फिलहाल 5 अंक हो चुके हैं। सार्थक रंजन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया और वो इस सीजन में काफी अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और न्यू दिल्ली टाइगर्स के बीच खेले गए मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और इसके बाद न्यू दिल्ली टाइगर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 161 रन बनाए। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत के लिए 162 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 165 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक ने लगाई हाफ सेंचुरी- नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के लिए पारी की शुरुआत करने वैभव कांडपाल और कप्तान सार्थक रंजन मैदान पर उतरे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 70 गेंदों पर 102 रन की शतकीय साझेदारी हुई, लेकिन वैभव 36 गेंदों पर 41 रन बनाकर आउट हो गए और ये साझेदारी टूट गई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 2 छक्के और 3 चौके भी लगाए और वो अपने अर्धशतक के करीब आकर उससे चूक गए। इसके बाद सार्थक ने 5 छक्के और 3 चौकों की मदद से 45 गेंदों पर 65 रन की पारी खेलकर टीम की जीत लगभग पक्की कर दी। यश भाटिया ने 19 रन की पारी खेली जबकि भरत सिंदवानी ने नाबाद 24 रन जबकि यश डबास ने नाबाद 14 रन की पारी खेली। न्यू दिल्ली टाइगर्स के लिए ऋतिक शौकीन ने सबसे बड़ी नाबाद 35 रन की पारी खेली जबकि अतूल्य पांडे ने 32 रन तो वहीं कप्तान हिम्मत सिंह ने 24 रन बनाए।

2023 में ही टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने वाले थे लक्ष्मण, फिर किया इनकार...

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने अपने करियर से जुड़े एक बड़े राज का खुलासा किया है। लक्ष्मण ने बताया कि वह 2023 में ही भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बनने वाले थे, लेकिन निजी कारणों से उन्होंने यह जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल आगे बढ़ाया गया और उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप तक टीम की कमान संभाली।

2023 में मुख्य कोच बनने का मिला था मौका

लक्ष्मण ने रविवार को बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि 2023 वनडे विश्व कप के बाद उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया जाना था। हालांकि, उस समय निजी कारणों के चलते वह इस जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं कर सके।

लक्ष्मण ने कहा, '2023 में मुझे मुख्य कोच बनना था। निजी कारणों से मैं यह जिम्मेदारी नहीं ले सका। मैं जय (शाह) से दो बार जाकर मिला और उन्होंने मेरी परिस्थितियों को समझा।' लक्ष्मण के इस फैसले के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल बढ़ाया गया। द्रविड़ के नेतृत्व में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब भी जीता। राहुल द्रविड़ के कार्यकाल के समाप्त होने से पहले मई 2024 में बीसीसीआई ने नए मुख्य कोच की तलाश शुरू की थी। उस समय भी लक्ष्मण का नाम प्रमुख दावेदारों में शामिल था। हालांकि, अंत में गौतम गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। लक्ष्मण इस दौरान राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़े रहे और कई मौकों पर अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका भी निभाई। हाल ही में उन्होंने भारत के जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कमान संभालने वाले कोचिंग सेटअप में भी योगदान दिया था। गौतम गंभीर के कार्यकाल को लेकर उठ रहे सवालों और भारतीय टीम के टेस्ट प्रदर्शन पर बहस के बीच लक्ष्मण का नाम एक बार फिर चर्चा में आया। कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया कि बीसीसीआई उन्हें मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर की जगह संभावित उम्मीदवार के तौर पर देख रहा है। अजित अगरकर के भविष्य को लेकर अभी बीसीसीआई ने कोई अंतिम फैसला नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह 2027 वनडे विश्व कप तक मुख्य चयनकर्ता बने रहेंगे या नहीं। हालांकि, लक्ष्मण ने अपने भविष्य को लेकर स्थिति काफी साफ कर दी है। उन्होंने संकेत दिया कि फिलहाल उनका राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच या चयन समिति में जाने का कोई इरादा नहीं है।

सीओई में दो साल और रहेंगे लक्ष्मण

लक्ष्मण ने बताया कि उन्होंने बंगलूरू स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। उनके मुताबिक, बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह ने उन्हें अपने विजन के मुताबिक काम करने की पूरी आजादी दी, जबकि मौजूदा सचिव देवजीत सैकिया भी उन्हें लगातार समर्थन दे रहे हैं। लक्ष्मण ने कहा, 'जय शाह और बीसीसीआई ने मुझे अपने विजन को लागू करने की आजादी दी। देवजीत भी मुझे लगातार समर्थन दे रहे हैं। इसलिए मैंने सीओई में अपना कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ाया है और बीसीसीआई से प्रतिबद्धता जताई है कि मैं हेड कोच का पद नहीं संभालूंगा। आप सभी जानते हैं कि 2024 में भी मुझसे संपर्क किया गया था।'

संक्षिप्त समाचार

एनीमिया के लिए होम्योपैथी के द्वितीय संस्करण का विमोचन

भोपाल, एजेंसी। एनीमिया के प्रति जनजागरूकता, बचाव, पोषण एवं समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक एवं लेखक प्रो. डॉ. अश्विनी कुमार द्विवेदी (डॉ. ए.के. द्विवेदी) द्वारा लिखित पुस्तक 'एनीमिया के लिए होम्योपैथी' के प्रथम संस्करण का विमोचन लगभग दो वर्ष पूर्व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया गया था। प्रथम संस्करण को पाठकों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला और इसकी सभी प्रतियां समाप्त हो गईं। लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए पुस्तक का द्वितीय संस्करण आवश्यक संशोधनों, नवीन जानकारी एवं अतिरिक्त सामग्री के साथ प्रकाशित किया गया है। पुस्तक 'एनीमिया के लिए होम्योपैथी' के द्वितीय संस्करण का विमोचन नई दिल्ली में भारत सरकार के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के द्वारा गरिमामय कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने की। इस अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई, कार्यपरिषद सदस्य प्रो. डॉ. सखाराम मुजाल्दा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. द्विवेदी के अनुसार पुस्तक में अप्लास्टिक एनीमिया, सिकल सेल रोग, थैलेसीमिया, आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया एवं विटामिन डेफिशिएंसी एनीमिया सहित एनीमिया के प्रमुख प्रकारों के कारण, लक्षण, बचाव, पोषण एवं भारतीय खानपान से संबंधित उपयोगी जानकारी दी गई है। साथ ही होम्योपैथिक प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी विस्तृत सामग्री प्रस्तुत की गई है।

तेलंगाना में 54 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त, चार गिरफ्तार; नागपुर ले जाई जा रही थी खेप

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के यदाद्री भुवनागिरी जिले में एक प्रतिबंधित नशीली पदार्थ मेफेड्रोन की तस्करी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए 27 किलोग्राम अवैध पदार्थ की कीमत 54 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि यह अवैध पदार्थ वितरण के लिए महाराष्ट्र के नागपुर ले जाया जा रहा था। बिबीनगर पुलिस थाने की एक टीम ने 8 अगस्त को कोंडामडुगु गांव के बाहरी इलाके में एक विशेष आपरेशन चलाया और एक कार को रोका। यदाद्री भुवनागिरी के पुलिस अधीक्षक अक्षांश यादव ने कहा कि तलाशी के दौरान पुलिस ने 27 किलोग्राम मेफेड्रोन और दो प्लास्टिक के कैन में नशीले पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाला रासायनिक पदार्थ 40 किलोग्राम एसीटोन बरामद किया। दो महाराष्ट्र के और एक-एक असम और हैदराबाद के चार आरोपितों ने स्वीकार किया कि प्रतिबंधित दवा का निर्माण कोंडामडुगु में 5 से 7 अगस्त के बीच अन्य सहयोगियों की सहायता से अवैध रूप से किया गया था। उनकी स्वीकारोक्ति के आधार पर पुलिस ने प्रयोगशाला पर छापा मारा और दवा के निर्माण में उपयोग होने वाले उपकरण रिएक्टर और सेंट्रीफ्यूज जब्त किए। इन चारों को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इस मामले में प्रयोगशाला का मालिक और मुख्य आरोपित फरार है।

मध्य प्रदेश की डेढ़ वर्षीय धृति शुक्ला ने योग में बनाया विश्व कीर्तिमान

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के कोलार क्षेत्र की डेढ़ वर्षीय बालिका धृति शुक्ला ने अपनी अद्भुत शारीरिक लचक और योग क्षमता से भोपाल का नाम रोशन किया है। अंतरराष्ट्रीय संस्था बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड ने उसे यंगेस्ट चाइल्ड टू डेमोंस्ट्रेट मल्टीपल योग आसन एंड फ्लेक्सिबिलिटी पोज के खिताब से सम्मानित किया है। गौर करने वाली बात यह है कि इतनी कम उम्र में कठिन योगासनों का सहज प्रदर्शन कर धृति ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह सफलता साबित करती है कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। धृति की मां डॉ. प्राची शुक्ला योग शिक्षिका हैं, उन्होंने ही धृति की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तेलंगाना में वोटर लिस्ट से कट सकता हैं 71 लाख मतदाताओं का नाम

एसआईआर में फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 10 अगस्त

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत लगभग 71 लाख मतदाताओं की पहचान की गई है, जिनके नाम सूची से हटाए जा सकते हैं। यह संख्या राज्य के कुल 3.38 करोड़ मतदाताओं का लगभग 21 प्रतिशत है। इसका सीधा मतलब है कि राज्य में हर पांच में से कम से कम एक मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से कट सकता है। राज्य में गणना फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त तय की गई है। नौ अगस्त तक केवल 3.2 लाख फॉर्म ही ऐसे थे जिन्हें डिजिटाइज किया जाना बाकी था, जो कि कुल मतदाता सूची का 1 प्रतिशत से भी कम है। इसके पूरे होने पर नामों को हटाने का अंतिम आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। जिन लगभग 71 लाख नामों को अनकलेक्टिबल मानकर हटाने के लिए चिन्हित किया गया है, उनमें से 9.1 लाख मृत मतदाता हैं और 10.3 लाख मतदाता अनुपस्थित या लापता हैं। इसके अलावा, 43

लाख मतदाता स्थायी रूप से दूसरी जगह स्थानांतरित हो चुके हैं, जबकि 6.6 लाख नाम डुप्लीकेट यानी दोहरे मतदाताओं के तौर पर दर्ज पाए गए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि असंग्रहीत श्रेणी में आने वाले सभी मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए जाएंगे। असंग्रहीत फॉर्मों का सबसे बड़ा केंद्र ग्रेटर हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में देखा गया है। केवल हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरि और रंगारेड्डी जिलों में ही कुल मिलाकर 41.5 लाख असंग्रहीत फॉर्म मिले हैं। यह आंकड़ा राज्य के कुल 70.8 लाख असंग्रहीत फॉर्मों का लगभग 58.6 प्रतिशत है। अगर अलग-अलग बात करें तो हैदराबाद जिले में 18,45,595 असंग्रहीत फॉर्म मिले हैं, जो वहां के कुल मतदाताओं का 38.96 प्रतिशत है और तीनों महानगरों में सबसे अधिक है। वहीं, मेडचल-मलकाजगिरि जिले में 10,62,190 (35.65 प्रतिशत) और रंगारेड्डी जिले में 12,41,188 (33.55 प्रतिशत) फॉर्म जमा न किया गया हैं। इन तीनों जिलों में मिलाकर लगभग 1.14 करोड़ मतदाता हैं, जो राज्य के कुल मतदाताओं का करीब 33.7 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं, लेकिन असंग्रहीत फॉर्मों के मामले में इनकी हिस्सेदारी 58.6 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में नाम कटने की इतनी बड़ी दर के पीछे कई कारण हैं। इनमें मुख्य रूप से लोगों का पलायन, किराएदारों का मकान बदलना, बंद पड़े घर, गेटेड कम्युनिटीज, मृत मतदाता और स्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट होना शामिल है।

गृहमंत्री को खुली चुनौती देने वाला हिस्ट्रीशीटर अर्जुन अयांकी गिरफ्तार

कन्नूर, एजेंसी। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला को इंटरनेट मीडिया के जरिये खुली चुनौती देने और पुलिस अधिकारियों को धमकाने के आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश अर्जुन अयांकी को रविवार को कन्नूर से गिरफ्तार कर लिया गया। हिस्ट्रीशीटर वह अपराधी होता है जिसका लंबा आपराधिक रिकार्ड होता है तथा जिसका नाम पुलिस थाने के 'हिस्ट्री शीट' (अपराध इतिहास रजिस्टर) में दर्ज होता है। कन्नूर सिटी पुलिस आयुक्त बीवी. विजय भारत रेड्डी ने बताया कि अर्जुन को गिरफ्तार करने ने के लिए पुलिस ने देर रात तक अभियान चलाया। शनिवार सुबह से ही उसकी तलाश की जा रही थी। सूत्रों के अनुसार अर्जुन को रात करीब 2.30 बजे एक वकील के अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। हाल ही में उस पर गृह मंत्री चेन्निथला को चुनौती देने और इंटरनेट मीडिया पर मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन को बदनाम करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

हाईवे पर मिला खून से लथपथ शव, पुलिस को पत्नी और बेटे पर हत्या का शक

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में पिलरू कस्बे के पास तिरुपति हाईवे एक युवक का खून से लथपथ शव मिला है। युवक की पहचान 47 वर्षीय सुब्रह्मण्यम के रूप में हुई है। शुरुआती तौर पर इसे सड़क दुर्घटना माना जा रहा था। लेकिन मृतक के पिता के आरोपों, घर में मिले खून के धब्बों और फुटेज ने मामले का रुख बदल दिया। पुलिस को संदेह है कि पारिवारिक विवाद और अवैध संबंधों के चलते सुब्रह्मण्यम की घर पर ही हत्या की गई और फिर शव को हाईवे पर फेंककर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी उमादेवी और बेटे लोहित को हिरासत में ले लिया है और दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या यह एक

सुनियोजित हत्या थी।दरअसल, सुब्रह्मण्यम की मौत के बाद उनके पिता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे, बहू या पोते से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। जब वह उनके घर पहुंचे तो दरवाजा बंद था और उमादेवी और उनका बेटा लोहित दोनों गायब थे। इसके बाद पुलिस ने घर और हाईव तक के रास्तों की जांच की। जांच के दौरान खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस अब इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। जांच में दोपहिया वाहन की आवाजाही और शव के परिवहन के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे। युवक के पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि उमादेवी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध था और पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

क्या पत्नी का अवैध संबंध बना हत्या का मकसद: पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या अवैध संबंध हत्या का मकसद बन सकता था और क्या किसी अन्य व्यक्ति ने शव को ले जाने और ठिकाने लगाने में सहायता की थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या शव को जानबूझकर हाईवे पर रखा गया था ताकि मौत को सड़क दुर्घटना जैसा दिखाया जा सके।

राजस्थान पुलिस जिसे ढूंढ रही थी, सीजेपी के मंच पर बैठा था वह 'वांटेड ठग'

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में जिस झुंझुनूं जिले के अपराधी को पुलिस धोखाधड़ी के आरोप में तलाश रही थी वह नई दिल्ली में जंतर-मंतर हुए आंदोलन में काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मंच पर नजर आया था, हालांकि माहौल बिगड़ने के डर से उसे पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। जानकारी के अनुसार, धोखाधड़ी का आरोपित रामचंद्र पांच दिन तक आंदोलन स्थल पर मौजूद था। झुंझुनूं के चार पुलिसकर्मियों की टीम भी उसकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली में ही मौजूद रही, लेकिन माहौल बिगड़ने के भय के कारण उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी। रामचंद्र के खिलाफ फरवरी, 2025 में वाहनों की खरीद-फरोख्त मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। झुंझुनूं कोतवाली पुलिस थाना अधिकारी श्रवण कुमार मील के अनुसार, पुलिस ने रामचंद्र पर बारीकी से निगरानी रखी, मौका देखा कि जैसे ही भीड़ कम हो उसे गिरफ्तार कर लिया जाए, लेकिन मौका नहीं मिला। रामचंद्र ने अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर काकरोच जनता पार्टी की कोर कमेटी का सदस्य बता रखा है। फिलहाल रामचंद्र फरार है।

उड़ते प्लेन से बर्फ का टुकड़ा घर की छत तोड़कर बेडरूम में गिरा; बाल-बाल बचा कपल, एयरलाइन को करना पड़ा समझौता

न्यूयार्क , एजेंसी। सोचिए, आप रात में अपने घर में आराम से बैठे हों और अचानक आसमान से बर्फ का

एक बड़ा टुकड़ा आपकी छत तोड़कर सीधे बेडरूम में आ गिरे। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक कपल के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। राहत की बात यह रही कि बर्फ का भारी टुकड़ा उनके बिस्तर के ठीक ऊपर गिरने के बावजूद दोनों की जान बच गई। जांच में दावा सामने आया कि यह बर्फ उड़ते हुए विमान से गिरी थी। इसके बाद कपल ने एयरलाइन के खिलाफ मुकदमा किया और अब कोर्ट के बाहर समझौते के बाद मामला खत्म हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया के इंगलवुड में रहने वाले माइकल रीस और लिया फेरारिनी के घर 1 जनवरी 2024 की रात करीब 8 बजे अचानक एक बड़ा बर्फ का टुकड़ा गिरा। घर की छत को तोड़ दिया और सीधे बेडरूम में जा गिरा। उस समय दोनों घर के अंदर मौजूद थे और बर्फ उनके बिस्तर के ठीक ऊपर गिरी। कुछ सेकंड की दूरी से दोनों एक बड़े हादसे का शिकार होने से बच गए। मामले की जांच के बाद सामने आया कि बर्फ का यह टुकड़ा कथित तौर पर एक विमान से गिरा था। बताया गया कि विमान न्यूयॉर्क से लॉस एंजिलिस जा रहा था। हादसे के बाद कपल ने एयरलाइन के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दायर किया और नुकसान की भरपाई की मांग की। मामला अदालत तक पहुंचने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। हालांकि, समझौते की रकम सार्वजनिक नहीं की गई है। कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, कपल ने घर की छत की मरम्मत के लिए 11 हजार डॉलर से ज्यादा और मानसिक तनाव के इलाज के लिए करीब 5,600 डॉलर का दावा किया था। माइकल रीस ने यह भी दावा किया कि हादसे के बाद मई 2024 से फरवरी 2025 तक वह काम पर नहीं जा सके। इसके चलते उन्होंने करीब 84 हजार डॉलर की आय के नुकसान का दावा किया। कैलिफोर्निया के टॉरेंस सुपीरियर कोर्ट के जज एलन बी. हनीकट ने बुधवार को दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते को मंजूरी दे दी। एयरलाइन के वकीलों ने कहा कि समझौता दोनों पक्षों के लिए उचित है। हालांकि, एयरलाइन की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि अगर मामला ट्रायल तक पहुंचता, तो उसके पास अपनी जिम्मेदारी से इनकार करने के लिए मजबूत कानूनी दलीलें थीं। मामले की जांच के दौरान अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने विमान के रखरखाव रिकॉर्ड की जांच की।

तूफान का वीडियो बना रहा था शख्स, अचानक आसमान से आ गिरी बिजली, कैमरे में कैद हुआ खौफनाक पल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो में तूफान के दौरान गोल्फ कोर्स पर वीडियो बनाना एक शख्स को भारी पड़ गया। सिनसिनाटी के पास गोल्फ कोर्स में आंधी-तूफान को कैमरे में रिकॉर्ड कर रहे इस व्यक्ति के पास अचानक बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आ गया। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राहत की बात यह है कि शख्स की जान बच गई और उसे हाथ में गंभीर नहीं बल्कि ऐसी चोट लगी, जिससे वह ठीक हो रहा है। घटना शुक्रवार को सिनसिनाटी, ओहायो एक गोल्फ कोर्स में हुई। शख्स उस समय आए तेज तूफान को अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर रहा था। वायरल वीडियो में दिखाई देता है कि मौसम खराब है और आसपास तूफान का माहौल बना हुआ है। इसी दौरान अचानक बिजली गिरती है और शख्स उसकी चपेट में आ जाता है। घटना इतनी अचानक हुई कि वहां मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पुष्टि की कि बिजली की चपेट में आने के बावजूद शख्स बच गया है और उसकी हालत में सुधार हो रहा है। डेविट के मुताबिक, बिजली

गिरने से उसके हाथ पर चोट आई है, लेकिन चोट जानलेवा नहीं है। उन्होंने इस वीडियो को अपने देखे हुए सबसे हैरान करने वाले वीडियो में से एक बताया। शख्स ने भी घटना के बाद खुद को बेहद भाग्यशाली बताया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हजारों लोगों ने प्रतिक्रिया दी। ज्यादातर लोगों ने लोगों को तूफान के दौरान बाहर न निकलने और खासकर पेड़ों के नीचे खड़े न होने की चेतावनी दी। कई यूजर्स ने कहा कि मौसम की चेतावनी और सायरन को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कुछ लोगों ने यह भी याद दिलाया कि तूफान के दौरान पेड़ के नीचे खड़ा होना सुरक्षित नहीं है। बिजली गिरने के मामलों में पेड़ के नीचे खड़ा होना बेहद खतरनाक हो सकता है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, खुले इलाके में अकेला खड़ा पेड़ बिजली के लिए खतरनाक बिंदु बन सकता है। गोल्फ कोर्स विशेष रूप से जोखिम वाले स्थान माने जाते हैं, क्योंकि यहां खुले मैदान ज्यादा होते हैं और सुरक्षित इमारतें कम होती हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 2006 से 2023 के बीच गोल्फ से जुड़ी बिजली गिरने की मौतों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की थी, जिन्होंने पेड़ों के नीचे शरण लेने की कोशिश की थी।

एक्टर से सांसद बने मशहूर बेन जोन्स का निधन, घर पर आया अचानक हार्ट अटैक

लास एंजिल्स, एजेंसी। बेन जोन्स, जिन्होंने .स. हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स में दो कार्यकाल पूरे करने से पहले सीबीएस की एक्शन सीरीज़ द ड्यूक्स ऑफ़ हैज़र्ड में काम किया था, का 84 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर उनकी पत्नी अल्मा वियाटोर ने फेसबुक पोस्ट के ज़रिए दी। द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, घर पर टीवी पर बेसबॉल मैच देखने की तैयारी करते समय उन्हें हार्ट अटैक आया, जिससे उनकी मौत हो गई।

अल्मा की पोस्ट में लिखा था, आज मैंने अपनी ज़िंदगी के प्यार को खो दिया। बेन का ज़बरदस्त हार्ट अटैक से निधन हो गया। वह घर पर अपनी पसंदीदा कुर्सी पर आराम कर रहे थे और ब्रेव्स के आने और यांकीज़ को हराने का इंतज़ार कर रहे थे। बेन की ज़िंदगी बहुत शानदार और भरपूर थी। वह बहुत से लोगों से प्यार करते थे और लोग भी उनसे बहुत प्यार करते थे। उनकी कमी खलेगी। मैं उनसे बहुत ज़्यादा प्यार करती थी।

हैज़र्ड काउंटी स्क्वायर में शेरिफ़ के ऑफ़िस के ठीक सामने स्थित कूटर्स गैराज के मालिक के किरदार में, जोन्स जॉर्जिया में सेट ड्यूक्स ऑफ़ हैज़र्ड के 141 एपिसोड में नज़र आए थे। यह शो जनवरी 1979 से फरवरी 1985 तक सात सीज़न तक चला था। द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, शो की लोकप्रियता से उत्साहित होकर - यह 1979-80 में

नीलसन रेटिंग में दूसरे नंबर पर था, सिर्फ़ डलास से पीछे था जो सीबीएस पर शुक्रवार की रात को इसके बाद आता था - डेमोक्रेट बेन जोन्स ने 1986 में कांग्रेस का चुनाव लड़ा। जॉर्जिया के चौथे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट की सीट के लिए हुए कड़े मुकाबले में वह मौजूदा सांसद पैट स्विंडाल से हार गए।

हालांकि, दो साल बाद, जब स्विंडाल पर मनी लॉन्ड्रर बनकर आए एक अंडरकवर फ़ेडरल एजेंट के साथ अपने लेन-देन के बारे में फ़ेडरल ग्रैंड जूरी से झूठ बोलने का आरोप लगा, तो जोन्स ने भारी अंतर से जीत हासिल की। रीडिस्ट्रिक्टिंग (चुनाव क्षेत्रों के नए सिरे से सीमांकन) की वजह से अपनी सीट गंवाने के बाद, 1994 में न्यूट गिंगरिच ने जोन्स को बुरी तरह हराया। लेकिन, अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जोन्स की ओर से की गई एथिक्स (नैतिक आचरण) संबंधी शिकायत की वजह से ही 1998 में गिंगरिच को हाउस स्पीकर का पद छोड़ना पड़ा था।

2002 में वर्जीनिया में रहते हुए, जोन्स ने कांग्रेस के लिए फिर से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें एरिक कैंटर से हार का सामना करना पड़ा, जो बाद में हाउस में बहुमत दल के नेता बने। बारह साल बाद, जानकारों का कहना था कि जोन्स ने मतदाताओं को जो पत्र लिखकर अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी की तीखी आलोचना की थी, उसी ने प्राइमरी चुनावों में कैंटर की चौंकाने वाली हार में अहम भूमिका निभाई थी।

अमेरिका में गोलीबारी की वारदातों से दहशत: शिकागो में तीन लोगों की मौत, नॉर्थ कैरोलिना में एक परिवार पर टूटा कहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में सप्ताहांत में हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। सीबीएस शिकागो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह 8:22 बजे तक शहर में कुल आठ गोलीबारी की घटनाएं हुईं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इन घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई और नौ अन्य घायल हुए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। इसके अलावा, शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय व्यक्ति के सिर में गोली लगी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इन गोलीबारी की घटनाओं में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, 7 अप्रैल तक समाप्त हुए 12 महीनों के दौरान शिकागो में बंदूक हिंसा के 1,878 पीड़ित दर्ज किए गए, जिनमें से 356 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के कैसवेल काउंटी में एक ग्रामीण इलाके में स्थित घर में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने दी। पुलिस को बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) 8 बजे से ठीक पहले घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने की हालत में पाया। नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि गोली लगने से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कई अन्य लोगों की मौत हो चुकी थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कैसवेल काउंटी के शेरिफ टोनी डर्डन ने बताया कि एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई, जिनमें कथित हमलावर भी शामिल था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,